जबलपुर, रविवार 5 जुलाई 2026 ■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-5 ■ वर्ष : 21, अंक : 64 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 33 न्यून. 25 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

उज्जैन में भारी बारीश के चलते कई मंदिर हुए जलमग्न

सीहोर में तेज बारीश से नाले उफान पर

बालाघाट में घरों में भरा पानी

शनिवार को कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश हुई

हरदा के कई गांवों का संपर्क टूटा दो 'मासूमों' की डूबने से मौत हुई

- भोपाल में अगले सप्ताह तक इंतजार
- खरगोन-बड़वानी में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी बारिश का दौर जारी है। शनिवार को कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश हुई। लेकिन भोपाल में मानसून ऑनसेट के बाद से अब तक भारी बारिश का इंतजार है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार राजधानी में इस सप्ताह भारी बारिश की उम्मीद कम है। इस बीच अब प्रदेश में सामान्य बारिश का आंकड़ा धीरे-धीरे कवर हो रहा है। शनिवार तक प्रदेश में दीर्घावधि औसत से 7 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पूर्वी मप्र में औसत से 30 प्रतिशत कम और पश्चिमी हिस्से में औसत से 17 फीसदी अधिक बारिश हो चुकी है। प्रदेश में जारी भारी बारिश से कई जिलों में हालात बिगड़ रहे हैं।

हरदा जिले में तेज बारिश के कारण सड़कें जलमग्न

- *शनिवार तक प्रदेश में औसत से 7 प्रतिशत कम बारिश हुई*
- *पश्चिमी हिस्से में औसत से 17% अधिक बारिश हो चुकी है*

यहां भारी बारिश

सेंधवा में सर्वाधिक 206.1 मिमी बारिश हुई। खातेगांव 180, कुंभराज, 150 खिरकिया 142.2 और रहटगांव में 117 मिमी बारिश दर्ज हुई है। भोपाल में एक जून से अब तक कुल 324.6 मिमी बारिश हुई है, जो नॉर्मल से 143.2 मिमी अधिक है। रविवार को खरगोन, बड़वानी में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। भोपाल सहित अधिकांश जिलों में सामान्य से तेज बारिश का अनुमान है।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी बने रिएट के नए चेयरमैन

भोपाल। राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश भू-संपदा अपील अधिकरण (रिएट) का नया चेयरमैन हाईकोर्ट

के सेवानिवृत्त जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी को नियुक्त किया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उनका कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने से 5 वर्ष या 67 वर्ष की आयु तक रहेगा। वे जस्टिस वी.पी.एस. चौहान का स्थान लेंगे।

बस ने बाइक सवार परिवार को रौंदा, पिता-पुत्र की मौत

रायसेन। बेगमगंज में शनिवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पिता पूरन आदिवासी

और उनके 5 वर्षीय बेटे डब्बू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। रफ्तार का कहर इतना भयावह था कि मासूम बच्चे का सिर धड़ से अलग हो गया। हादसा तब हुआ जब पूरन अपनी पत्नी संध्या और दो बच्चों के साथ ससुराल से लौट रहे थे।

आधार: 31 दिसंबर तक मुफ्त मिलेगी खास सर्विस

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार धारकों को एक बड़ी राहत दी है।

अब आधार मोबाइल एप के जरिए अपने आधार कार्ड में ईमेल आईडी अपडेट करना 31 दिसंबर 2026 तक पूरी तरह से मुफ्त होगा। पहले इस काम के लिए यूजर्स को करीब 75 रुपए और जीएसटी का भुगतान करना पड़ता था, आधार केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

पेट्रोल में ई-20 एथेनॉल मिश्रण पर केंद्र सरकार की बड़ी सफाई

भ्रम में फंसने की जरूरत नहीं सोशल मीडिया के दावे गलत

सरकार ने गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो को फर्जी बताया। ईंधन ग्रेड का एथेनॉल में चीनी का अंश नहीं होता है, इसलिए गाड़ियों में चींटियां लगने की बात वैज्ञानिक रूप से गलत

एआई इमेज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पेट्रोल में 20 फीसदी तक एथेनॉल मिलाने (ई-20 ईंधन) को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही तमाम अफवाहों पर केंद्र सरकार ने पूरी तरह विराम लगा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए इन सभी भ्रामक दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। सरकार ने साफ किया है कि ई-20 ईंधन पूरी तरह सुरक्षित है और इससे वाहनों के इंजन, माइलेज, बीमा या वारंटी पर कोई भी विपरीत असर नहीं पड़ता है।

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा था कि एक लीटर एथेनॉल बनाने में 10,000 लीटर पानी बर्बाद होता है, जिसे सरकार ने पूरी तरह गलत बताया है। वास्तव में प्रति लीटर एथेनॉल उत्पादन में मात्र 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड पानी लगता है, और आधुनिक प्लांट इस पानी को रीसाइकिल भी करते हैं। इसके अलावा ई-20 कोई नया प्रयोग नहीं है। अमेरिका, ब्राजील, कनाडा और जापान जैसे कई विकसित देशों में इसका इस्तेमाल सालों से सफलता के साथ किया जा रहा है।

इससे वाहनों के इंजन माइलेज बीमा या वारंटी पर कोई भी विपरीत असर नहीं

कॉन्फ्रेंस में ऑटोमोबाइल सेक्टर के दिग्गजों ने रखी अपनी राय

- साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था
- प्रति लीटर एथेनॉल उत्पादन में मात्र 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड पानी लगता है
- अमेरिका, ब्राजील, कनाडा और जापान जैसे कई विकसित देशों में इसका इस्तेमाल

यह जांची-परखी साइंटिफिक प्रोसेस

सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसका टेस्ट कर चुकी हैं। एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था।

मारुती सुजुकी के राहुल भारती ने कहा

ई-20 के हिसाब से बन रहीं गाड़ियां

राहुल भारती

मारुती सुजुकी के एक्जिक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती ने बताया कि ई-20 को लेकर सोशल मीडिया पर मिथ ज्यादा हैं और सच्चाई कम हैं। उन्होंने कहा कि हम गाड़ियों को ई-20 पेट्रोल के हिसाब से ही बना रहे हैं।

पर्यावरण के लिए यह अच्छा: गुलाटी

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने

विक्रम गुलाटी

कहा कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में समय समय पर कई सारे रेगुलेशन करने पड़ते हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

सोने से मढ़ी 5 करोड़ रुपए की रामचरितमानस चोरी!

एजेंसी ⏭ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे को लेकर खड़ा हुआ विवाद गहराता जा रहा है। अब पूर्व केंद्रीय गृह सचिव लक्ष्मी नारायण ने दावा किया है कि मंदिर को भेंट की गई उनकी सोने से मढ़ी बहुमूल्य रामचरितमानस गायब हो गई है।

रामायण

चंपत राय के इस्तीफे पर कल फैसला

सुरक्षा की कमान अब मिश्रा के हाथ

एडिशनल एसपी विजय शंकर मिश्र को अयोध्या राम मंदिर का एसपी सुरक्षा नियुक्त किया गया है। अभी तक जिनके हाथ में कमान थी, उनकी छुट्टी कर दी गई है।

वैभव ने शेफाली-सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

15 साल 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ 'खेले'

एजेंसी ⏭ मैनचेस्टर

हालांकि चले नहीं 14 रन पर ही आउट

वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 15 साल 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ पहला इंटरनेशनल मैच खेला। वैभव को उपकप्तान तिलक वर्मा ने डेब्यू कैप दी। वैभव ने शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

26 तक बढ़ा कमेटी का कार्यकाल

मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक आना मुश्किल

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का विधानसभा के इस मानसून सत्र में आना मुश्किल हो गया है क्योंकि सरकार ने यूसीसी का

■ 24 जुलाई तक चलेगा विधानसभा का मानसून सत्र

मसौदा तैयार कर रही उच्च स्तरीय समिति का कार्यकाल 26 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया है, जबकि विधानसभा का मानसून सत्र 24 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। ऐसे में इस सत्र में विधेयक पेश होने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने 30 जून को जारी अधिसूचना में समिति के सदस्य सचिव के अनुरोध और ड्राफ्ट तैयार करने की प्रगति को देखते हुए कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया है।

10 लाख रुपए की फिरौती मांगी

रील्स में अमीरी देख कर व्यापारी का बेटा 'अगवा'

हरिभूमि न्यूज ⏭ पन्ना

सोशल मीडिया पर अमीरी का दिखावा करना एक कपड़ा व्यापारी के बेटे के लिए उस वक्त भारी पड़ गया, जब रील्स देखकर कुछ युवकों ने

■ करोड़पति समझ लिया था, 3 गिरफ्तार

उसे करोड़पति समझ लिया और उसका अपहरण कर डाला। पन्ना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल 19 वर्षीय अपहृत अंशुल उर्फ कान्हा डेंगरे को सकुशल मुक्त कराया, बल्कि घटना में शामिल तीनों आरोपियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार भी कर लिया है। यह सनसनीखेज वारदात 27 जून को पवई में हुई थी, जहां आरोपियों ने अंशुल का अपहरण कर परिजनों से 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी।

जहरीली गैस ने ले ली जान

कुए में 'बैल' को बचाने उतरे 3 ग्रामीणों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैहर

जिले के खरामसेड़ा गांव स्थित अहिरान टोला में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। कुए में गिरे एक बैल को सुरक्षित

■ 35 फीट गहरे कुए में बैल गिर गया था

बाहर निकालने की कोशिश में जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण तीन ग्रामीणों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। अमरपाटन थाना पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे एक कुशवाहा परिवार के 35 फीट गहरे कुए में बैल गिर गया था। उसे बचाने के लिए दो युवक रस्सी के सहारे कुए में उतरे, लेकिन कुछ ही देर में जहरीली गैस की चपेट आकर अचेत हो गए।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इंदौर में कहा

बीएलओ ही निर्वाचन के आधार स्तंभ और लोकतंत्र के सच्चे प्रहरी

- मध्य प्रदेश ने किया उत्कृष्ट कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

ज्ञानेश कुमार

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार शनिवार को इंदौर पहुंचे, जहां एयरपोर्ट पर प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इंदौर आगमन पर उन्होंने देवी अहिल्याबाई होलकर की पावन नगरी की सराहना की। उनका यह दौरा मुख्य रूप से बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) से संवाद और चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बीएलओ को निर्वाचन आयोग की पूरी व्यवस्था का आधार स्तंभ और लोकतंत्र का सच्चा प्रहरी बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के संधारण से लेकर जमीनी स्तर पर चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने तक बीएलओ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

टेलीग्राम पर केंद्र सरकार का सख्त रुख

फिल्मों व वेब सीरीज की पायरेसी रोकने दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

- अब पूरा ध्यान 'प्लेटफॉर्म की जवाबदेही' तय करने पर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

फिल्म और ओटीटी कंटेंट की चोरी (पायरेसी) करने वालों के खिलाफ केंद्र सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाया है। भारत सरकार ने मशहूर मैसेजिंग एप टेलीग्राम को एक सख्त नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में प्लेटफॉर्म पर धड़ल्ले से शेयर की जा रही पायरेटेड फिल्मों, वेब सीरीज और अन्य ऑडियो-विजुअल कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम से अगले 15 दिनों के भीतर इस मामले में की गई कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट मांगी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब छोटे-मोटे स्तर पर लिंक्स या चैनल्स को ब्लॉक करने से काम नहीं चलेगा। अब सरकार का पूरा ध्यान 'प्लेटफॉर्म की जवाबदेही' तय करने पर है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने एक्स पर दी जानकारी, राष्ट्रपति ने स्वीकृति दी

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में

लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है। परंपरानुसार सत्र राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोनों सदनों में अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भी कराई जाएगी। करीब 3सप्ताह के इस मानसून सत्र में सरकार कई अहम विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

बजट सत्र में 152 घंटे कामकाज हुआ था

इससे पहले संसद का बजट सत्र विगत 18 अप्रैल को समाप्त हुआ था। 28 जनवरीको शुरू हुए संसद के बजट सत्र में कई अहम विधेयक पारित कराए गए थे। स्पीकर ओम बिरला के मुताबिक सत्र के दौरान 31 बैठकें हुईं। लगभग 151 घंटे 42 मिनट तक चली कार्यवाही के दौरान कई अहम विधेयकों पर चर्चा कराई गई थी।

किन मुद्दों पर हंगामा कर सकता है विपक्ष?

बीते दिनों मेडिकल की पढ़ाई से जुड़ी प्रतियोगी परीक्षा- नीट के पेपर लीक, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का चढ़ावा चोरी विवाद जैसे कई मामले लगातार सुर्खियों में है। ऐसे में हंगामा होने की आशंका है। इसके अलावा तृणमूल के दो फाड़ होने का मुद्दा भी चर्चा में है। नजरें स्पीकर ओम बिरला के फैसले पर टिकी हैं। कांग्रेस अंडमान की ग्रेट निकोबार परियोजना पर भी लगातार हमलावर है। ऐसे में हंगामे और नारेबाजी से सत्र की कार्यवाही बाधित हो सकती है।

12 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए 9 विधेयक पारित

बिरला ने बताया था कि सत्र के दौरान 12 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए और 09 विधेयक पारित किए गए। 131वें संविधान संशोधन विधेयक, 2026, संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 पर 21 घंटे 27 मिनट तक चर्चा हुई। 131 सदस्यों ने भाग लिया था। कार्य-उत्पादकता लगभग 93 प्रतिशत रही थी।

संसद में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बिल

मित्तल बोले- न्याय सब के लिए समान होना चाहिए

राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने कहा है कि पुणे के केतन अग्रवाल का केस बहुत ही

ज्यादा चिंताजनक है। उनका कहना है कि केतन और उसके परिवार वालों को निष्पक्ष जांच और न्याय दिलाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे पिछले साल संसद में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बिल भी पेश कर चुके हैं।

बजट सत्र में ये बिल पारित हुए

- औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026
- उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026
- वित्त विधेयक, 2026
- दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026
- आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026
- जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2026
- केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026
- 93 प्रतिशत उत्पादकता, चर्चा में कई सदस्यों ने भाग लिया।

खबर संक्षेप

निर्वासन के लिए 50 बांग्लादेशी बंगाल पहुंचे

सलेम। तमिलनाडु से 50 बांग्लादेशी नागरिकों के समूह को ट्रेन से बंगाल भेजा गया ताकि उन्हें

उनके देश वापस भेजा जा सके। पुलिस ने जानकारी दी। वापस भेजे जा रहे इन लोगों में 44 पुरुष और छह महिलाएं शामिल हैं। इन्हें पहले सलेम जिले के अत्तूर तालुक कार्यालय परिसर में बने विशेष निरुद्ध शिविर में रखा गया था।

शिंदे को वायरल बुखार अस्पताल में भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को वायरल बुखार और सर्दी की शिकायत के बाद

ठाणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराए गए उपमुख्यमंत्री को चिकित्सकों ने आराम करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि शिंदे को जल्द अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

करनाल में कृषि-रसायन कारखाने में भीषण आग

चंडीगढ़। हरियाणा के करनाल में शनिवार को एक कृषि-रसायन कारखाने में भीषण आग लग गई।

सदर थाना प्रभारी तरसेम ने बताया कि नगला चौक के पास स्थित कारखाने के गोदाम में आग लगने के समय कोई मौजूद नहीं था। पुलिस के मुताबिक आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया।

मुंबई में बारिश से स्कूल-कॉलेज बंद

मुंबई। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' के बाद बीएमसी ने शनिवार

को महानगर के सभी विद्यालयों महाविद्यालयों में दोपहर की पाली के लिए अवकाश घोषित कर दिया। बीएमसी ने बताया कि अत्यधिक भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर यह फैसला किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का किया उद्घाटन

हम लोगों की सुविधाओं में कर रहे इजाफा युद्धकाल में विपक्ष ने नागरिकों को 'डराया'

प्रधानमंत्री ने पौधरोपण भी किया

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के जोधपुर में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने संशोधित 'उड़ान' योजना भी लॉन्च की, जिसका उद्देश्य देश में विमानन कनेक्टिविटी का विस्तार और विमानन-आधारित विकास को गति देना है। प्रधानमंत्री ने नए टर्मिनल भवन का निरीक्षण किया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें टर्मिनल की विभिन्न विशेषताओं की जानकारी दी। इसके बाद प्रधानमंत्री ने नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। यह परियोजना 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की गई है। 23,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला यह नया टर्मिनल भवन हर साल 20 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम है। इसमें आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यात्रियों को अधिक सुगम और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। इस दौरान मोदी ने कहा कि युद्ध के दौरान कई अफवाहें फैलाई गईं। देशवासियों को डराया गया।

संशोधित 'उड़ान' योजना लॉन्च की विपक्ष पर बोला हमला → **480** करोड़ की लागत से तैयार हुआ → **23,000** वर्ग मीटर में फैला → **20** लाख यात्रियों को हर साल संभालने में सक्षम

उड़ान योजना की शुरुआत करते प्रधानमंत्री मोदी

राजस्थान की विरासत और हरित

राजस्थान की शाही विरासत से प्रेरित इस टर्मिनल की वास्तुकला में मेहराब और झरोखों जैसे पारंपरिक तत्वों को आधुनिक डिजाइन के साथ समाहित किया गया है। ऊर्जा-कुशल प्रणालियां, जल संरक्षण

योजना के लिए 28,840 करोड़ रुपए का प्रावधान

पीएम मोदी ने संशोधित 'उड़ान' योजना भी लॉन्च की। इस योजना के तहत 28,840 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। इसका उद्देश्य अगले 10 वर्षों में

100 नए हवाई अड्डे और 200 हेलिपैड विकसित होंगे

अप्रयुक्त हवाई पट्टियों का उपयोग करते हुए 100 हवाई अड्डों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए 12,000 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है।

पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण किया

गिनाईं ये उपलब्धियां, विकास में बड़ा कदम बताया

प्रधानमंत्री ने जोधपुर में नए एयरपोर्ट टर्मिनल और करीब 79,459 करोड़ की लागत से विकसित पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण किया। रिफाइनरी से जुड़े पेट्रोकेमिकल जोन के विकास की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है। इस रिफाइनरी से निकलने वाले उप-उत्पादों पर आधारित प्लास्टिक उद्योग स्थापित किए जाएंगे। 'उड़ान' से मारवाड़ की समृद्ध विरासत और आधुनिक बुनियादी ढांचे के इस अनूठे संगम में देश-विदेश से आने वाले यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

पचपदरा रिफाइनरी की खास बातें

पचपदरा रिफाइनरी देश की सबसे बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में शामिल है। इसके निर्माण के लिए 1.5 करोड़ घन मीटर मिट्टी की खुदाई की गई।

राजस्थान की धरती के कण-कण ने हमें स्वाभिमान की सीख दी

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान की धरती के कण-कण ने हमें स्वाभिमान की सीख दी है। यह रिफाइनरी यहां हजारों लोगों के लिए रोजगार का माध्यम बनेगी। भाजपा की सरकारें केवल परियोजनाओं का शिलान्यास करके उन्हें अधूरा नहीं छोड़तीं।

छोटे-छोटे क्षेत्रों को भी हवाई सेवाओं से जोड़ा जाएगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह टर्मिनल मारवाड़ के विकास को नई गति देगा। इसके तहत दूर-दराज के छोटे-छोटे क्षेत्रों को भी हवाई सेवाओं से जोड़ा जाएगा। राजस्थान के 54 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिए गए।

युद्ध के बीच घरेलू गैस की कीमतें रहीं अप्रभावित

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया। सरकार ने प्रभावी प्रबंधन के जरिए इसकी कीमत करीब 950 रुपए के आसपास बनाए रखी।

हमने किसानों को 300 रुपए में दी यूरिया

पीएम मोदी ने कहा कि यूक्रेन युद्ध के कारण खाद का गंभीर संकट पैदा हो गया था। एक बोरी यूरिया की कीमत 3,000 रुपए से भी ऊपर पहुंच गई थी। हमने किसानों को यूरिया मात्र 300 रुपए में उपलब्ध कराया, सब्सिडी भी दी।

दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई

पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध के इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था, लेकिन संकट के समय भारत की रणनीति का जलवा दिख गया।

पहली बार लखनऊ पहुंचे नबीन

रोड शो में बरसे फूल... प्रदेश मुख्यालय में की अहम बैठक

मुख्यमंत्री योगी ने किया नबीन का स्वागत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ लखनऊ

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद नितिन नबीन शनिवार को पहली बार लखनऊ पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगुच्छ देकर व भगवा अंगवस्त्र पहनाकर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। योगी ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों व कार्यकर्ताओं का परिचय भी कराया। योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रभु श्रीराम एवं लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के चरणरज से पावन हुई संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में नबीन का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

फिर से कमल खिलेगा

नबीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा और पार्टी कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। आज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाया गया प्यार और स्नेह संकेत देता है कि 2027 में कमल निश्चित रूप से खिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से 'डबल इंजन' सरकार मोदी-योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश में बदल दिया है, कमल निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में खिलने के लिए तैयार है।

योगी बोले- हार्दिक स्वागत व अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में लिखा कि प्रभु श्रीराम एवं लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के चरणरज से पावन हुई संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

उत्साह बता रहा फिर बनेगी भाजपा सरकार

नबीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की इस धरती को नमन करता हूं। प्रभु श्रीराम की धरती, भोले बाबा की धरती, श्रीकृष्ण की धरती को नमन करता हूं। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करता हूं। यह उनका कार्यक्षेत्र रहा है। कार्यकर्ताओं का उत्साह है, निश्चित रूप से भाजपा की फिर से सरकार बनेगी। इस कार्ययोजना पर हम काम कर रहे। नबीन का स्वागत करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष/केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, एके शर्मा, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नन्दी', संजय निषाद, दारा सिंह , जेपीएस राठौर, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, संजय सेठ, ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन पर खुशखबर

रेलमंत्री ने बताया.. 80 फीसदी काम पूरा, अगले साल से सफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत को अपनी पहली बुलेट ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। अगले साल अगस्त तक

मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर पहली ट्रेन शुरू हो जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को ऐलान किया है कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहला सेक्शन 2027 में तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण कार्य 80 फीसदी पूरा हो चुका है।

चरणों में शुरू होगा पूरा बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

वैष्णव ने बताया कि प्रोजेक्ट का काम बहुत तेजी से चल रहा है। अगले साल सूरत से बिलिमोरा तक का पहला सेक्शन चालू हो जाएगा, इसके बाद वापी से सूरत वाला सेक्शन शुरू होगा. फिर वापी से अहमदाबाद वाला सेक्शन पूरा किया जाएगा।

बिहार में एक और पुल गिरा

ब्रिज का स्लैब गिरने से कई मजदूर घायल

समस्तीपुर। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट माने जाने वाले ताजपुर-बख्तियारपुर गंगा सेतु के निर्माण कार्य के दौरान शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। समस्तीपुर जिले के मोहनपुर प्रखंड अंतर्गत राजपुर-जौनापुर गंगा घाट के पास निर्माणाधीन पुल के पिलर संख्या-58 के समीप अचानक स्लैब टूटकर गिर गया।

ममता को एक और बड़ा झटका

प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा ने पार्टी के सभी पदों से दिया इस्तीफा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बेनर्जी को एक और बड़ा झटका लगा है।

एक दिन पहले ही ममता के पार्टी ऑफिस पर बागी गुट ने कब्जा कर लिया था और अब टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान कर सभी को चौंका दिया। चंद्रिमा को ममता की करीबी नेता माना जाता है।

3 जून को ही प्रदेश अध्यक्ष बनीं

चंद्रिमा को बंगाल चुनाव में हार के बाद 3 जून को ही सुब्रत बक्शी की जगह अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। ममता ने विधायकों की बगावत के बाद पार्टी की सभी समीतियों को भंग कर दिया था और संगठन में बड़े बदलाव किए थे। चंद्रिमा ने लिखा कि वे सौंपे गए टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रही हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने मध्य वर्ग को भारत का वृद्धि इंजन बताया

500 शहर बनेंगे नए आर्थिक केंद्र, गतिविधियां बढ़ेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को मध्य वर्ग को केवल वृद्धि का लाभार्थी नहीं, भारत का वृद्धि इंजन बताया। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 500 शहर आर्थिक गतिविधि के अगले केंद्र के रूप में उभरने के लिए तैयार हैं। सीतारमण फ्रांस के एक प्रमुख आर्थिक मंच 'रेनकॉन्ट्रेस इकनॉमिक्स डी'एक्स-एन-प्रोवेंस' में एक पैनल चर्चा में भाग ले रही थीं। उन्होंने बताया कि आज भारत की 31 फीसदी आबादी मध्य वर्ग में आती है। भारत की अर्थव्यवस्था खुलने के बाद से मध्य वर्ग सालाना 6.3 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। उनका अनुमान है कि भारत में कुल खर्च का 93 फीसदी मध्य वर्ग या थोड़े संपन्न उपभोक्ताओं के कारण होगा। सीतारमण ने बताया कि यह मध्य वर्ग केवल महानगरों में केंद्रित नहीं है।

फ्रांस के प्रमुख आर्थिक मंच में बोलीं

कोविड के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही

उन्होंने कहा कि मध्य वर्ग की खपत ही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही है। एक ओईसीडी अध्ययन का हवाला देते हुए सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों के कारण भारत 2030 से 2035 के बीच मध्य वर्ग की आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ देगा। कोविड-19 के बाद भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण मध्य वर्ग द्वारा प्रेरित खपत है।

मध्य वर्ग के लिए सरकार दे रही सहूलियतें

मध्य वर्ग के आकार को बढ़ाने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। इनमें वित्तीय समावेशन, हालिया जीएसटी दर युक्तिकरण और बिना गारंटी ऋण प्रदान करना शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना भी इन पहलों का हिस्सा है। इन कदमों से मध्य वर्ग को लाभ मिल रहा।

लोग तकनीकी कौशल को उन्नत कर रहे

सीतारमण ने कहा कि लोग आगे रहने के लिए लगातार अपने तकनीकी कौशल को उन्नत कर रहे हैं। जो लोग एआई से नौकरियों के विस्थापन से डरते हैं, उनके लिए सरकार व्यापक सहायता दे रही है। देश भर में एआई-केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में जिला स्तर पर एआई कौशल शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

तलाक पर सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

हाईकोर्ट का आदेश बरकरार

पति को निजता का अधिकार, उचित प्रतिबंध भी संभव, दावा खारिज किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें तलाक के मामले में विवाह-बाह्य संबंध के आरोपी पति के 'निजता के अधिकार' के दावे को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि पत्नी पति पर लगे विवाह-बाह्य संबंध के आरोप को साबित करने के लिए कॉल डिटेल रिकॉर्ड और होटल बुकिंग से जुड़ी जानकारी जैसे साक्ष्य जुटाने के लिए अदालत की मदद ले सकती है। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अलग रह

रहे पति की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दिल्ली हाई कोर्ट के 10 मई, 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। अपील खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद हमें हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती।

हाई कोर्ट ने यह कहा था

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा था कि कानून विवाह-बाह्य संबंध को तलाक का वैध आधार मानता है। ऐसे में किसी विवाहित पुरुष पर यदि विवाह के दौरान किसी अन्य महिला के साथ यौन संबंध का आरोप है, तो केवल 'निजता के अधिकार' का हवाला देकर उसे कानूनी संरक्षण नहीं दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी उल्लेख किया था, जिसमें कहा गया था कि निजता का अधिकार संरक्षित मौलिक अधिकार है, पर यह पूर्ण या असीमित नहीं है।

अमित शाह बोले- हर आतंकी मॉड्यूल को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार

23 और व्यक्ति 'आतंकवादी' घोषित इसमें 17 पाकिस्तानी, 6 भारतीय

यूएपीए के तहत केंद्र सरकार का फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए 23 और व्यक्तियों को गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत 'आतंकवादी' घोषित किया है। घोषित किए गए 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और 6 भारतीय नागरिक हैं, जो वर्तमान में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी गतिविधियों को संचालित कर रहे हैं।

आतंक के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस'

अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' विजन को आगे बढ़ाते हुए गृह मंत्रालय ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, आतंकवाद को बढ़ावा देने, हथियारों की तस्करी, सीमा पार घुसपैठ, आतंकी संगठनों की मदद, फंड जुटाने और आतंकवादियों की भर्ती जैसी गतिविधियों में शामिल हैं। मोदी सरकार भारत और देशवासियों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब तक 57 व्यक्ति घोषित किए आतंकवादी

केंद्र ने 2019 में यूएपीए में संशोधन के बाद पहली बार व्यक्तियों को भी आतंकवादी घोषित करने का प्रावधान लागू किया था। अब तक अधिनियम की धारा 35 के तहत कुल 57 व्यक्तियों को यूएपीए की चौथी अनुसूची में 'आतंकवादी' के रूप में सूचीबद्ध किया जा चुका।

अलग-अलग संगठनों से जुड़े हैं आतंकी

गृह मंत्रालय द्वारा घोषित 23 आतंकवादियों में अधिकांश का संबंध जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), हरकत-उल-मुजाहिद्दीन (एचयूएम), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों से है। इन पर सीमा पार घुसपैठ, हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने, आतंकी फंडिंग, युवाओं की भर्ती, प्रशिक्षण शिविर संचालित करने और भारत में कई बड़े आतंकी हमलों की साजिश रचने या उन्हें अंजाम देने के आरोप हैं।

सूची में जैश-ए-मोहम्मद का शीर्ष कमांडर मसूद शामिल

गृह मंत्रालय ने जिन 23 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया है, उनमें मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, फिरदौस अहमद भट, गुलाम फरीद, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर, अब्दुल रऊफ, अशफाक अहमद, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, ओवैस फारूज, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार, वसीम नूर जाट और मोहम्मद शहीद फैसल शामिल हैं। मसूद इलियास कश्मीरी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एक शीर्ष कमांडर है। वह 22 अप्रैल 2022 को जम्मू के सुंजवान में सुरक्षा बलों पर हुए जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी हमले में शामिल था।

मसूद कश्मीरी

भाजपा ने उमर अब्दुल्ला सरकार को घेरा

लाइब्रेरी में उपलब्ध किताब में आतंकियों को बताया 'महान'

जम्मू-कश्मीर में सरकारी स्कूलों के लाइब्रेरी में उपलब्ध किताब में आतंकवादियों और अलगाववादी नेताओं को महान हस्ती के तौर पर बताया गया। इस पर भाजपा विधायक विधानसभा प्रतिपक्ष नेता सुनील शर्मा ने कहा इसे गंभीर अपराध बताया है। इस किताब का नाम 'ग्रेट पर्सनेलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ जम्मू एंड कश्मीर' है। किताब में आतंकवादी मकबूल भट्ट को 'शहीद' बताया और हाफिज सईद को भी महान हस्ती बताने का दावा किया गया। वहीं, अलगाववादी नेताओं सैयद अली शाह गिलानी, मसरत आलम, शब्बीर अहमद शाह और मौलवी फारूक को कश्मीर का 'स्वतंत्रता सेनानी' बताया गया है।

सुनील शर्मा

स्कूल शिक्षा विभाग ने किताब ली वापस

स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव राम निवास शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि इस विवादित किताब को फौरन सभी सरकारी स्कूलों से वापस मंगा लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक वापस कराई गई है। इसके पब्लिकेशन, अप्रूवल, खरीद और डिस्ट्रीब्यूशन में शामिल अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव के अनुसार यह किताब जून 2026 में सरकारी स्कूलों में बांटी की गई थी, जबकि 3 जुलाई को वापस लेने का फैसला लिया गया।

खबर संक्षेप

रूसी तेल टर्मिनल पर यूक्रेन का फिर से हमला

मॉस्को। यूक्रेन ने एक बार फिर रूस के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। शनिवार को यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग के एक तेल टर्मिनल पर हमला हुआ। रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह हमला शहर के कीरोव्स्की जिले में हुआ, जहां बाल्टिक सागर के किनारे तेल टर्मिनल स्थित है। सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव के मुताबिक, रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने शहर और आसपास के इलाकों में 72 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। तेल टर्मिनल को नुकसान पहुंचा है।

स्पेन में पकड़ा गया गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों

नई दिल्ली। पंजाब एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के इनपुट पर गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों स्पेन के मेड्रिड शहर में पकड़ा गया। स्पेन की सुरक्षा एजेंसियों ने गोल्डी ढिल्लों को हिरासत में लिया। गोल्डी एनआईए का वांटेड आरोपी भी है और उसके ऊपर 10 लाख का इनाम है। 5 लाख का इनाम पंजाब पुलिस ने भी उसके ऊपर घोषित किया हुआ है। कनाडा में हुई फायरिंग की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों का हाथ था। पंजाब में भी संगठित अपराध की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों आरोपी है। पहले वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हिस्सा था।

खालिद और इमाम को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश से जुड़े मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को अदालत से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने दोनों की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। इस फैसले के बाद दोनों आरोपियों को फिलहाल जेल में ही रहना होगा, जबकि मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी। दोनो आरोपियों ने कोर्ट में दूसरी बार जमानत अर्जी लगाई थी। उमर खालिद और शरजील इमाम पिछले 6 साल से जेल में हैं।

टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026 के मौके पर पीयूष गोयल बोले

एफटीए पर कनाडा के साथ वार्ता अच्छी प्रगति पर, पेरू से कई मुद्दों पर मतभेद

पीएम मोदी ने उद्योग को गुणवत्ता के लिए प्रेरित किया

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद संग संवाद भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते का पूरक बनेगा। इसका उद्देश्य समझौते के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना है। यह एफटीए को लागू करना आसान बनाएगा और उसके लाभों को हासिल करने में मदद करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के खिलौना उद्योग का भविष्य बहुत उज्जवल

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार समझौतों की स्थिति पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि भारत और पेरू के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) निकट भविष्य में संपन्न होने की संभावना नहीं है। इसका मुख्य कारण कुछ उत्पादों के लिए बाजार पहुंच से जुड़ी गंभीर चिंताएं हैं।

गोयल ने यह भी बताया कि कनाडा के साथ एफटीए वार्ता अच्छी प्रगति पर है। गोयल ने टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026 के मौके पर बातें कही। पीयूष गोयल ने वैश्विक आर्थिक मंदी की चिंताओं पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम में 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विजिटर्स की मेजबानी हुई है। यह भारत की आर्थिक सफलता की कहानी का साफ संकेत है। यह देश को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग को लगातार गुणवत्ता, स्केल और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। गोयल ने विश्वास जताया कि खिलौना उद्योग का भविष्य बहुत उज्ज्वल है और यह उल्लेखनीय प्रगति के लिए पूरी तरह तैयार है।

> भारत अपने घरेलू उद्योगों के हित की रक्षा कर रहा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल फाइल फोटो

पेरू से एफटीए होने में काफी समय लगेगा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते में देरी का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि भारत के कुछ उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। भारत कई ऐसे उत्पादों के लिए पेरू को बाजार में पहुंच की पेशकश नहीं कर सकता है। दोनों देशों के बीच इन मुद्दों पर अभी भी मतभेद बने हुए हैं। गोयल ने साफ किया कि उन्हें नहीं लगता कि पेरू के साथ एफटीए बहुत जल्द संभव हो पाएगा। यह मुद्दा दोनों पक्षों के लिए एक बड़ी बाधा है। भारत अपने घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा करना चाहता है।

कनाडा संग वार्ता का दूसरा दौर सोमवार से

पीयूष गोयल ने बताया कि कनाडा के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता अच्छी प्रगति कर रही है। वार्ता का अगला महत्वपूर्ण दौर सोमवार को शुरू होने वाला है। भारत सरकार अगले छह महीनों में इस समझौते को संपन्न करने का प्रयास कर रही है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को नई गति देगा।

इजराइल से भी चर्चा जारी

इजराइल के साथ प्रस्तावित एफटीए पर भी बातचीत और चर्चाएं जारी हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण इसकी गति थोड़ी धीमी हो गई है। गोयल ने उम्मीद जताई कि शांति प्रक्रिया समाप्त होने के बाद वार्ता को तेज किया जा सकेगा। भारत दोनों देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जल्द जाएंगे ब्रुसेल्स

मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि वह विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ब्रुसेल्स जाएंगे। वे यूरोपीय आयोग के साथ भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) संवाद में भाग लेंगे। गोयल ने कहा कि यह संवाद भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते का पूरक बनेगा। इसका उद्देश्य समझौते के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना है। यह एफटीए को लागू करना आसान बनाएगा और उसके लाभों को हासिल करने में मदद करेगा। यह बैठक भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भविष्य के व्यापारिक संबंधों की नींव रखेगा।

भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता लागू

भारत गणराज्य की सरकार और इजराइल की सरकार के बीच 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) शनिवार से प्रभावी हो गया। इस समझौते को दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सुरक्षित तथा पूर्वानुमानित निवेश माहौल सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। द्विपक्षीय निवेश समझौता निवेशकों और उनके निवेशों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही, यह दोनों देशों को अपने वैध सार्वजनिक नीति उद्देश्यों के अनुरूप संप्रभु नीतिगत अधिकार बनाए रखने का पर्याप्त लचीलापन भी देता है। यह समझौता अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के आधुनिक सिद्धांतों और विकसित होते न्यायशास्त्र के अनुरूप तैयार किया गया है। सरकार के अनुसार, इस समझौते से भारत और इजराइल के बीच सीमा पार निवेश में वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और द्विपक्षीय साझेदारी को भी नई मजबूती मिलेगी।

फ्यूल टैंक में पानी के रिसाव की आशंका

भूटान ने ठुकराया भारत का ई20 ऑफर सामान्य पेट्रोल जारी रखने की मांग की

पुराना और कमजोर फ्यूल स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर बना मुसीबत, फ्यूल टैंक जमीन के नीचे

पीएम त्शेरिंग तोबगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भूटान ने भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जिसमें उसे ई20 ईंधन सप्लाई करने की पेशकश की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूटान ने भारत से कहा है कि जब तक भारतीय बाजार में सामान्य पेट्रोल उपलब्ध है, तब तक वही सप्लाई जारी रखी जाए।

दरअसल, इसकी सबसे बड़ी वजह भूटान का पुराना और कमजोर फ्यूल स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर है। देश के अधिकांश फ्यूल टैंक जमीन के नीचे बने हुए हैं और उनमें पानी के रिसाव की आशंका बनी रहती है। ऐसे में ई20 पेट्रोल के खराब होने और वाहनों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, भूटान का पहाड़ी और दुर्गम भूभाग भी एक बड़ी चुनौती है, जहां वाहनों को लगातार अधिक पावर और भरोसेमंद प्रदर्शन की जरूरत होती है। अधिकारियों को आशंका है कि ई20 पेट्रोल इन परिस्थितियों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं दे पाएगा।

वाहनों के इंजन पर असर

भूटान फिलहाल भारत से उच्च गुणवत्ता वाला एक्सपोर्ट ग्रेड पेट्रोल और डीजल खरीदता है, जिसकी कीमत भारतीय पेट्रोल पंपों पर बिकने वाले ईंधन से अधिक होती है। लेकिन अब भूटान के ट्रेड डिपार्टमेंट ने ई20 सप्लाई की पेशकश को ठुकरा दिया है। भूटानी अधिकारियों के मुताबिक, पुरानी अंडरग्राउंड टंकियों में पानी का रिसाव आम बात है। अगर ई20 पेट्रोल में पानी घुल जाए तो उसे आसानी से अलग नहीं किया जा सकता। इससे ईंधन की गुणवत्ता खराब होती है और स्टील टैंक व पाइपलाइन में जंग लगने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। लंबे समय में इसका असर वाहनों के इंजन और उनकी परफॉर्मेंस पर पड़ सकता है। भूटान सरकार ने कहा कि देश के कई भूमिगत स्टोरेज टैंकों की मौजूदा स्थिति को देखते हुए एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल का इम्पोर्ट और स्टोरेज क्वालिटी बनाए रखने के लिहाज से चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

घटकर 60 डॉलर तक आ सकता है कच्चा तेल

सिटीग्रुप ने एक रिपोर्ट में कहा कि भू-राजनीतिक तनाव कम होने से ब्रेंट क्रूड ने युद्ध के दौरान हुई अपनी सारी बढ़त को गंवा दी है और इसमें 30 फीसदी की गिरावट देखी गई। हालात सामान्य होने की स्थिति में ब्रेंट क्रूड के दाम इस साल के अंत तक गिरकर 60 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकते हैं। होर्मुज के आसपास तनाव कम होने से कच्चे तेल की आपूर्ति से जुड़ी चिंताएं लगभग खत्म हो गई हैं। इसके अलावा, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के निर्यात को सामान्य दरों की ओर बढ़ाने से क्रूड की कीमतों में गिरावट और गहरी हो गई है। चीन की कमजोर मांग और आपूर्ति में वृद्धि से अब बाजार में सप्लाई सरप्लस की संभावना बढ़ गई है। इससे क्रूड में और गिरावट की उम्मीद बढ़ गई है।

ऑपरेशन अमिस्ताद की वेनेजुएला ने की तारीफ

विदेश मंत्री बोले- भाईचारे का शानदार उदाहरण, पीएम मोदी को धन्यवाद दिया

एजेंसी ▶▶ काराकास

वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने भारत की ओर से स्थापित फील्ड अस्पताल का दौरा किया। वहां दी गई चिकित्सा सेवाओं की सराहना की। उन्होंने ऑपरेशन अमिस्ताद की सराहना की। उनके साथ भारत के राजदूत पीके अशोक बाबू भी मौजूद थे। गिल ने कहा कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमने इस फील्ड अस्पताल का दौरा किया है। यह फील्ड अस्पताल भारत सरकार की ओर से स्थापित किया गया है, जो हमारी मित्र और भाईचारे वाली सरकार है।

भारतीय शिविर में लोगों से मिलते इवान गिल

वेनेजुएला में भारत से हमारे साथ राजदूत अशोक बाबू, यहां के संचालन के प्रभारी कमांडर, राष्ट्रीय हिप्पोड्रोम संस्थान के निदेशक और अध्यक्ष जूलियो लियोन भी मौजूद हैं, जो इस अस्पताल की स्थापना के लिए सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने देखा है कि प्रतिदिन 400 लोगों को विभिन्न प्रकार की सहायता दी जा रही है।

पश्चिम एशिया में मध्यस्थता पर दोराईस्वामी बोले

भारत और पाक की तुलना 'अनुचित' देश खुद करें फैसला, देखें अपना हित

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने पश्चिम एशिया में मध्यस्थता को लेकर भारत और पाकिस्तान की तुलना को खारिज करते हुए इसे अनुचित बताया। उन्होंने साफ कहा कि देशों को यह खुद तय करना चाहिए कि किसी विवाद में मध्यस्थता करना उनके हित में है या नहीं। पाकिस्तान से तुलना पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों की आर्थिक स्थिति और वैश्विक भूमिका खुद ही अंतर दिखाती है। भारत की वैश्विक भागीदारी को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देश यूरोप और एशिया के साथ मजबूत आर्थिक संबंध रखता है। इस दौरान उन्होंने शांति और सुरक्षा के मुद्दों पर भारत की सक्रिय भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी संघर्ष में मध्यस्थता करने को लेकर सावधानी बरतता है। राजदूत ने कहा कि अभी का वैश्विक माहौल पहले से ही काफी तनाव पूर्ण है, ऐसे में मध्यस्थता से भारत को कोई खास लाभ नहीं दिखता।

विक्रम दोराईस्वामी

जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर

भव्य रथों का निर्माण कार्य समापन की ओर

पुरी। ओडिशा के पुरी में 16 जुलाई से शुरू होने वाली विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के लिए तीन भव्य और विशाल लकड़ी के रथों (नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन) का निर्माण कार्य तेजी से अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। रथों की नक्काशी, रंग-रोगन और सजावट का काम भी जोर-शोर से चल रहा है। रथ यात्रा से पहले 29 जून को देव स्नान पूर्णिमा के पवित्र अनुष्ठान संपन्न हो चुके हैं, जिसके बाद से देवता 'अनवसर' काल में विश्राम कर रहे हैं। तीर्थनगरी 'बड़ा डंडा' में भारी संख्या में भक्तों की भीड़ जुटने लगी है और प्रशासन द्वारा सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन के इंतजाम किए जा रहे हैं।

'सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन' से निर्माण में रिकॉर्ड प्रगति

रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ पर पहुंचा निर्यात 38 हजार करोड़ रुपए कर गया पार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने अभावों से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से विकसित भारत के निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहले कार्यकाल में अभाव दूर करने, दूसरे कार्यकाल में आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने और तीसरे कार्यकाल में 'सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन' की नीति के जरिए विकसित भारत की मजबूत नींव रखी जा रही है।

राजनाथ सिंह

'मेक-इन-इंडिया' पर भरोसा

रक्षा मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में तीन गुना अधिक है। उन्होंने बताया कि रक्षा निर्यात 38 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया है, जो 2013-14 के 686 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 57 गुना अधिक है।

भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में परिवर्तनकारी बदलाव आया है और आज दुनिया अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण को गंभीरता से सुनती है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत देश ने पिछले वर्ष अपने सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन भी शुरू किया। मोबाइल विनिर्माण, ऑटोमोबाइल निर्यात, स्वदेशी लोकोमोटिव उत्पादन और डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

पीएम नरेंद्र मोदी 8 से 10 जुलाई के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर

वार्षिक लीडर्स समिट में होंगे शामिल, द्विपक्षीय संबंधों पर होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ कैनबरा

पीएम नरेंद्र मोदी के 8 से 10 जुलाई के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले वहां के पीएम एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया-भारत वार्षिक लीडर्स समिट के लिए पीएम मोदी का स्वागत करने पर गर्व होगा।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, पीएम एंथनी अल्बनीज मेलबर्न में पीएम नरेंद्र मोदी की मेजबानी करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी।

> ऑस्ट्रेलिया के पीएम बोले- पीएम मोदी का स्वागत करना गर्व की बात

पीएम एंथनी अल्बनीज और पीएम नरेंद्र मोदी फाइल फोटो

अल्बनीज ने जताया उत्साह

पीएम अल्बनीज ने कहा कि मुझे अपने मित्र पीएम मोदी का ऑस्ट्रेलिया में वार्षिक लीडर्स समिट के लिए स्वागत करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया और भारत की साझेदारी पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है और यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देती है। उन्होंने दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा भी जताई।

भारत महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार

पीएम अल्बनीज ने कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है तथा ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है। दोनों देशों के संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर आधारित हैं, जिन्हें मजबूत आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों का समर्थन प्राप्त है। व्यापार, रक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ रहा है, जिससे दोनों देशों को लाभ मिल रहा है।

ऑकलैंड में होंगे कई अहम कार्यक्रम

पीएम मोदी ऑकलैंड में पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरान व्यापार, वाणिज्य, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की जाएगी। पीएम बिजनेस और खेल जगत की प्रमुख हस्तियों से भी मुलाकात करेंगे तथा भारतीय समुदाय के एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

इंडोनेशिया और न्यूजीलैंड का भी करेंगे राजकीय दौरा

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर पीएम नरेंद्र मोदी 6 से 8 जुलाई तक इंडोनेशिया की यात्रा करेंगे। यह उनकी इंडोनेशिया की चौथी यात्रा होगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पीएम मोदी 10 से 11 जुलाई तक पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के निमंत्रण पर न्यूजीलैंड के राजकीय दौरे पर जाएंगे। करीब चार दशक बाद किसी भारतीय पीएम का यह पहला राजकीय न्यूजीलैंड दौरा होगा।

खबर संक्षेप

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को दी विदाई

भोपाल। सामान्य प्रशासन विभाग ने जून में सेवानिवृत होने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों का विदाई समारोह शुक्रवार को मंत्रालय में आयोजित किया। समारोह में जून 2026 में सेवानिवृत होने वाले वीरन सिंह भलावी, इशा मूलचंदानी, हेमलता मेघश्याम, ओमप्रकाश राजपूत, महेश उपाध्याय, रत्नेश पाराशर, याकूब खान, कैलाश चंद्र सैनी, शैलेंद्र कुमार शुक्ला, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, मेवा बाई एवं और राजकुमार पटेल मंत्रालय कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष का फूल मालाओं से स्वागत विदाई दी गई। समारोह में मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के सलाहकार आशीष सोनी द्वारा सेवानिवृत शासकीय सेवकों के सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना करते हुए विदाई दी गई।

मुख्यमंत्री दिव्यांगजन विवाह योजनाः कलेक्टर के वित्तीय अधिकार बढ़े

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री दिव्यांगजन विवाह योजना के तहत प्रोत्साहन राशि के भुगतान को लेकर नियमों में बड़ा बदलाव किया है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने कलेक्टरों के वित्तीय अधिकार बढ़ा दिए हैं। अब कलेक्टर आवश्यकता पड़ने पर दो लाख रुपए से अधिक की राशि भी निराश्रित निधि से स्वीकृत कर खर्च कर सकेंगे। अब तक कलेक्टरों को निराश्रित निधि से सीमित राशि खर्च करने का अधिकार था। एक बार में अथवा एक माह के भीतर अधिकतम 25 हजार रुपए और पूरे वित्तीय वर्ष में निर्धारित सीमा तक ही ब्याज की राशि का उपयोग किया जा सकता था। वहीं, जमा राशि पर अर्जित ब्याज से अधिकतम दो लाख रुपए तक के भुगतान की अनुमति थी।
नए आदेश के तहत कलेक्टरों को निराश्रित निधि के मूलधन और ब्याज दोनों का उपयोग करते हुए प्रोत्साहन राशि स्वीकृत करने के पूर्ण वित्तीय अधिकार दिए हैं।

बड़े भाई ने छोटे पर किया कुल्हाड़ी से हमला पीड़ित अस्पताल में भर्ती

जगदलपुर। कोंडागांव जिले के बड़ेडोंगर थाना क्षेत्र के ग्राम कोटपाड़ में किसी विवाद को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई के ऊपर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना को देख बीच बचाव करने आई मां भी घायल हो गई। जिन्हें उपचार के लिए फरसगांव के अस्पताल में भर्ती किया गया है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि बड़े डोंगर निवासी युवक जितेंद्र पटेल ने बीती रात को घर में खाना खा रहे अपने छोटे भाई सलीम से किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद अपने छोटे भाई के ऊपर घर में रखे कुल्हाड़ी से सिर, पीठ व जांघ में हमला कर दिया। छोटे भाई ने अपने आप को बचाने की कोशिश भी की। लेकिन सफल नहीं हो पाया, वहीं घर में मौजूद मां रामोतीन पटेल ने उसे बचाने की कोशिश की, इस दौरान मां भी घायल हो गई। दोनों घायलों का फरसगांव अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नए विधायकों का प्रबोधन कार्यक्रम

विधानसभा में प्रश्न सही होगा तो जवाब भी सटीक आएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रश्नकाल में सभी सदस्यों से यह अपेक्षा की जाती है कि कैसी भी परिस्थिति हो, लेकिन प्रश्नकाल को स्थगित नहीं करना चाहिए। कई बार प्रश्नकाल में पूरक प्रश्न में एक-दो मिनट तो भाषण में ही निकाल देते हैं। इससे समय भी जाया होता है, और प्रश्न भी कई बार घूम जाता है। जब प्रश्न घूम जाता है तो सरकार का जवाब भी घूम जाता है।

यदि सरकार से ठीक जवाब लेना है, या सरकार को कटघरे में खड़ा करना है, तो पूरक प्रश्न सटीक होना चाहिए। अध्यक्ष तोमर पश्चिम बंगाल विधानसभा में नए विधायकों के प्रबोधन कार्यक्रम में बोल रहे थे। वे सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए संसदीय प्रश्न एवं अन्य संसदीय उपकरणों की महत्ता विषय पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश एवं विभिन्न राज्यों से आए पीठासीन अधिकारी, लोकसभा व विधानसभाओं के अधिकारी उपस्थित थे।

विधायकों को प्रश्न के बारे में अध्ययन करना चाहिए

कार्यक्रम को संबोधित करते तोमर।

तोमर ने कहा कि इसके लिए निश्चित रूप से विधायकों को प्रश्न के बारे में अध्ययन करना चाहिए। प्रश्न की सार्थकता विधायक की प्रतिष्ठा भी है। प्रश्न संक्षिप्त और सार्थक हो। प्रश्न सार्थक होगा और पूरक प्रश्न सीधा व सटीक होगा तो जवाब भी सटीक आएगा। यदि सरकार के पास जवाब नहीं होगा तो सरकार निरुत्तर होगी। यदि सार्थक जवाब आएगा, तो आपके कार्य की प्रशंसा होगी। इसलिए प्रश्नकाल का उपयोग हम सब लोगों को बहुत ही ध्यान पूर्वक और अच्छे तरीके से करना चाहिए।

विधानसभा लोकतंत्र की जीवंत व्यवस्था का प्रतिपादन

तोमर ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन की शुद्धता ही सार्वजनिक जीवन की शुद्धता को सार्थक करती है। विधानसभा केवल संसदीय कार्यवाही का विवरण नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की उस जीवंत व्यवस्था का प्रतिपादन है, जहां सत्ता अपने आप में अंतिम नहीं होती, बल्कि हर क्षण परीक्षण के अधीन रहती है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन शक्ति के साथ-साथ उत्तरदायित्व भी लेकर चलता है, और यह उत्तरदायित्व केवल नैतिक नहीं, बल्कि संस्थागत होता है।

क्षेत्र में भ्रमण करेंगे तो समस्या से सही रूप में रूबरू होंगे

तोमर ने कहा कि विधानसभा का सत्र प्रारंभ होने के पहले क्षेत्र में भ्रमण भी होना चाहिए। यदि क्षेत्र में भ्रमण करेंगे तो समस्या से सही रूप में रूबरू होंगे। कई बार लोग हमको प्रश्न बना कर दे देते हैं। हमको भी लगता है कि प्रश्न लगाना है और बने बनाए प्रश्न मिल गए हैं तो क्यों मेहनत करें? लेकिन प्रश्न को हमें अपने हाथ से लिखना चाहिए। प्रश्न अपने हाथ से लिखेंगे तो उसे प्रश्न के प्राण को समझ पाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि प्रश्न व्यक्ति विशेष पर केंद्रित न हो। जब व्यक्ति विशेष पर प्रश्न केंद्रित होता है तो फिर उसके गलत अर्थ भी निकलते हैं। गलत अर्थ पर जब चर्चा होती है तो विधायक की प्रतिष्ठा धूमिल होती है।

विषय महत्वपूर्ण होगा तो ध्यानाकर्षण लगते ही पूरी सरकार में खलबली मच जाएगी

तोमर ने कहा कि ध्यानाकर्षण लगाते समय भी हम सब लोगों को इसके पीछे की भावना पर ध्यान देना चाहिए, अन्यथा इसका महत्व कम हो जाएगा। विषय महत्वपूर्ण होगा तो ध्यानाकर्षण लगते ही पूरी सरकार में खलबली मच जाएगी। तोमर ने कहा कि जिस व्यक्ति का सार्वजनिक जीवन जनता सुनिश्चित कर देती है, उसके लिए व्यक्तिगत कुछ नहीं होता है।

सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण बने आनंदोत्सव, हर बच्चे की हो सहभागिता

तैयार हो चुके 70 सांदीपनि विद्यालयों का 15 जुलाई तक कराएं लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री ने सांदीपनि विद्यालयों के समुचित प्रबंधन के लिए स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग को दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में लोकार्पण के लिए तैयार हो चुके प्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इन विद्यालयों का लोकार्पण औपचारिक कार्यक्रम न होकर शिक्षा, संस्कृति और जनभागीदारी का सामाजिक उत्सव बने।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में संचालित 'स्कूल चलें अभियान' के दौरान आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में बच्चों, उनके अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण आनंद के उत्सव के रूप में मनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों को यादगार बनाने के लिए बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताएं तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएं। साथ ही सभी बच्चों को स्वल्पाहार एवं मिष्ठान्न वितरित किया जाए, जिससे यह अवसर उनके लिए अविस्मरणीय बन सके।

खास बात

- कार्यक्रमों को यादगार बनाने के लिए बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं तथा रचनात्मक गतिविधियां की जाएं: डॉ. यादव

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण, संस्कारयुक्त शिक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण पहले ही हो चुका है, वहां प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों से जुड़ाव बढ़े। बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह तथा स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने वर्चुअली सहभागिता की।

गुरु सांदीपनि के प्रेरणादायी जीवन पर लघु पुस्तिका विद्यार्थियों को दी जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु सांदीपनि के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित एक लघु पुस्तिका (पॉकेट बुक) प्रकाशित कर विद्यार्थियों में वितरित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरु सांदीपनि तत्समय सामाजिक समरसता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उन्होंने जाति, वर्ग, रंग का भेद न करके अमीर-गरीब से लेकर राज परिवार के बच्चों सहित गरीबों और किसानों के बच्चों को शिक्षा-दीक्षा दी। सभी को समान रूप से दीक्षित किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में हम सबके विशेषकर विद्यार्थियों को जानना जरूरी है। इससे विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंधों और नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी और प्रेरणा मिलेगी।

70 सांदीपनि विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूरा, जिलों प्रभारी मंत्री की मौजूदगी में होगा लोकार्पण

स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल ने बताया कि वर्तमान में 70 सांदीपनि विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के 46 एवं जनजातीय कार्य विभाग के 24 (कुल 70) सांदीपनि विद्यालय लोकार्पण के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों के प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में इनका लोकार्पण कराया जाए। उन्होंने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई) के दिन हर जिले के एक सांदीपनि विद्यालय में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाए।

स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान होगा

विज्ञान प्रदर्शनी आयोजन, गुरुजनों का सम्मान, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी प्रदाय, विद्यार्थियों की ओर से डिजिटल एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रदर्शन सहित स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान जैसे आयोजन किए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य गुलशन बामरा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भारत, जर्मनी की साझेदारी मजबूत करने में मप्र निभाएगा बड़ी भूमिका

मुख्यमंत्री से जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक की सीईओ सुश्री लाईबेक ने की सौजन्य भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को जर्मनी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल की ओर से मुख्यमंत्री से मप्र में ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

प्रतिनिधिमंडल में जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के कार्यकारी बोर्ड की सदस्या एवं बैंक की सीईओ सुश्री क्रिस्टियाने लाईबेक, कंट्री डायरेक्टर वूल्फन मूथ, जर्मन दूतावास के प्रतिनिधि गॉटफ्रीड वॉन और अन्य सदस्य, प्रबंध संचालक मप्र औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड चंद्रमौली शुक्ला, विशेष गढ़पाले सहित केन्द्र सरकार के अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यनमंत्री डॉ. यादव ने भारत एवं जर्मनी के बीच दशकों पुरानी मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देश भाईयों की तरह हैं। इनमें आपसी साझेदारी को और अधिक प्रबल बनाने में मप्र बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है।

मप्र एक ऊर्जा दक्ष हरित और समृद्ध राज्य बनेगा

जर्मनी के सहयोग से हमारा मप्र एक ऊर्जा दक्ष हरित और समृद्ध राज्य बनेगा।
केएफडब्ल्यू बैंक के प्रतिनिधिमंडल की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया गया कि एनर्जी रिफार्म प्रोग्राम अन्तर्गत वितरण कंपनियों में स्मार्ट मीटर की स्थापना एवं फीडर विभक्तिकरण कार्य के लिए 1120 करोड़ रुपए का वित्त पोषण किया जा रहा है। बैंक की ओर से इस साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए एनर्जी रिफार्म फेज-2 अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण अधोसंरचना निर्माण तथा सौर घंटों में कृषि फीडरों की आपूर्ति के लिए अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्यों के लिए लगभग 200 मिलियन यूरो के वित्तीय सहयोग पर रूचि दिखाई है।

सोलर रूफटॉप योजना लागू, हजारों को मिलेगा लाभ

पावर जनरेटिंग कंपनी के कार्मिकों के घरों पर चमकेगी सौर ऊर्जा

प्रद्युम्न सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) ने अपने कार्मिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल करते हुए सोलर रूफटॉप प्लांट योजना लागू की है।

ऊर्जा विभाग के निर्देशों के अनुरूप जारी इस योजना से कंपनी के सभी नियमित कार्मिकों को अपने आवास पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराने की सुविधा मिलेगी।

सरल प्रक्रिया और सर्वाधिक लाभ

अब इच्छुक कार्मिक प्रदेश की संबंधित विद्युत वितरण कंपनी (डिस्कॉम) की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और सूचीबद्ध विक्रेताओं में से अपनी पसंद के विक्रेता का चयन कर सोलर प्लांट स्थापित करा सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है, ताकि अधिक से अधिक कार्मिक इसका लाभ उठा सकें। इस योजना के तहत 3 किलोवाट तक की क्षमता वाले सोलर रूफटॉप प्लांट की स्थापना के लिए विद्युत वितरण कंपनी पात्रता के अनुसार निर्धारित राशि का 50 प्रतिशत सीधे चयनित विक्रेता को देगी। शेष राशि संयंत्र की सफल स्थापना एवं आवश्यक प्रमाणन के बाद जारी की जाएगी।

बर्थडे पार्टी में अत्याधिक शराब पीने के बाद बढ़ा पूरा विवाद

विवाद के बाद युवक की कैंपर वाहन से कुचलकर हत्या, आरोपी फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के उरगा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक बर्थडे पार्टी मातम में बदल गई। मीरा रिसोर्ट में हुए विवाद के दौरान दीपका निवासी युवक उज्जवल सिंह को कैंपर वाहन से कुचल दिया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी तुषार ढांढा वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, दीपका क्षेत्र के ट्रांसपोर्टर विकास कुमार हुडा का जन्मदिन था। इसे मनाने के लिए दीपका से करीब 20 से 25 युवक रात को मीरा रिसोर्ट पहुंचे थे। पार्टी देर रात तक चली। रात करीब 1.30 बजे किसी छोटी बात पर युवकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि पार्टी में शराब का अत्याधिक सेवन किया गया था, जिसके कारण विवाद बढ़ता चला गया। शुरुआत में कहासुनी फिर मारपीट में तब्दील हो गई। इसी अफरातफरी के बीच आरोपी तुषार ढांढा ने कथित रूप से कैंपर वाहन को उज्जवल सिंह पर चढ़ा दिया।

गंभीर घायल होने के कारण मौके पर तोड़ा दम

वाहन की चपेट में आने से उज्जवल को गंभीर चोटें आईं और घटनास्थल पर ही उसने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद रिसोर्ट में अफरातफरी मच गई। आरोपी तुषार ढांढा कैंपर समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही उरगा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक उज्जवल सिंह दीपका गरुणनगर का रहने वाला था और अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने तुषार ढांढा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित की गई है। कैंपर वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस रिसोर्ट के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और पार्टी में शामिल अन्य युवकों से पूछताछ कर रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। जन्मदिन जैसी खुशी का माहौल कुछ ही मिनटों में मातम में बदल गया। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस का कहना है कि शराब के नशे में हुए विवाद ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। मामले की आगे की जांच जारी है।

पैसों के लेनदेन, मनी ट्रेल, नेटवर्क कनेक्शन खंगालेगी

ईडी ने शुरू की चर्चित ड्रग्स क्वीन नव्या मलिक मामले की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चर्चित ड्रग्स क्वीन नव्या मलिक मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुरू कर दी है। रायपुर की गंज पुलिस ने नव्या मलिक केस से जुड़े दस्तावेज ईडी को सौंपे हैं। कागजात सौंपने की पुष्टि रायपुर कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला ने की है। अब ईडी की टीम ड्रग्स कारोबार से जुड़े पैसों के लेनदेन, मनी ट्रेल और नेटवर्क को आर्थिक संरक्षण देने वाले लोगों की भूमिका की जांच करेगी।

जानकारी के अनुसार, ईडी अपनी जांच केवल ड्रग्स की सप्लाई चेन तक सीमित नहीं रखेगी। बल्कि वह उन लोगों की पहचान करेगी जिन्होंने अवैध कमाई को छिपाने, निवेश करने या वैध दिखाने की कोशिश की है। ईडी इस मामले में बैंक खातों, संपत्तियों, वित्तीय लेनदेन और संदिग्ध निवेश की भी जांच करेगी। अगर मनी लॉन्ड्रिंग के

इवेंट-टेक्नो पार्टियों की आड़ में करती थी ड्रग सप्लाई

पुलिस की चार्जशीट के अनुसार, नव्या मलिक इवेंट और टेक्नो पार्टियों की आड़ में ड्रग्स सप्लाई करवाती थी। इस पार्टी में अमीर और रईसजादे शामिल होते थे। नव्या ऐसे ही अमीर और रईसजादों को अपना कस्टमर बनाती थी और उन्हें ड्रग्स सप्लाई करती थी। जानकारी के अनुसार, इस तरह की पार्टियां फाइव स्टार होटलों, बड़े कैफे, रिजॉर्ट, पब और होटल में आयोजित होती थीं। पुलिस की पूछताछ से सूत्रों के अनुसार, ड्रग्स क्वीन नव्या मलिक के संपर्क में करीब 850 रईसजादे थे।

जोरदार बारिश होने से लोगों ने ली उमस से राहत, रायपुर में भी झमाझम

मानसून पूरी तरह एक्टिव, बादलों की गड़गड़ाहट और गरज-चमक के बीच बरसे बदरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह से एक्टिव हो गया है। शनिवार की शाम 4:30 बजे रायपुर में जमकर बारिश हुई। बादलों की गड़गड़ाहट और गरज चमक के बीच जमकर बदरा बरसे। इस दौरान बिजली चमकती रही और तेज अंधड़ चलते रहे। झमाझम बारिश होने से लोगों ने उमस से राहत ली।

पिछले चार-पांच दिनों से रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई जिलों में लगातार उमस पड़ रही थी। शनिवार की शाम को हुई मूसलाधार बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली। झमाझम बारिश रायपुर में होती रही। इस दौरान तेज हवाएं चलने और मेघ गर्जन से रायपुर के कई इलाकों में बिजली गुल रही।

राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज

छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह सक्रिय है और प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के असर से अगले पांच दिनों तक प्रदेशभर में वर्षा की गतिविधियां जारी रहने के संकेत हैं। बीते 24 घंटों के दौरान सभी संभागों में कहीं न कहीं अच्छी बारिश दर्ज की गई, जबकि बिलासपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा हुई। राजधानी रायपुर में दिनभर बादल छाए रहे और बीच-बीच में हल्की बारिश होती रही।

इन जिलों में यलो अलर्ट जारी

प्रदेश में शुक्रवार को सबसे अधिक तापमान अंबिकापुर में 32 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान पेंड्रा में 21.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदाबाजार, रायगढ़, दुर्ग और बेमेतरा समेत कई जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। शनिवार को जधानी रायपुर शहर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

महापौर ने मालीखेड़ी विसर्जन घाट के विकास कार्यों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

महापौर मालती राय ने शुक्रवार को मालीखेड़ी में विसर्जन घाट पर चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विसर्जन घाट के सभी कार्यों को श्रद्धालुजन की सुविधा के दृष्टिगत निर्धारित मानकों अनुसार जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पूर्व में किए गए कामें सहित प्रचलित व आगामी कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की व शेष सभी कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मूर्ति

विसर्जन की सम्पूर्ण प्रक्रिया सुगमता के साथ पूर्ण कराने की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराया जाए। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि निगम द्वारा मालीखेड़ी में विसर्जन घाट पर सीढ़ियां, रिटर्निंग वॉल, नालियों का निर्माण आदि कार्य कराए जा चुके हैं।

24 घंटे थाने में रखा, फिर आरटीआई में भी जानकारी छिपाई, सूचना आयोग का बड़ा एक्शन

तत्कालीन एएसपी और टीआई पर 25-25 हजार का जुर्माना

जबलपुर। थाने में 24 घंटे से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखने के आरोपों से जुड़े मामले में सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने गोरखपुर के तत्कालीन थाना प्रभारी अरविंद चौबे तथा तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

आदर्श नगर, गौरीघाट निवासी अजीत सिंह आनंद ने आयोग को बताया कि 20 जून, 2023 को गोरखपुर पुलिस उन्हें घर से थाने ले गई थी और 21 जून को छोड़ा। उन्होंने आरटीआई के तहत थाने लाने-ले जाने से संबंधित रोजनामचा, रिहाई का रिकार्ड तथा सीसीटीवी फुटेज मांगे थे, लेकिन जानकारी नहीं दी गई। प्रथम अपील में तत्कालीन एएसपी ने रिकार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, फिर भी आदेश का पालन नहीं हुआ।

मामले की सुनवाई के बाद सूचना आयोग ने

रोजनामचा, रिहाई संबंधी अभिलेख तथा अन्य व्यक्तियों की पहचान छिपाकर संबंधित सीसीटीवी फुटेज निश्शुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस महानिदेशक को आदेशित किया कि आरटीआई की प्रथम अपीलों का कानूनन निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित कराया जाए।

श्वान ने बच्चे को काटा, मालिक को न्यायालय उठने तक की सजा

जबलपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दीप्ति चौहान ने बच्चे को काटने वाले श्वान के मालिक को न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई है। न्यायालय ने श्वान के मालिक पर एक हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार 27 अक्टूबर 2020 को सिविल लाइन्स निवासी गैविन डिसूजा के श्वान ने 8 वर्षीय बालक अतौर रहीम रहमान को काट लिया। जब बच्चे के परिजनों ने शिकायत की तो श्वान मालिक ने उनके साथ भी विवाद किया। पीड़ित पक्ष की ओर से अधिवक्ता सलीम रहमान के तर्क सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी को सजा सुनाई।

मंचीय कलाकार वेलफेयर एसोसिएशन की प्रादेशिक बैठक आयोजित

स्थापना दिवस व कलाकार हितों पर बनी रणनीति

जबलपुर। मंचीय कलाकार वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) मध्य प्रदेश की प्रादेशिक बैठक गुरुवार को ग्वारीघाट तिराहा स्थित अमृतसरी नान होटल में प्रदेश अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा रायल एवं प्रदेश संरक्षक कृष्णा नायडू के नेतृत्व में संपन्न हुई। मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष रमन पटेल, बृजेश सेन व मुकुल वर्मा ने कलाकारों का स्वागत किया। महासचिव अनिल प्रजापति ने 25 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस के कार्यक्रमों, आई-कार्ड नवीनीकरण, नए आई-कार्ड जारी करने तथा कलाकारों के लिए आपातकालीन सहायता कोष गठन के प्रस्तावों की जानकारी दी, जिन्हें बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली। कोषाध्यक्ष माला यादव ने प्रस्तावों का अनुमोदन किया। बैठक में शशिकांत, योगेश विश्वकर्मा (सागर), जवाहर बर्मन (पाटन), हरीश भारती (कटनी), सज्जन जी (बरही), सुषमा केसरवानी (मैहर), सुषमा सुमन पटेल, करन वीर सिंह, माया विश्वे, अश्वनी दुबे, गोविंद, नीरज जैन, सुनीता, अविनाश झंकार, सुनीता ठाकुर, संजना बैरागी, प्रीति, उमा ठाकुर, मस्तराम, रेखा रघुवंशी (नैनपुर), चंद्रभान पटेल (मंडला), आदर्श पटेल व अरविंद पटेल (करेली), मोहित (सीधी), सहित सिवनी, बालाघाट, रायसेन, दमोह एवं अन्य जिलों के कलाकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बृजेश सेन तथा आभार प्रदर्शन प्रियंका ठाकुर ने किया।

एसआईआरडी परिसर का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री प्रहलाद पटेल

जबलपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को करमेता स्थित राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) भाग-2 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा भवन और परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए विकास कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने एसआईआरडी भवन के विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने परिसर में सड़क, बाउंड्रीवॉल और अन्य अधोसंरचना संबंधी कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए जरूरी निर्देश दिए। साथ ही परिसर को ग्रीन कैंपस के रूप में विकसित करने पर जोर देते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों के संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने साफ-सफाई और हरियाली के रखरखाव पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए तथा कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी की साझा जिम्मेदारी है और इसके लिए लगातार प्रयास किए जाने चाहिए।

मांग : जर्जर शाला भवनों की मरम्मत कराई जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी-कर्मचारी संगठन ने बारिश के मौसम को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र के जर्जर शाला भवनों को चिन्हित कर उनकी शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। जिला अध्यक्ष राजेश सहारिया ने कहा कि जर्जर भवनों के कारण विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है, इसलिए समय रहते आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाना चाहिए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन सहित हेमंत ठाकरे, दिनेश गोंड, रऊफ खान, लालजी प्रसाद, राकेश श्रीवास, राजकुमार यादव, फिलिप एंथोनी, राकेश गुप्ता, गोपीशाह, मनमोहन चौधरी, दीपेश जैन एवं आशीष कोरी ने नगर निगम आयुक्त से मांग की है कि नगर निगम के अधीन आने वाले सभी जर्जर स्कूल भवनों का सर्वे कर शीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

भाजपा का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आज

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत रविवार, 5 जुलाई को सुबह 11 बजे भाजपा संभागीय कार्यालय, रानीताल में जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया कि सम्मेलन को मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह संबोधित करेंगे। सम्मेलन में सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी एवं अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन, निशक्त जन कल्याण प्रदेश संयोजक संदीप रजक, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने सभी कार्यकर्ताओं से सम्मेलन में सहभागिता की अपील की है।

सायबर सुरक्षा जागरूकता पर कार्यशाला संपन्न

जबलपुर। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री सभागार सिविक सेंटर में सायबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन सायबर राज्य पुलिस के सहयोग से किया गया। मुख्य अतिथि राज्य सायबर पुलिस डीएसपी उमाकांति आर्मो ने कार्यशाला के उद्देश्यों को बताते हुए देश में बढ़ रहे सायबर अपराधों के प्रति जागरूकता एवं डिजिटल अरेस्ट के भय को सामान्य नागरिक के मन से दूर करना बताया। चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता ने आधार कार्ड के डाटा को फ्रॉड तरीके से निकालने तथा वित्तीय लेन-देन में बढ़ते फ्रॉड पर अंकुश लगाने की मांग सरकार से की, साथ ही वर्तमान नियमों के कारण वित्तीय फ्रॉड में फंसकर परेशान हो रहे व्यापारियों एवं उद्योगपतियों के सीज हो रहे खातों से उत्पन्न कठिनाइयों का शीघ्र निराकरण करने का आग्रह किया। विषय विशेषज्ञ राज शर्मा ने सायवर सुरक्षा को विस्तार से समझाते हुए आज के आधुनिक युग में तकनीकी इस्तेमाल के गुण दोषों की जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन चेम्बर मानसेवी मंत्री अखिल मिश्र एवं आभार वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर नाग्देव ने किया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में व्यापारी,उद्योगपति एवं बैंको के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कम मुद्रांक शुल्क में दस्तावेज तैयार करने पर मांगा स्पष्टीकरण

अधिक राशि पर स्टाम्प बेचने वाले 19 वेंडरों को दिया नोटिस

जबलपुर। अधिक राशि पर स्टाम्प बेचे जाने और गलत मद का चयन कर कम मुद्रांक शुल्क पर दस्तावेज तैयार कर शासकीय राजस्व को हानि पहुंचाने वाले जिले के 19 स्टाम्प वेंडरों एवं सेवा प्रदाताओं को जिले के कलेक्टर ऑफ स्टामप्स द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। जिले में कार्यरत कई स्टाम्प वेंडरों एवं सेवा प्रदाताओं के विरुद्ध अधिक राशि में स्टाम्प बेचे जाने तथा गलत मद का चयन कर कम मुद्रांक शुल्क पर दस्तावेज तैयार करने की आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर वरिष्ठ जिला पंजीयक द्वारा निरीक्षण टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने सिहोरा, गोसलपुर और कृषि उपज मंडी,विजय नगर जबलपुर स्थित हाट बाजार में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्टाम्प वेंडर न केवल स्टाम्प निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बेच रहे थे, बल्कि विभिन्न दस्तावेजों के

लिए भी नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। जांच में पाया गया कि शपथ-पत्र, जिसके लिए विधि अनुसार 200 रुपये का स्टाम्प अनिवार्य है, उसे कुछ वेंडरों द्वारा मात्र 50 रूपये या 100 रुपये के स्टाम्प पर ही बनाया जा रहा था। इसी प्रकार, अचल संपत्ति के अनुबंध-पत्र, किरायानामा, सहमति-पत्र और कब्जा सहित अनुबंध जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को भी गलत हेड का चयन कर केवल 1,000 रुपये या उससे कम के स्टाम्प पर तैयार किया जा रहा था। निरीक्षण टीमों ने संबंधित वेंडरों के विक्रय रजिस्टरों की जांच की और उनकी प्रतियां प्राप्त कर साक्ष्य एकत्रित किए। इस अनियमितता के विरुद्ध भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 के तहत निर्मित मध्यप्रदेश स्टाम्प नियम 1942 के नियम 27 के अंतर्गत संबंधित स्टाम्प वेंडरों और सेवा प्रदाताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। कलेक्टर ऑफ स्टाम्प्स ने स्पष्ट किया है कि जवाब नियत अवधि में प्राप्त होने पर परीक्षण उपरांत इन वेंडरों की अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) को निलंबित या रद्द करने की सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जिले के समस्त स्टाम्प वेंडरों, सेवा प्रदाताओं, दस्तावेज लेखकों एवं अन्य संबंधितों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे भविष्य में शासन द्वारा निर्धारित शुल्क पर स्टाम्प विक्रय करें, ताकि शासकीय राजस्व की हानि को पूरी तरह रोका जा सके। कलेक्टर ऑफ स्टाम्प्स द्वारा जिन वेंडरों और सेवा प्रदाताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये है, उनमें जगदीश प्रसाद पाठक, ब्रिजेश कुमार उपाध्याय, सुनील खरे, संजय कुमार गुप्ता, गणेश प्रसाद एवं नीतू साहू सिहोरा, श्रीमती कविता तिवारी गोसलपुर, मनीष जैन, पूर्णेश जैन, ओ पी मिश्रा एवं उभी मिश्रा हाट बाजार विजय नगर जबलपुर, प्राची शर्मा रांझी, योगिता चावला सिविल लाईन, किरण प्यासी, शबा आफरीन आधारताल, सुशील पाण्डेय एवं विनय कुमार पाण्डेय पाटन, शिवांक तिवारी पोलीपाथर, एजाज अंसारी नई बस्ती गोहलपुर शामिल हैं।

अमृत 2.0 व वर्षाकालीन कार्यों की निगमायुक्त ने की समीक्षा, जलभराव रोकने के दिए सख्त निर्देश

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने नगर निगम मुख्यालय में अमृत 2.0 योजना एवं वर्षाकालीन ड्रेनेज कार्यों की समीक्षा करते हुए शहर में पेयजल आपूर्ति और सीवर नेटवर्क के कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीवर एवं पेयजल पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों का रिस्टोरेशन तत्काल कराया जाए तथा निर्माण कार्यों में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए जोनवार माइक्रो-प्लानिंग पर जोर देते हुए बड़े नालों की सफाई की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी 16 जोनों के अधिकारियों एवं मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को अलर्ट मोड पर रहने तथा संवेदनशील एवं निचले क्षेत्रों में जल निकासी के लिए डीजल पंपों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कलेक्टर ने किया मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने शनिवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर उपचार व्यवस्था, साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अनुराग सिंह सहित मेडिकल कॉलेज एवं जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों के उपचार और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों से स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

गढ़ा बाजार, गौतमजी की मढ़िया और डुमना में हटाए गए अतिक्रमण

जलभराव रोकने निगम का अभियान ने पकड़ी गति

जबलपुर। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से राहत दिलाने और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम ने शनिवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर स्वास्थ्य एवं अतिक्रमण दस्ते ने गौतम जी की मढ़िया, गढ़ा बाजार और डुमना प्रियदर्शिनी कॉलोनी में नालों एवं सड़कों में बाधा बन रहे अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाया। गौतम जी की मढ़िया क्षेत्र में नाला सफाई में बाधा

बन रहे पक्के अतिक्रमण हटाए गए, जबकि गढ़ा बाजार में आनंद कुंज से पंडा की मढ़िया तक सड़क और नालों पर किए गए स्थायी एवं अस्थायी कब्जों को हटाकर यातायात सुगम बनाया गया। वहीं डुमना प्रियदर्शिनी कॉलोनी में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अवैध ढांचों को ध्वस्त किया गया। नगर निगम ने नागरिकों और व्यापारियों से नालों एवं सड़कों पर अतिक्रमण नहीं करने तथा जलभराव रोकने के प्रयासों में सहयोग की अपील की है।

संतजनों की उपस्थिति में 16 को निकलेगी भगवान जगन्नाथ स्वामी रथ यात्रा, पत्र पूजन संपन्न

जबलपुर। श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास के तत्वावधान में गढ़ाफाटक स्थित लगभग 500 वर्ष प्राचीन श्री जगदीश मंदिर से भगवान जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र एवं सुभद्रा की 259वीं रथयात्रा 16 जुलाई को जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर निकाली जाएगी। रथयात्रा की तैयारियों के तहत रविवार को राइट टाउन स्थित प्रेम मंदिर के वरिष्ठ पुजारी पं. रामकृष्ण पाठक एवं पं. देवेंद्र त्रिपाठी के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पत्र पूजन संपन्न हुआ। श्री जगदीश मंदिर ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल (अधिवक्ता) ने बताया कि रथयात्रा में चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम की अगुवाई में संत-महंत एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इस अवसर पर मोहित तिवारी, लाल अच्युतेंद्र सिंह बघेल, पं. मनमोहन दुबे, देवेंद्र नेमा, अतुल कुमार पटेल, मोहित पटेल, राकेश उपाध्याय, डी.के. दुबे, विशाल पंड्या, एडवोकेट शिखा सिंह बघेल, एडवोकेट सुजीत सिंह रघुवंशी, एडवोकेट दीपक कुमार विश्वकर्मा, नरेंद्र गौतम, मधुकर राव, सुनील गुप्ता, पीतल पटेल एवं नत्थू दादा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गौरीघाट में हाईटेंशन खंभा झुका, बड़ा हादसा टला

जबलपुर। गौरीघाट क्षेत्र में देर रात तेज बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा बाल-बाल टल गया, जब मेन रोड पर हाईटेंशन बिजली का खंभा अचानक झुककर सड़क की ओर आ गया। घटना रात के समय होने से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। खंभा झुकते ही इलाके की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई, जिससे पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया।

नाम सुधार सूचना

मैं मनीष तिवारी पिता लक्ष्मीकांत तिवारी यह घोषणा करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड में मेरे पिता का नाम लक्ष्मीकांत तिवारी अंकित है किंतु मेरी दसवीं की मार्कशीट में मेरे पिता का नाम एल.के. तिवारी दर्ज है मेरे पिता का पूरा नाम लक्ष्मीकांत तिवारी है अतः एल.के. तिवारी व लक्ष्मीकांत तिवारी एक ही व्यक्ति के नाम हैं अर्थात मेरे पिता के नाम हैं शपथ पत्र के माध्यम से यह घोषणा करता हूँ कि आज दिनांक से मेरे पिता के पूरे नाम लक्ष्मीकांत तिवारी के नाम से जाना, पहचाना एवं पढ़ा जाए।

पुराना नाम-एल.के. तिवारी
पूरा नाम-लक्ष्मीकांत तिवारी

पता-प्लैट नंबर 304, ब्लॉक ए, कचनार शिव दर्शन अपार्टमेंट, शिव मंदिर के पास, जबलपुर (मध्य प्रदेश)

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I RAMBALAK PRASAD is legally father of SHYAM KISHOR PRASAD present resident of VILL BALKHORA, POST NIMA BUDHUAL, PS- AMAS, SUB DISTRICT-AMAS, DISTRICT-GAYA, STATE- BIHAR, PIN CODE-824219. That I have changed my DOB from 28/06/1954 to 01/01/1956 due to wrong DOB entered in my Son Service Record. That my DOB is 01/01/1956. That my DOB at all times hereafter in all records, deeds and writing and in all proceeding dealing with transactions, private as well as under all occasions what so ever be known as only (01/01/1956)
Date: 02.07.2026
Place: Jabalpur
Deponent

आम सूचना

दिनांक 03.07.2026

मैं, अपनी पक्षकार कम्पनी की ओर से पूर्ण रूप से अधिकृत होकर आम जनता को यह सूचित करता हूँ कि मेरी पक्षकार कम्पनी द्वारा नितेश कुमार अवस्थी आ. श्री कैलाश अवस्थी तथा श्रीमति नीरजा शुक्ला पत्नि नितेश कुमार अवस्थी को अचल सम्पति जो कि मौजा बदनपुर न.ब. 48, प.ह.नं. 28, (पुराना), 07 नया शहीद गुलाब सिंह वार्ड खसरा क्रमांक 179/1 नामांतरण पश्चात नया खसरा क्रमांक 179 / 1 - ट, सैनिक गृह निर्माण सहकारी समिति का भाग लेआउट प्लाट क्रमांक 28 का भाग, स्कीम नं. 2 - सी, कुल प्लाट क्षेत्रफल 750 वर्गफुट तहसील व जिला जबलपुर स्थित अचल सम्पति को बंधक रख कर ऋण सुविधा देना प्रस्तावित है उक्त सम्पति के वर्तमान मालिक व काबिज हेमलता पाली पत्नि स्व. दिलीप पाली है जिन्होने रजिस्टर्ड विक्रयपत्र दिनांक 02.11.2015 क्रमांक एमपी 182542015ए 1143395 के द्वारा विक्रेता श्रीमति शिशिर कोना बैनर्जी पत्नि सुरेश कुमार से उक्त वर्णित सम्पति क्रय की थी यह कि उक्त वर्णित मूल विक्रय पत्र दिनांक 02.11.2015 दस्तावेज क्रमांक एमपी 182542015ए1143395 कही गुम हो चुका है तथा बहुत ढूढने पर मिल नही रहा है वर्तमान दिनांक तक उक्त वर्णित मूल विक्रय विलेख अप्राप्त है तथा सबधित पुलिस थाने में उक्त वर्णित मूल विक्रय विलेख की गुमने की सूचना दी जा चुकी है अतः उक्त वर्णित मूल विक्रय पत्र के दुरूपयोग को रोकने हेतु यह आम सूचना दी जा रही है अतः जिस किसी भी व्यक्ति, वित्तीय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था या किसी व्यक्ति को उक्त सम्पति के बंधक रख कर नितेश कुमार अवस्थी आ. श्री कैलाश अवस्थी तथा श्रीमति नीरजा शुक्ला पत्नि नितेश कुमार अवस्थी को सम्पति क्रय करने ततपश्चात बंधक रख कर ऋण सुविधा देने मे आपत्ति है, उक्त गुम हुये मूल विक्रय पत्र मे अपना हित रखता है, सम्पति पर अपना दखल रखता है, उक्त सम्पति से हितबद्ध है तो आज दिनांक से 07 दिवस के अंदर मुझे अंदर मुझे सूचित करें अन्यथा नितेश कुमार अवस्थी आ. श्री कैलाश अवस्थी तथा श्रीमति नीरजा शुक्ला पत्नि नितेश कुमार अवस्थी को उक्त वर्णित सम्पति बंधक रख कर ऋण सुविधा प्रदान कर दी जावेगी तथा इस सूचना पत्र मे वर्णित सम्पति को ऋण प्रतिभूति के तौर पर बंधक रख लिया जावेगा तथा तत्पश्चात कोई भी आपत्ति बंधनकारी नही होगी ।

जबलपुर, दिनांक 03.07.2026 भवदीय
हर्षित पटेल (अधिवक्ता), म.प्र. उच्च न्यायालय
कार्यालय एवं निवास 1790, जे.ई.एस.स्कूल के बाजू मे न्यू शोभापुर कालोनी, व्हीएफजे रोड, जबलपुर
मो नं 9893333246

आगरा का सनसनीखेज मामला

पति की हत्या कर बाथरूम में दफनाया, रोज नहाती रही

एजेंसी ▶▶| आगरा

मध्य प्रदेश के चर्चित सोनम रघुवंशी और मेरठ के मुस्कान हत्याकांड के बाद अब उत्तर प्रदेश के आगरा से भी एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सिकंदरा थाना क्षेत्र में एक महिला पर अपने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम के फर्श के नीचे दफनाकर फर्श पर प्लास्टर करा दिया और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। आरोपी महिला का नाम रूबी है, उसने जुर्म कबूल लिया है। उसका कहना है पति के अक्सर मारपीट करने के कारण उसने उसकी हत्या की।

कैसे की हत्या

डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि सुरेंद्र नशे का आदी था। वह शराब के साथ-साथ नशे की गोलियां भी खाता था। हत्या वाले दिन रूबी ने सुरेंद्र को नशे की गोलियों की ओवरडोज दे दी। इसके बाद उसकी हत्या करके बाथरूम में उसके शव को गाढ़ दिया था। अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम, फोरेंसिक रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तय होगा।

डेढ़ माह तक किया नाटक

पुलिस ने बताया, मृतक 44 वर्षीय सुरेंद्र शर्मा के भाई अनिल शर्मा यानी रूबी के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया था। उसने रूबी से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद रूबी ने जुर्म कबूला। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ। इसके पहले रूबी ने करीब डेढ़ महीने तक पति के लापता होने का नाटक किया था।

उमर और शरजील की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने वर्ष 2020 के दंगा मामले से जुड़ी कथित साजिश में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की ताजा जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत द्वारा इस मामले में आदेश शनिवार को ही सुनाए जाने की संभावना जताई जा रही है। सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से पेश अधिवक्ता त्रिदिप ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अंद्राबी केस में दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने को लेकर सवाल खड़े किए थे।

खामेनेई की अंतिम विदाई में काले कपड़े पहनकर पहुंचे लाखों लोग

शिया परंपरा के मुताबिक छाती पीटकर मनाया मातम

'खून बहेगा...बदला-बदला'

एजेंसी ▶▶| तेहरान

ईरान की राजधानी तेहरान में 3 जुलाई से पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। शनिवार को खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाया। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए।

अंतिम संस्कार के बाद फिर शुरू होगी वार्ता

कतर ने बताया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका-ईरान वार्ता का अगला दौर फिर शुरू होगा। वहीं ईरान ने आईएईए को फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति देने से इंकार कर दिया है।

5 शहरों से गुजरेगी अंतिम यात्रा

खामेनेई की अंतिम यात्रा पहले ईरान के तेहरान, कोम से इराक के कर्बला, नजफ से होकर गुजरेगी। आखिर में 9 जुलाई को मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। खामेनेई के अंतिम संस्कार को लेकर तेहरान की सड़कों पर सेना और पुलिस की भारी तैनाती की गई है। सभी मुख्य सड़कों, चौराहों और सरकारी इमारतों के बाहर सेना और पुलिस बल तैनात है। मेन रोड्स पर मिलिट्री गाड़ियां पहरा दे रही हैं।

100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई का ताबूत शुक्रवार को तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मुसल्ला पहुंचाया गया। यहां उनके अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में कई देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। अली खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, बेटी, पत्नी और दामाद को भी अंतिम श्रद्धांजलि दी गई। शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा।

चार्ल्स शोभराज के चेले जॉन ने देशभर के 300 लग्जरी होटलों में ली मुफ्त में सेवाएं, रायपुर में धरा गया

गिरफ्तार जालसाज 15 साल देश के अलग-अलग राज्यों की जेल में रहा, बाकी समय होटलों में बिताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर के होटल हयात में मुफ्त सेवाएं लेते पकड़े गए ठगराज की कहानी बिल्कुल फिल्मी है। उसने देशभर के तकरीबन 300 होटलों में ठगी-चोरी की और लग्जरी लाइफ जीता रहा। इस ठग का नाम बिंगसन जॉन है। 69 वर्षीय जान को तेलीबांधा इलाके के फाइव स्टार होटल हयात में एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट ने दबोचा है। पूछताछ में पता चला कि जान ठगराज चार्ल्स शोभराज को अपना आइडियल मानता है। जान ने होटल हयात में मुफ्त सेवाएं तो ली ही, लैपटाप भी चोरी किया था।

खास खबर

जेल को मानता है होम स्टे

गिरफ्तार जालसाज ने 1990 में ठगी करना शुरू किया था। 21 वर्षीया मंगेतर की मौत के बाद उसने शादी करने का विचार त्याग दिया और ठगी करने लगा। सबसे पहले वो 1996 में ठगी करने पर गिरफ्तार हुआ। अब तक उसने अपने जीवन काल के कुल उम्र में से 15 वर्ष जेल में व्यतीत की है। पकड़े जाने पर वह पुलिस को गुमराह करने की बजाय अपना अपराध कबूल कर लेता है। जालसाज जेल को होम स्टे तथा होटलों को पर्यटन स्थल मानता है। पूछताछ में पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक बिंगसन पहले गाइड का काम करता था।

फिल्मी अंदाज में जीता था जिंदगी

पूछताछ में जालसाज ने पुलिस को बताया कि पिछले 36 वर्षों से उसकी जिंदगी जेल और महंगे होटलों के बीच ही गुजर रही है। जेल से बाहर निकलते ही वह किसी नए शहर के पांच सितारा होटल को अपना निशाना बनाता था। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ देशभर में बड़ी संख्या में आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसका लंबा आपराधिक इतिहास सामने आया है।

दो उग्रवादी गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद जब्त

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के दो जिलों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पुलिस के एक बयान के अनुसार, इंफाल ईस्ट जिले के संजेनबम खुलेन से प्रतिबंधित 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' के 45 वर्षीय सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने उसी दिन इंफाल वेस्ट जिले के नागामापाल कांगजाबी लीराक से प्रतिबंधित संगठन 'प्रेपाक' के 44 वर्षीय सदस्य को भी गिरफ्तार किया। बयान के अनुसार, एक अन्य अभियान में पुलिस ने पोरोमपट पुलिस थाना क्षेत्र के वाखा चिंग से हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया। तीन साल पहले जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से ही सुरक्षा बल मणिपुर के बाहरी और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और 'एरिया डोमिनेशन' (इलाके पर नियंत्रण बनाए रखने की कार्रवाई) चला रहे हैं।

मेटा ने जारी किया बयान अफवाहों को किया खारिज

व्हाट्सएप का यूजरनेम फीचर होगा पूरी तरह से ऑप्शनल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मेटा ने व्हाट्सएप में बगैर नंबर के केवल यूजरनेम के जरिये चैटिंग वाले नए फीचर पर सफाई दी है। मेटा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आगामी यूजरनेम फीचर पूरी तरह से ऑप्शनल होगा। इसका मतलब यह है कि किसी भी यूजर के लिए यूजरनेम बनाना अनिवार्य ही नहीं होगा, जो लोग अपने मोबाइल नंबर के जरिए ही चैट करना चाहते हैं, वे पहले की तरह ही एप का इस्तेमाल जारी रख सकेंगे। इसके साथ ही कंपनी ने इंटरनेट पर फैल रही उन अफवाहों को भी पूरी तरह खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि कोई भी रैंडम यूजर किसी मशहूर हस्ती या ब्रांड का यूजरनेम पहले से रिजर्व कर सकता है।।

फीचर के संभावित दुरुपयोग को लेकर जताई जा रही थी चिंता

केंद्र सरकार ने मांगी थी विस्तृत जानकारी, फीचर को लांच न करने कहा था

केंद्र ने दिया था आदेश

गौरतलब है, व्हाट्सएप जल्द ही ऐसा फीचर लाने जा रहा है, जिससे यूजर्स बिना अपना मोबाइल नंबर शेयर किए सिर्फ यूजरनेम के जरिए बातचीत कर सकेंगे। हालांकि इस फीचर के संभावित दुरुपयोग को लेकर केंद्र सरकार ने चिंता जताई है। सरकार ने इस नए फीचर के बारे में तीन दिनों के भीतर पूरी विस्तृत जानकारी मांगी गई थी। साथ ही मेटा को साफ शब्दों में आदेश दिया था कि जब तक इस पूरे मामले पर आपसी बातचीत और समीक्षा पूरी नहीं हो जाती, तब तक भारत में इस फीचर को किसी भी हाल में लॉन्च न किया जाए। सरकार के इस कड़े रुख के बाद कंपनी ने एक्स पर सवाल-जवाब के जरिए स्थिति साफ कर दी है।

फर्जी पहचान रोकने के लिए होंगे ये सुरक्षा उपाय

मेटा ने साफ किया है कि फीचर लॉन्च करने से पहले कई सुरक्षा परतें जोड़ी गई हैं, ताकि स्कैम और इम्पर्सोनेशन को रोका जा सके। कंपनी के अनुसार इंस्टाग्राम और फेसबुक के मौजूदा यूजरनेम रिजर्व रहेंगे। सेलिब्रिटी, सरकारी संस्थानों और मेटा वैरिफाइड अकाउंट्स के नाम सुरक्षित रखे जाएंगे। इनके जैसे मिलते-जुलते यूजरनेम पर भी कोई दूसरा दावा नहीं कर सकेगा। इसके अलावा वायरल हो रही उन खबरों को भी मेटा ने गलत बताया, जिनमें कहा जा रहा था कि कोई भी मशहूर नाम पहले रिजर्व कर सकता है।

अनजान यूजर का मैसेज आने पर क्या दिखेगा?

व्हाट्सएप ने बताया कि जब यह फीचर लॉन्च होगा, तब किसी अनजान व्यक्ति के मैसेज आने पर यूजर को अतिरिक्त जानकारी दिखाई जाएगी। इसमें भेजने वाले का देश और अकाउंट कितना नया है? यह सब शामिल होंगे।

सर्च नहीं किया जा सकेगा यूजरनेम : मेटा ने यह भी साफ किया है कि मोबाइल नंबर की तरह यूजरनेम को सर्च नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा यूजर्स चाहें तो यूजरनेम की भी चालू कर सकते हैं। इस स्थिति में किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए सिर्फ यूजरनेम नहीं, बल्कि उसकी यूजरनेम की भी जरूरी होगी। इससे अनचाहे संपर्क और फर्जी अकाउंट का खतरा कम होगा।

बदला जा सकता है यूजरनेम

व्हाट्सएप ने अगर आपका कोई पसंदीदा आपका नया पसंदीदा यूजरनेम उपलब्ध होगा, तो उसको चेंज किया जा सकता है। व्हाट्सएप ने अपने पोस्ट में कुछ जरूरी बातों की भी जानकारी दी है। पोस्ट में लिखा है कि सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि लोग पहले से लोकप्रिय या मशहूर यूजरनेम रिजर्व कर सकते हैं, जो दावा गलत है। ऐसे यूजरनेम केवल उनके वास्तविक और वैध मालिक ही रिजर्व कर पाएंगे।

लॉन्च से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा

व्हाट्सएप ने यूजरनेम फीचर के ऑफिशियल लॉन्च से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, जिसके पीछे तर्क दिया है कि कंपनी का मानना है कि लोग अपने पसंदीदा यूजरनेम को लेकर काफी गंभीर हैं। व्हाट्सएप का कहना है कि वह इस फीचर को जल्दबाजी में लॉन्च नहीं करना चाहते हैं। वह यूजर्स का फीडबैक लेकर इस साल के अंत में फीचर को सही तरीके से लॉन्चिंग करने की योजना बना रहा है।

ग्रेडिंग रुकने की वजह-किन बिंदुओं में हो मूल्यांकन, यही तय नहीं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नैक ग्रेडिंग में होना है बदलाव

देशभर में रुकी नैक ग्रेडिंग, वेटिंग में मप्र के कॉलेज भी, तीन माह पुरानी रैंक को एक्सटेंशन

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

देशभर के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में नैक ग्रेडिंग रूक गई है। इससें छत्तीसगढ़ के भी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय शामिल हैं। इसका कारण शैक्षणिक संस्थानों की लापरवाही नहीं बल्कि यूजीसी द्वारा अब तक नैक ग्रेडिंग का क्षेत्र निर्धारित नहीं किया जाना है। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नैक ग्रेडिंग के लिए होने वाली मूल्यांकन पद्धति में बदलाव किया जाना है। बदलाव संबंधित यह योजना लंबे समय से प्रस्तावित है। अब तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। अब तक सात बिंदुओं में नैक ग्रेडिंग होती रही है। नई पद्धति में इसे बढ़ाकर 10 किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, प्राचीन बिंदुओं को समाप्त नहीं किया जाएगा बल्कि इसे ही विस्तार दिया जाएगा। गौरतलब है कि बीते वर्ष नैक मूल्यांकन उस वक्त विवादों में आ गया था, जब निरीक्षण दल द्वारा रिश्वत लेकर संस्थान को अच्छे अंक प्रदान करने की बात सामने आई थी। इसके बाद से ऐसी पद्धति विकसित करने पर जोर दिया जा रहा था, जिसमें निरीक्षण दल का हस्तक्षेप कम हो और संस्थानों के वास्तविक कार्य के आधार पर ग्रेडिंग प्रदान की जा सके।

पुरानी पद्धति में इन बिंदुओं के अंतर्गत मूल्यांकन

1. पाठ्यचर्या के पहलू
2. अध्यापन-अधिगम और मूल्यांकन
3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार
4. बुनियादी ढांचा और शिक्षण संसाधन
5. छात्र सहायता और प्रगति
6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन
7. सांस्थानिक मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएं

अवधि खत्म हुई तो अतिरिक्त समय

चूंकि ग्रेडिंग में विलंब यूजीसी की ओर से हो रहा है, इसलिए यदि महाविद्यालयों की ग्रेडिंग समाप्त हो जाती है तो वे अपनी पुरानी ग्रेडिंग का इस्तेमाल अतिरिक्त तीन माह के लिए कर सकेंगे। इस दौरान प्रकाशित होने वाली अंकसूची में पुरानी ग्रेडिंग का जिक्र किया जा सकेगा। किसी भी संस्थान को प्रदान की जानी वाली ग्रेडिंग अधिकतम पांच साल के लिए मान्य होती है। इसके बाद संस्थान को पुनः मूल्यांकन करवाना होता है। पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध महाविद्यालय जहां नैक ग्रेडिंग समाप्त हो चुकी है अथवा होने वाली है, उनमें साइंस कॉलेज, शासकीय महाविद्यालय आरंग तथा महासमुंद, अग्रसेन महाविद्यालय, विप्र कॉलेज प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा भी कई कॉलेज हैं।

3 माह पूर्व हुआ था ऑनलाइन सर्वे

यूजीसी द्वारा तीन माह पूर्व ऑनलाइन सर्वे किया गया था। इस सर्वे में उन महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया था जिनकी नैक ग्रेडिंग या तो समाप्त हो चुकी है अथवा समाप्त होने वाली है। इस सर्वे के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की गई थी कि दोनों में से कौन सी मूल्यांकन पद्धति शिक्षा व्यवस्था के लिए बेहतर साबित होगी। इस सर्वे के बाद महाविद्यालयों को उम्मीद थी कि अब उनके संस्थानों की ग्रेडिंग हो सकेगी, लेकिन अब तक किसी तरह की प्रगति इसमें नहीं हो सकी है।

सीबीएसई ने जारी किया नया शेड्यूल, अब 8 जुलाई तक मिलेगा रजिस्ट्रेशन का मौका

12वीं कंपार्टमेंट की तारीख बदली, अब 28 जुलाई को एग्जाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके साथ ही 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सीबीएसई की तरफ से घोषित कार्यक्रम के अनुसार 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम की तारीख में बदलाव किया गया है। अब 12वीं का कंपार्टमेंट एग्जाम 28 जुलाई को होगा। पहले 15 जुलाई को सीबीएसई 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम प्रस्तावित था। सीबीएसई ने आवेदन पोर्टल शुरू कर दिया है। कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए स्टूडेंट्स 8 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। वहीं, कंपार्टमेंट एग्जाम की तारीख में हुए बदलाव से स्टूडेंट्स नाराज हैं।

कौन कर सकता है आवेदन

सीबीएसई 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए चुनिंदा स्टूडेंट्स ही आवेदन कर सकते हैं। निर्देशों के अनुसार, इस साल 12वीं की परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स एक विषय में मार्क्स इम्प्रूव करने के लिए कंपार्टमेंट एग्जाम दे सकते हैं। वहीं, एक विषय में फेल स्टूडेंट्स भी पास होने के लिए कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही 2025 में कंपार्टमेंट वाले स्टूडेंट्स भी कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह उनके लिए तीसरा और आखिरी मौका होगा।

संगम पोर्टल के जरिए होगा आवेदन

सीबीएसई ने 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए स्कूलों को एलओसी जमा करने का निर्देश दिया है। इसके लिए 8 जुलाई तक का समय दिया गया है। 8 जुलाई रात 11:59 बजे तक एलओसी जमा कराई जा सकती है। हालांकि, स्टूडेंट्स व्यक्तिगत स्तर पर भी आवेदन कर सकते हैं।

कंपार्टमेंट एग्जाम की फीस

कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए निर्धारित फीस की बात करें तो भारत के स्टूडेंट्स के लिए 300 रुपये फीस निर्धारित है। वहीं, नेपाल के स्टूडेंट्स के लिए 1100 रुपये और भारत से बाहर के देशों के स्टूडेंट्स के लिए 2200 रुपये फीस निर्धारित है। दृष्टिबाधित स्टूडेंट्स को एग्जाम फीस से छूट दी गई है।

तारीख बदलने से स्टूडेंट्स भड़के, ग्रेस मार्क्स की मांग

सीबीएसई की तरफ से पहले जारी शेड्यूल के अनुसार कंपार्टमेंट एग्जाम 15 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन अब 28 जुलाई को कंपार्टमेंट एग्जाम होगा। इससे स्टूडेंट्स की परेशानियां बढ़ गई हैं। स्टूडेंट्स का कहना है कि अगर 28 जुलाई को कंपार्टमेंट एग्जाम होगा, तो अगस्त तक उसका रिजल्ट जारी होगा। अगस्त तक यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों की एडमिशन प्रक्रिया खत्म हो जाएगी। ऐसे में कंपार्टमेंट एग्जाम का कोई वजूद नहीं रह जाएगा। स्टूडेंट्स ने ग्रेस मार्क्स देने की मांग की है।

लालू परिवार अब निजी आवास में शिफ्ट

राबड़ी ने 20 साल बाद खाली किया सरकारी बंगला

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आखिरकार पटना स्थित अपना सरकारी बंगला '10 सर्कुलर रोड' खाली कर दिया है। राबड़ी देवी पिछले करीब 20 सालों से इस आलीशान बंगले में रह रही थीं। गुरुवार को लालू प्रसाद यादव का पूरा परिवार इस सरकारी आवास को छोड़कर कौटिल्य नगर स्थित अपने निजी घर में शिफ्ट हो गया है। साल 2005 के विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद, नीतीश कुमार की तत्कालीन सरकार ने राबड़ी देवी को '10 सर्कुलर रोड' का ये बंगला दिया था। ये बंगला मुख्यमंत्री आवास के ठीक सामने और राजभवन से महज कुछ ही दूरी पर स्थित है। लगभग 20 सालों तक ये बंगला लालू परिवार का आशियाना रहा।

बीजेपी सरकार के दबाव के आगे झुका परिवार

राबड़ी देवी ने ये बंगला सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली मौजूदा बीजेपी सरकार के कड़े रुख और दबाव के बाद खाली किया है। सरकार ने अब ये बंगला बीजेपी नेता और मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित कर दिया है।

■ 60 हजार बचाने के चक्कर में गंवा सकते हैं 82 लाख रुपये

■ कंपाउंडिंग बताता है कि निवेश में समय ही सबसे बड़ी पूंजी

■ जल्दी शुरुआत करने वालों को मिलता है सबसे बड़ा फायदा

एसआईपी में सिर्फ 1 वर्ष की देरी पड़ सकती है भारी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि जितना अधिक पैसा निवेश करेंगे, उतना बड़ा फंड तैयार होगा। यह बात सही है, लेकिन पूरी सच्चाई नहीं। निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की रकम से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है निवेश की शुरुआत का समय। यदि कोई व्यक्ति एसआईपी शुरू करने में सिर्फ एक साल की भी देरी करता है तो उसे भविष्य में लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ सबसे अधिक काम करती है। यही वजह है कि एसआईपी की पहली किस्त की कीमत आखिरी किस्त से कई गुना ज्यादा होती है। एक साल की देरी केवल 12 किस्तों का नुकसान नहीं कराती, बल्कि उन किस्तों पर मिलने वाले वर्षों के रिटर्न से भी निवेशक वंचित रह जाता है।

क्यों सबसे अहम है पहली एसआई

कंपाउंडिंग का अर्थ है कि निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे चलकर रिटर्न कमाने लगता है। यानी आपका पैसा केवल बढ़ता नहीं, बल्कि बढ़ा हुआ पैसा भी कमाई करता है। यदि कोई निवेशक 30 वर्ष तक लगातार एसआईपी करता है, तो पहले साल जमा की गई रकम को पूरे 30 वर्षों तक बढ़ने का मौका मिलता है। वहीं अंतिम वर्ष में जमा की गई राशि को केवल कुछ महीनों का ही समय मिलता है। यही कारण है कि शुरुआती निवेश की ताकत सबसे अधिक होती है। विशेषज्ञ इसे निवेश की दुनिया का सबसे बड़ा जादू मानते हैं। जितनी जल्दी शुरुआत होगी, कंपाउंडिंग उतना ही अधिक काम करेगी।

एक साल की देरी का बड़ा नुकसान

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है। यदि वह लगातार 30 वर्षों तक निवेश करता है तो कुल निवेश राशि 18 लाख रुपये होगी। इस अवधि के अंत में उसका फंड लगभग 1.76 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। लेकिन यदि वही निवेशक एसआईपी शुरू करने में सिर्फ एक वर्ष की देरी कर देता है और केवल 29 वर्ष निवेश करता है, तो उसका अंतिम फंड घटकर लगभग 1.56 करोड़ रुपये रह जाएगा। यानी केवल 60 हजार रुपये (12 किस्तें) का निवेश टालने की कीमत लगभग 20.43 लाख रुपये हो सकती है। यह उदाहरण बताता है कि निवेश में सबसे बड़ा नुकसान बाजार की गिरावट नहीं, बल्कि समय गंवाने से होता है।

जितनी बड़ी एसआई, उतना नुकसान

एक साल की देरी का असर निवेश राशि बढ़ने के साथ और भी ज्यादा दिखाई देता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 2,000 रुपये की एसआईपी करता है तो एक साल की देरी से लगभग 8.17 लाख रुपये का संभावित नुकसान हो सकता है। 10,000 रुपये मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक के लिए यही नुकसान बढ़कर लगभग 40.87 लाख रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं यदि मासिक एसआईपी 20,000 रुपये की है तो केवल एक साल की देरी भविष्य में करीब 82 लाख रुपये के संभावित फंड को कम कर सकती है। यही कारण है कि निवेश विशेषज्ञ हमेशा कहते हैं कि रसही समय का इंतजार मत कीजिए, समय को अपने पक्ष में कीजिए।

आखिर में रफ्तार पकड़ती है कंपाउंडिंग

एसआईपी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार धीमी लगती है, लेकिन बाद के वर्षों में वही निवेश तेजी से बढ़ने लगता है।

उदाहरण के तौर पर 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी में

- 10 वर्ष बाद कुल निवेश लगभग 6 लाख रुपये होगा और फंड करीब 11.62 लाख रुपये बन सकता है।
- 20 वर्ष बाद कुल निवेश 12 लाख रुपये होगा, लेकिन फंड करीब 50 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।
- 30 वर्ष पूरे होने पर कुल निवेश 18 लाख रुपये रहेगा, जबकि फंड बढ़कर लगभग 1.76 करोड़ रुपये हो जाएगा।
- यानी अंतिम दस वर्षों में केवल 6 लाख रुपये का अतिरिक्त निवेश पूरे फंड को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.76 करोड़ रुपये तक पहुंचा देता है। यही कंपाउंडिंग की असली ताकत है।

शुरुआत में देरी हो गई तो क्या करें?

यदि किसी कारणवश एसआईपी शुरू करने में देरी हो गई है तो भी नुकसान की भरपाई की जा सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार यदि आपने पहला साल गंवा दिया है तो शेष अवधि में अपनी मासिक एसआईपी थोड़ी बढ़ाकर इस अंतर को काफी हद तक पूरा किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि आपकी योजना 5,000 रुपये मासिक एसआईपी की थी और एक साल की देरी हो गई, तो अगले 29 वर्षों तक लगभग 5,655 रुपये प्रति माह निवेश करके उस संभावित अंतर को काफी हद तक भरा जा सकता है। यानी हर महीने केवल 655 रुपये अतिरिक्त निवेश भविष्य में लाखों रुपये का अंतर पैदा कर सकता है।

छोटी एसआईपी भी बनेगी बड़ा फंड

- कई लोग सोचते हैं कि निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम होना जरूरी है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।
- वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि यदि फिलहाल बड़ी राशि उपलब्ध नहीं है तो 500 रुपये, 1,000 रुपये या 2,000 रुपये से भी एसआईपी शुरू की जा सकती है। जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी की राशि भी बढ़ाई जा सकती है।
- नियमित निवेश और लंबी अवधि का अनुशासन ही बड़ा कोष तैयार करने की सबसे प्रभावी रणनीति है।

समय ही सबसे बड़ा निवेश है

विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश की दुनिया में सबसे मूल्यवान चीज पैसा नहीं, बल्कि समय है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन लंबे समय तक निवेश बनाए रखने वाले निवेशकों को कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा लाभ मिलता है। यदि आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो निवेश की शुरुआत टालने के बजाय जितनी जल्दी संभव हो, उतनी जल्दी एसआईपी शुरू करें। छोटी-सी शुरुआत भी समय के साथ करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकती है। इसलिए निवेश का सबसे अच्छा समय आज है, क्योंकि एक साल की देरी भविष्य में लाखों नहीं, बल्कि बड़े निवेशकों के लिए करोड़ों रुपये तक का अंतर पैदा कर सकती है।

पीपीएफ या म्यूचुअल फंड पर लें लोन?

- इमरजेंसी में कौन सा विकल्प है बेहतर
- अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर निवेश तोड़े बिना मिल सकती रकम
- दोनों विकल्पों के फायदे, नुकसान और किसके लिए कौन बेहतर

बिजनेस डेस्क

अचानक मेडिकल इमरजेंसी, बिजनेस में नकदी की जरूरत या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए अक्सर लोग अपने निवेश तोड़ देते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश को समय से पहले भुनाने के बजाय उसके बदले लोन लेना कई बार अधिक फायदेमंद साबित होता है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और म्यूचुअल फंड, दोनों पर लोन लेने की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन दोनों की शर्तें, ब्याज दरें और लोन की सीमा अलग-अलग हैं। ऐसे में जरूरत और निवेश के आधार पर सही विकल्प चुनना जरूरी है।

पीपीएफ पर लोनः कम ब्याज, लेकिन सीमित सुविधा

पीपीएफ पर लोन केवल एक निश्चित अवधि के दौरान ही लिया जा सकता है। खाता खुलने वाले वित्तीय वर्ष के तीसरे साल से लेकर छठे वित्तीय वर्ष तक ही यह सुविधा मिलती है। यदि पहले लिया गया लोन पूरी तरह चुका दिया गया हो, तभी अगला लोन लिया जा सकता है। लोन की अधिकतम राशि आवेदन से दो वित्तीय वर्ष पहले के खाते में उपलब्ध बैलेंस के केवल 25 प्रतिशत तक सीमित होती है। चूंकि पीपीएफ सरकार समर्थित बचत योजना है, इसलिए इस पर ब्याज भी कम लगता है। वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत ब्याज मिलता है और लोन की ब्याज दर इससे केवल 1 प्रतिशत अधिक यानी लगभग 8.1 प्रतिशत है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये का लोन चाहिए तो उसके पीपीएफ खाते में लगभग 16 लाख रुपये का बैलेंस होना आवश्यक होगा, क्योंकि केवल 25 प्रतिशत राशि ही लोन के रूप में मिल सकती है।

म्यूचुअल फंड पर लोन : ज्यादा रकम और अधिक लचीलापन

म्यूचुअल फंड के बदले लोन निवेशकों के लिए अधिक लचीला विकल्प माना जाता है। यह सुविधा फिजिकल और डीमैट दोनों रूपों में रखी गई म्यूचुअल फंड यूनिट्स पर उपलब्ध है। इसका लाभ व्यक्तिगत निवेशकों के अलावा एचयूएफ, कंपनियां, एलएलपी, ट्रस्ट और साझेदारी फर्में भी ले सकती हैं। इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और लिक्विड फंड सभी पर लोन मिल सकता है, हालांकि लोन की सीमा फंड के प्रकार पर निर्भर करती है। डेट और लिक्विड फंड पर आमतौर पर 70 से 80 प्रतिशत तक लोन मिल जाता है, जबकि इक्विटी फंड पर यह सीमा लगभग 50 प्रतिशत रहती है। यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये की जरूरत है तो करीब आठ लाख रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश के आधार पर यह राशि मिल सकती है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक की यूनिट्स बिकती नहीं हैं और वे बाजार में निवेशित बनी रहती हैं, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण जारी रहता है।

ब्याज और जोखिम में बड़ा अंतर

म्यूचुअल फंड पर लोन की ब्याज दर आमतौर पर 9 से 12 प्रतिशत के बीच होती है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान इसे ओवरड्राफ्ट सुविधा के रूप में देते हैं, जिसमें केवल इस्तेमाल की गई राशि पर ही ब्याज देना पड़ता है। हालांकि इसमें एक जोखिम भी है। यदि बाजार गिरता है और म्यूचुअल फंड की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम हो जाती है, तो बैंक अतिरिक्त सिक्योरिटी या आंशिक भुगतान की मांग कर सकता है। ऐसा नहीं करने पर गिरवी रखी गई यूनिट्स बेची भी जा सकती हैं।

किसके लिए कौन सा विकल्प बेहतर

वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए, जो नियमित एसआईपी करते हैं और अच्छा म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो बना चुके हैं, म्यूचुअल फंड पर लोन बेहतर विकल्प माना जाता है। इससे निवेश टूटता नहीं और कंपाउंडिंग का लाभ भी जारी रहता है। स्वरोजगार या व्यवसाय करने वालों के लिए भी म्यूचुअल फंड पर लोन अधिक उपयोगी है, क्योंकि इसमें बड़ी राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल सकती है।

एसआईएफ की बढ़ती लोकप्रियता से लंपसम निवेश को मिल रही है चुनौती

10 लाख की न्यूनतम निवेश सीमा के बावजूद एसआईएफ की ओर बढ़ा रुझान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

विशेषज्ञों का कहना है कि पहले लॉन्ग-शॉर्ट निवेश रणनीति का लाभ केवल कैटेगरी-III अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) के माध्यम से ही मिल पाता था। लेकिन एआईएफ में निवेश की न्यूनतम सीमा एक करोड़ रुपये होती है, जो अधिकांश निवेशकों की पहुंच से बाहर है। इसके विपरीत एसआईएफ में केवल 10 लाख रुपये से निवेश संभव है। इससे संपन्न निवेशकों को कम पूंजी में वही निवेश रणनीति अपनाने का अवसर मिल रहा है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में एचएनआई निवेशक अब एसआईएफ को अपनाने लगे हैं।

म्यूचुअल फंड उद्योग में लंपसम निवेशकों के लिए एक नया विकल्प तेजी से उभर रहा है। स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) की बढ़ती लोकप्रियता अब पारंपरिक इक्विटी म्यूचुअल फंडों के लंपसम निवेश को चुनौती देती दिखाई दे रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के महीनों में इक्विटी म्यूचुअल फंडों में लंपसम निवेश घटने के पीछे एसआईएफ की बढ़ती स्वीकार्यता भी एक अहम वजह हो सकती है। पिछले महीने इक्विटी म्यूचुअल फंडों में शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) में करीब 40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि दूसरी ओर एसआईपी (एसआईपी) निवेश लगातार मजबूत बना रहा। इससे यह संकेत मिला कि छोटे निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं, जबकि बड़े निवेशक अब नए विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

सात माह में सात गुना बढ़ा एयूएम

पिछले वर्ष शुरू किए गए स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स ने बेहद कम समय में निवेशकों का भरोसा जीत लिया है। अक्टूबर 2025 में इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) लगभग 2,010 करोड़ रुपये था, जो मई 2026 तक बढ़कर 13,814 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया। यानी महज सात महीनों में इनका आकार लगभग सात गुना बढ़ गया। हालांकि एसआईएफ में निवेश के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा तय की गई है, फिर भी हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) निवेशकों में इसका आकर्षण लगातार बढ़ रहा है।

हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम पसंद

एसआईएफ के भीतर सबसे अधिक लोकप्रियता हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम को मिली है। मई 2026 तक इस श्रेणी में करीब 9,709 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो कुल एसआईएफ एसेट्स का लगभग 70 प्रतिशत है। इन योजनाओं में प्रति फोलियो औसत निवेश भी सबसे अधिक रहा। हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में औसत निवेश करीब 33.86 लाख रुपये प्रति फोलियो दर्ज किया गया। इसके मुकाबले इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में यह आंकड़ा 15.64 लाख रुपये और इक्विटी एक्स-टॉप-100 लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में 12.77 लाख रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा बताता है कि संपन्न निवेशक इस नई श्रेणी पर तेजी से भरोसा जता रहे हैं।

क्यों बढ़ रही है एसआईएफ मांग

बाजार जानकारों के अनुसार एसआईएफ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह निवेशकों को बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न देने की कोशिश करता है। विशेष रूप से हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट रणनीति बाजार में गिरावट के दौरान भी नुकसान को सीमित रखने का प्रयास करती है। हालिया बाजार सुधार के दौरान इन योजनाओं ने सकारात्मक रिटर्न देकर निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। यही वजह है कि कई निवेशक अब पारंपरिक लंपसम इक्विटी निवेश की जगह एसआईएफ को प्राथमिकता दे रहे हैं।

म्यूचुअल फंडों पर पड़ेगा असर?

विशेषज्ञों का मानना है कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि एसआईएफ पारंपरिक म्यूचुअल फंडों का स्थान ले लेंगे। फिलहाल इसका प्रभाव मुख्य रूप से बड़े लंपसम निवेशकों तक सीमित है। एसआईपी निवेश में किसी प्रकार की कमजोरी देखने को नहीं मिली है। इससे स्पष्ट है कि खुदरा निवेशक अभी भी नियमित निवेश के लिए पारंपरिक म्यूचुअल फंडों पर भरोसा बनाए हुए हैं। हालांकि यदि एसआईएफ का प्रदर्शन लगातार बेहतर रहता है तो आने वाले वर्षों में बड़े निवेशकों का एक हिस्सा इस श्रेणी की ओर शिफ्ट हो सकता है।

किन निवेशकों के लिए बेहतर है एसआईएफ

विशेषज्ञों के अनुसार एसआईएफ उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिनके पास पहले से बड़ा निवेश पोर्टफोलियो है और जो बाजार की अस्थिरता के बीच बेहतर जोखिम प्रबंधन चाहते हैं। विशेष रूप से ऐसे निवेशक जो एकमुश्त बड़ी राशि निवेश करते हैं और केवल इक्विटी पर निर्भर नहीं रहना चाहते, उनके लिए यह एक बेहतर विकल्प बन सकता है। इसके अलावा फिक्स्ड इनकम निवेशक, जो सीमित जोखिम के साथ अपेक्षाकृत बेहतर रिटर्न चाहते हैं, वे भी भविष्य में इस श्रेणी की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

अभी भी कई चुनौतियां बाकी

हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि एसआईएफ को व्यापक स्तर पर लोकप्रिय होने में अभी समय लगेगा। निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने, वितरकों को प्रशिक्षित करने और लंबी अवधि का प्रदर्शन रिकॉर्ड तैयार होने के बाद ही यह श्रेणी बड़े पैमाने पर स्वीकार की जाएगी। निवेशकों के लिए यह भी जरूरी होगा कि वे केवल शुरुआती प्रदर्शन देखकर निवेश न करें, बल्कि फंड की रणनीति, जोखिम, शुल्क और अपने वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें।

लंबी अवधि में बदल सकता है निवेश का परिदृश्य

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय निवेश उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। जैसे-जैसे निवेशकों की समझ बढ़ेगी, वे पारंपरिक इक्विटी और डेट फंडों से आगे बढ़कर नई निवेश रणनीतियों को भी अपनाएंगे। स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड इसी बदलाव का संकेत हैं। यदि इनका प्रदर्शन स्थिर और बेहतर बना रहता है तो आने वाले वर्षों में यह हाई नेटवर्थ निवेशकों के पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि खुदरा निवेशकों के लिए एसआईपी आधारित म्यूचुअल फंड अभी भी सबसे सरल, अनुशासित और प्रभावी निवेश विकल्प बने हुए हैं।

20 साल की एसआईपी में सिर्फ पांच फंड ही बने असली 'वेल्थ क्रिएटर'

बिजनेस डेस्क। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का सपना होता है कि उन्हें लंबे समय तक लगातार बेहतर रिटर्न मिले। हालांकि, ऐसा करने वाले फंड बहुत कम हैं। करीब 600 सक्रिय इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के विश्लेषण में केवल पांच ऐसी योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने 3, 5, 10, 15 और 20 वर्ष जैसी सभी प्रमुख निवेश अवधियों में 15 प्रतिशत से अधिक सालाना एसआईपी रिटर्न दिया है। यह विश्लेषण वैल्यू रिसर्च के 29 जून 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है। सबसे खास बात यह है कि इस सूची में कोई भी फ्लेक्सी-कैप या लार्जकैप फंड शामिल नहीं है। दो मिडकैप, दो हेल्थकेयर और एक इंफ्रास्ट्रक्चर थीम आधारित फंड ने निवेशकों को लंबी अवधि में शानदार संपत्ति बनाने का अवसर दिया। यह दर्शाता है कि मजबूत सेक्टरों में लंबे समय तक धैर्य के साथ निवेश करने वाले निवेशकों को बेहतरीन रिटर्न मिला।

ये हैं पांच सबसे सफल एसआईपी फंड

- इस सूची में एचएसबीसी मिडकैप फंड (रेगूलर) पहले स्थान पर है। इस फंड ने 3 वर्ष में 20.05%, 5 वर्ष में 21.46%, 10 वर्ष में 18.39%, 15 वर्ष में 18.96% और 20 वर्ष में 17.70% का वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया। निवेशक ने 20 वर्षों तक हर महीने 10,000 की एसआईपी की होती, तो उसका निवेश बढ़कर 1.86 करोड़ हो जाता।
- दूसरे स्थान पर एसीबीआई हेल्थकेयर ऑपर्च्युनिटी फंड (रेगूलर) रहा। इसने 20 वर्षों में 16.80 प्रतिशत वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया और 10,000 मासिक निवेश को लगभग 1.68 करोड़ रुपये में बदल दिया।
- तीसरे स्थान पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मिडकैप फंड रहा। इस फंड ने 20 वर्षों में 16.52 प्रतिशत का रिटर्न दिया और लगभग 1.61 करोड़ का कोष तैयार किया।
- चौथे स्थान पर यूटीआई हेल्थकेयर म्यूचुअल फंड (रेगूलर) रहा, जिसने 20 वर्षों में 15.61 प्रतिशत रिटर्न देते हुए 10,000 की मासिक एसआईपी को लगभग 1.45 करोड़ रुपये तक पहुंचाया।
- पांचवें स्थान पर डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड (रेगूलर) रहा। इंफ्रास्ट्रक्चर थीम पर आधारित इस फंड ने 20 वर्षों में 15.40 प्रतिशत रिटर्न दिया और निवेशकों का कोष करीब 1.40 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

अमेरिकी ब्याज दरों, ट्रेजरी यील्ड और वैश्विक अनिश्चितता से बढ़ा दबाव

सात माह के निचले स्तर पर सोना-चांदी, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

जुलाई की शुरुआत सर्राफा बाजार के लिए झटके भरी रही। 1 जुलाई को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में तेजी, फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति के संकेत और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इसका असर यह हुआ कि सोना और चांदी दोनों सात महीने के निचले स्तर के करीब पहुंच गए। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट केवल नकारात्मक संकेत नहीं है, बल्कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर भी बन सकती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना 1,701 रुपये यानी 1.19 प्रतिशत टूटकर करीब 1.40 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं सितंबर डिलीवरी वाली चांदी में और बड़ी गिरावट देखने को मिली। चांदी 5,380 रुपये यानी 2.35 प्रतिशत लुढ़ककर 2.23 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का यही रुख दिखाई दिया। कॉमेक्स पर सोना करीब 4,000 डॉलर प्रति औंस के महत्वपूर्ण स्तर के आसपास सात महीने के निचले स्तर पर कारोबार करता रहा, जबकि चांदी लगभग तीन प्रतिशत गिरकर 57.73 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

अमेरिकी फेड की सख्ती बनी सबसे बड़ी वजह

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व का सख्त रुख है। हाल के दिनों में फेड अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि यदि महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आती है तो इस वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की जा सकती है। ब्याज दरें बढ़ने से निवेशकों का रुझान सोने जैसी बिना ब्याज वाली परिसंपत्तियों से हटकर बॉन्ड और अन्य ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर बढ़ जाता है। यही कारण है कि सोने और चांदी पर बिकवाली का दबाव लगातार बना हुआ है।

ट्रेजरी यील्ड और मजबूत डॉलर का असर

अमेरिकी सरकारी बॉन्ड यानी ट्रेजरी की यील्ड में तेजी ने भी सोने की चमक फीकी कर दी है। जब ट्रेजरी यील्ड बढ़ती है तो निवेशकों को सुरक्षित और बेहतर रिटर्न वाले विकल्प मिलने लगते हैं। इससे सोने की मांग घटती है। इसके साथ ही डॉलर इंडेक्स में मजबूती आने से भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बढ़ा। चूंकि सोने का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है और मांग कमजोर पड़ जाती है।

मध्य-पूर्व में बढ़ता तनाव भी चिंता का कारण

मध्य-पूर्व में एक बार फिर बढ़ते तनाव ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। ईरान और अमेरिका के बीच रिश्तों में आई तल्खी तथा शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है। हालांकि सामान्य परिस्थितियों में ऐसे तनाव के दौरान सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन इस समय ब्याज दरों और डॉलर की मजबूती का प्रभाव अधिक देखने को मिल रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भी वैश्विक महंगाई को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। यदि तेल महंगा होता है तो महंगाई बढ़ सकती है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रख सकते हैं।

विशेषज्ञ बोले- जल्दबाजी नहीं, रणनीति के साथ ही करें निवेश

अब अमेरिकी आंकड़ों पर टिकी नजर

बाजार की अगली दिशा काफी हद तक अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। निवेशकों की नजर जून के **ADP** रोजगार आंकड़ों और नॉन-फार्म पेरोल डेटा पर है। यदि रोजगार के आंकड़े मजबूत आते हैं तो फेड के लिए ब्याज दरें ऊंची बनाए रखने का आधार मजबूत होगा, जिससे सोने पर दबाव बना रह सकता है। वहीं, यदि आंकड़े उम्मीद से कमजोर आते हैं तो ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद बढ़ेगी और सोना-चांदी में रिकवरी देखने को मिल सकती है।

विशेषज्ञों की रायः अभी सतर्कता जरूरी

सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि फिलहाल तकनीकी रूप से सोना और चांदी दोनों कमजोर स्थिति में हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे बना रहता है तो अगला मजबूत सपोर्ट 3,600 डॉलर प्रति औंस के आसपास दिखाई देता है। इसी तरह चांदी यदि 60 डॉलर प्रति औंस के नीचे टिकती है तो इसमें 50 डॉलर प्रति औंस तक गिरावट की संभावना बनी रह सकती है। हालांकि लगातार बिकवाली के कारण दोनों धातुएं अब ओवरसोल्ड जोन में पहुंच चुकी हैं। ऐसे में किसी भी सकारात्मक वैश्विक संकेत या कमजोर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद तेज तकनीकी रिकवरी भी संभव है।

क्या यह खरीदारी का सही समय है?

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों को घबराने की जरूरत नहीं है। यदि किसी का निवेश लक्ष्य पांच से दस वर्ष या उससे अधिक का है तो ऐसी गिरावट चरणबद्ध निवेश (स्टैगर्ड इन्वेस्टमेंट) का अवसर बन सकती है। एकमुश्त निवेश करने के बजाय किस्तों में खरीदारी करना अधिक सुरक्षित रणनीति मानी जा रही है। इससे यदि कीमतें और गिरती हैं तो औसत खरीद मूल्य कम किया जा सकता है। वहीं अल्पकालिक ट्रेडर्स को फेडरल रिजर्व के अगले संकेत, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, डॉलर इंडेक्स और वैश्विक घटनाक्रमों पर लगातार नजर बनाए रखनी चाहिए।

दीर्घकाल में बनी रहेगी सोने की अहमियत

सोना सदियों से महंगाई, आर्थिक संकट और वैश्विक अनिश्चितताओं के दौरान सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्प माना जाता रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकाल में कीमतों में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, लेकिन लंबी अवधि में सोना निवेश पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का महत्वपूर्ण माध्यम बना रहेगा। यही कारण है कि वित्तीय सलाहकार कुल निवेश का एक हिस्सा सोना और चांदी जैसी कीमती धातुओं में रखने की सलाह देते हैं। मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक निवेश के अवसर के रूप में भी देखा जा सकता है। हालांकि किसी भी निवेश निर्णय से पहले अपनी जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और वित्तीय सलाहकार की राय को जरूर ध्यान में रखना चाहिए।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण आजकल काफी चर्चा में है। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंची है। सवाल उठता है कि इस मामले में कहां चूक हुई और क्या किया जाना चाहिए था, जिसका पालन नहीं हो पाया? आखिर प्रबंधन को लेकर ऐसी क्या व्यवस्था बनाई जाए, जिससे मंदिरों के कामकाज में पारदर्शिता आए, जबकि भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों खास तौर पर दक्षिण के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी वहां समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। उनकी प्रबंधन समितियां बड़े स्तर पर श्रद्धालुओं और दान का प्रबंधन करती हैं। उत्तर भारत के मंदिर इनसे क्या सबक ले सकते हैं? सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। हालांकि राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच संबंधित राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। दूसरी ओर, क्या राममंदिर चढ़ावा चोरी विवाद भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक रूप से प्रभावित करेगा। यदि हां तो कितना और नहीं तो क्यों नहीं? *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

सरकारी व्यवस्था से परे हो मंदिर प्रबंधन

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पिछले काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो, इसके उदाहरण न के बराबर हैं। हां, ऐसा करने वालों को दंड, पाप मोचन तथा सुधार की व्यवस्था सतत् रही है।

इसके बावजूद हमारे मंदिर हर दृष्टि से धार्मिक मान्यताओं और हमारी आस्थाओं के अनुरूप पावन पुण्य स्थल बन रहें, श्रद्धालुओं के मन में वहां से जीवन में शुचिता, नैतिकता, सेवा, दान व ईमानदारी की प्रेरणा मिले इसके लिए मनुष्य के रूप में जितना संभव है, श्रेष्ठतम व्यवस्था होनी चाहिए। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हमारे मंदिर केवल कर्मकांड, पूजा- पाठ व दर्शन के केंद्र नहीं थे। मंदिरों की भूमिका समाज के मुख्य शक्ति केंद्र के रूप में भी थी। आज भी प्रमुख मंदिरों द्वारा शिक्षालय, अस्पताल, औषधालय,योग आश्रम, विचार प्रसार केंद्र, पुस्तकालय, वाचनालय, प्रकाशन, मुफ्त भोजनालय, समाज के निर्धन निराश्रित लोगों की सहायता सेवा आदि संचालित होते हैं।

यह उसी परंपरा का अंग है। ज्यादातर मंदिर ऐसा करते हुए प्रचार-प्रसार में नहीं पड़ते ते इसलिए दुनिया में ईसाई मिशनरियों ने ही यह भाव फैलाया है कि दान, गरीबों की सेवा, मनुष्य को शिक्षित करने की भूमिका केवल वही निभाते हैं। यह सरासर झूठ है। साफ है कि अगर मंदिरों के प्रबंधन की बात करें तो उसके पूरे व्यापक आयाम को ध्यान में रखकर ही आप किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं।

काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो इसके उदाहरण न के बराबर हैं। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं।

समाज और सत्ता का समन्वय

राजा या वैभवशाली, संपन्नशाली लोग मंदिर अवश्य बनवाते थे और प्रबंधन में उनकी भूमिका भी होती थी, पर संपूर्ण निजी मंदिरों को छोड़कर नियंत्रण जैसी स्थिति नहीं रही। उसके संपूर्ण विधि विधान ही नहीं, प्रबंधन की विधियां भी धर्म क्षेत्र - द्वारा ही निर्धारित होती थी। मंदिर के प्रबंध का सूत्र समाज क्षेत्र और सत्ता तंत्र के समन्वय से होता था। दक्षिण में आगमों के द्वारा मंदिर के पूजा विधान तय होते थे। समाज की समितियां कई बार जिसे सभा - महासभा कहते थे जिनमें विद्वान बुजुर्ग आदि होते थे, प्रतिदिन की व्यवस्था संभालते थे। आज भी हम दक्षिण के कुछ मंदिरों के अंदर धन देख, सुनकर चकित होते हैं और कई प्राचीन राज परिवार अभी भी मंदिरों की प्रमुख भूमिका में हैं। पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाव यही है कि हम केवल उस धन के न्यासी हैं, उनमें से रति भर भी स्वयं के लिए उपयोग करने का अधिकार हमें नहीं है।

संपूर्ण देश के लिए एक संरचना उपयुक्त नहीं

वस्तुतः मंदिरों को सरकारी व्यवस्था, ट्रस्ट तंत्र के हवाले करना सच कहें तो धार्मिक विधान के ही विपरीत है और उससे उसकी मूल स्वायत्तता दुष्प्रभावित हो जाती है। झूठे वही खाता बनाने पड़ते हैं। दूसरे, संपूर्ण देश के लिए कोई एक संरचना उपयुक्त नहीं हो सकती।

यह भी ध्यान रखिए कि भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। मूल बात हिंदू समाज के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की है जो आगे बढ़ रही है। अच्छा हो कि धर्म तंत्र, धार्मिक विशेषज्ञ, समाज क्षेत्र में इसके अन्य ज्ञाता, आस्थावान इतिहासकार सब मिलकर धार्मिक विघ्नों एवं परंपराओं के आरोप स्थानीय स्थान पर व्यवस्था बनाएं। मंदिरों के महत्व, उनकी व्यवस्था को न जानने वाले निहित स्वार्थी तत्वों के हल्ला बोल में पड़ने की आवश्यकता नहीं।

चैरिटेबल सोसायटी एक्ट

यह भी समझने की आवश्यकता है कि भारत में विविधताओं के बीच मूल भाव एक ही रहा है किंतु स्थानीय प्रकृति , परंपरा, रीति - रिवाज , धार्मिक आस्थाएं, ज्ञान आदि के अनुसार ही मंदिरों के प्रबंधन होते थे। हजार वर्षों के आक्रमणों, परकीय शासनों के कारण समस्याएं पैदा हुई और स्वतंत्रता के बावजूद जीवन का मूल होते हुए भी समाज की प्राथमिकता में नहीं रहा। बावजूद आज भी प्रमुख मंदिरों की व्यवस्था अपनी स्थापित परंपरा के अनुसार अभी भी काफी हद तक उपयुक्त और प्रेरणादायी हैं। दरअसल, अंग्रेजों ने भारत को हर दृष्टि से गुलाम करने के लिए 1860 में चैरिटेबल सोसायटी एक्ट बनाया तथा सभी के लिए इस कानून के तहत निबंधन अनिवार्य किया। इस एक कानून ने पूरे भारत में मंदिरों से लेकर सेवा परंपराओं सहित दान शालाओं, शिक्षा शालाओं की प्रकृति को ही विकृत कर दिया। आज भी ऐसे सरकारी विभागों की दशा कैसी है, वे कैसा व्यवहार करते हैं यह अनुभव दिल दहलाने वाला है।

व्यवस्था में भ्रष्टाचार का दलदल

कम से कम इस तरह के प्रबंधन से मंदिरों की स्वतः स्फूर्त सुधार व्यवस्था के साथ-साथ पूरा कर्मकांड तक दुष्प्रभावित होता है। राज्यों के धार्मिक न्यास बोर्डों के हस्तक्षेप के कारण धार्मिक, सत्यनिष्ठ, नैतिक लोगों के लिए भी मंदिर का संचालन कठिन हो जाता है। मंदिरों में तात्कालिक कई खर्च ऐसे होते हैं जो दे दिए पर उनका हिसाब-किताब रखना कठिन होता है। कई बार कुछ निर्माण होते हैं जिनके सम्पूर्ण व्यय को लिखना लगभग असंभव होता है।

न्यास बोर्डों को उनके फॉर्मेट के अनुरूप के साथ हिसाब - किताब चाहिए होता है। इनको पुजारी की नियुक्ति से लेकर प्रबंधन तक में हस्तक्षेप का अधिकार कई राज्यों में है। इस कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई। हिंदू समाज के पतन के कारण गांवों व शहरों के बड़ी संख्या में मंदिरों की संपत्तियों पर स्थानीय लोगों, बाहुबलियों और प्रभावी लोगों का कब्जा हो गया है और मंदिर पतन की अवस्था में हैं।

निगरानी, जवाबदेही और पूर्ण पारदर्शिता जरूरी

व्यवस्था

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

सनातन संस्कृति में कोई भी मंदिर लोगों की आस्था, विश्वास और श्रद्धा का प्रतीक होता है। मगर जब मंदिरों की कुव्यवस्था को लेकर स्वर उठने लगते हैं तो आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंचती है। अयोध्या के राम मंदिर में यही हुआ है। दान की चोरी का मामला बेहद निंदनीय है। करोड़ों लोगों की आस्था, लंबे संघर्ष और सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के बाद यह मंदिर दोबारा अस्तित्व में आया था। यह मंदिर केवल धर्म-अध्यात्म का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए दान में चोरी का मामला वित्तीय अनियमितता से ज्यादा गंभीर है। अयोध्या का राम मंदिर मामला इन दिनों सुर्खियों में है। हर कोई इस घटना की निंदा कर रहा है। अपनी चिंताएं व्यक्त कर रहा है। चढ़ावे या चंदे की लूट की चर्चा धर्मानुरागियों को आहत कर रहा है। इस मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि इसके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह एक असाधारण और अति निंदनीय घटना है, जिसमें माफी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मंदिर प्रबंधन और सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की अपील भी की। इससे राम भक्तों की भावनाएं आहत हुईं हैं। पूछताछ और जांच की कार्रवाई चल रही है। राम मंदिर में चढ़ावा की जांच कर रही एसआईटी टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले पांच सालों के खातों को फिर से आडिट करेगा, क्योंकि शुरूआती जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। देश में ऐसे कई मंदिर हैं जो कई बार चढ़ावे या चंदा गबन के कारण चर्चा में रहे हैं। ऐसे में न केवल उन मंदिरों के प्रबंधन को भी चुस्त—दुरूस्त रहना चाहिए, बल्कि स्थानीय प्रशासन और सरकार को निगरानी बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर का उद्घाटन किया था। तभी से मंदिर में बड़ी मात्रा में चढ़ावा आ रहा है। साल 2024-25 में मंदिर ट्रस्ट ने कुल 327 करोड़ रुपए की आमदनी बताई थी, जिसमें 153 करोड़ चढ़ावे के रूप में मिली थीं। सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन 7 जून 2026 को समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने आरोप लगाया कि राम मंदिर के दान पात्रों से लगभग 7 करोड़ से ज्यादा रुपए का गबन हुआ है। इन आरोपों से पूरी अयोध्या में राजनीतिक भूचाल आ गया। इसके बाद भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और कथित चंदा चोरी मामले की सीबीआई जांच की मांग की। तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस कथित चंदा चोरी जांच के लिए तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। एसआईटी ने कैश हैंडलिंग प्रक्रिया और डोनेशन बॉक्स की जांच की, सीसीटीवी फुटेज खंगाला और वहां के कर्मचारियों से बात की तो कई विरोधाभास नजर आया। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने सख्ती दिखाई। नतीजतन, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कुछ कर्मचारियों सहित आठ संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इसी कारण ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भी अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। पूरी कहानी से यह स्पष्ट होता है कि इस प्रसिद्ध मंदिर में आस्था, विश्वास और श्रद्धा का जो सैलाब उमड़ा, उसने जो चढ़ावा मिला, उसे मंदिर ट्रस्ट सही रूप से व्यवस्थित रखने में नाकाम साबित हुआ। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि मंदिर ट्रस्ट को मई अंतिम सप्ताह में ही कथित चंदा चोरी की भनक लगी थी, जब बैंकों में जमा हो रही रकम और दान पेटियों में कम चढ़ावा मिलने का शक हुआ था। उसके बाद वहां हिडन कैमरे लगा दिए थे और चौकसी बढ़ा दी गई थी। बावजूद इसके, कुछ लोभी प्रवृत्ति के लोगों ने इस घोटाले को अंजाम दिया। यह घोटाला अब सरकार और जनता की अदालत से आगे कानून की अदालत तक पहुंच चुका है। इस मामले में चाक-चौबंद व्यवस्था होती तो शायद यह दिन नहीं देखना पड़ता। राम मंदिर में अब तक जो भी दान प्राप्त हुआ, वह करोड़ों लोगों की आस्था की अमानत है।

धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। सनद रहे कि मंदिर चढ़ावा विवाद का असर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर पर भी पड़ा है।

दान राशि के प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। श्रद्धालुओं को नियमित रूप से यह जानकारी मिलनी चाहिए कि कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग किन कार्यों में किया जा रहा है। इसके लिए स्वतंत्र ऑडिट, वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट, सार्वजनिक आय-व्यय विवरण और डिजिटल दान प्रणाली को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी लोगों का विश्वास होता है और यह विश्वास पारदर्शिता एवं नियमित संवाद से ही मजबूत होता है। हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट ने दलील दी है कि तमाम आरोप निराधार हैं। मंदिर निर्माण और दान राशि का पूरा लेखा-जोखा निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर रखा जा रहा है। अब तक सभी वित्तीय लेनदेन कानूनी प्रक्रिया और दस्तावेजों के आधार पर किए गए हैं। जबकि विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दान राशि और भूमि खरीद से जुड़े कुछ मामलों पर पारदर्शिता बढ़ाने तथा स्वतंत्र जांच की लगातार मांग की जा रही है। सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। सनद रहे कि मंदिर चढ़ावा विवाद का असर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर पर भी पड़ा है।

लोकहित में व्यय की जाए दान की रकम

मंथन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर के चढ़ावे की चोरी के खुलासे के बाद दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। समाज के एक वर्ग की ओर से उत्तर भारत के मंदिरों को भी सबक लेने और उनकी ही तर्ज पर प्रबंधन चलाने की मांग उठ रही है। इसकी वजह यह है कि दक्षिण भारत के बड़े मंदिरों, तिरूपति, अयप्पा, सबरीमाला, मीनांबकम् आदि के चढ़ावे की हेराफेरी की कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। यह नहीं भूलना चाहिए कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की गिनती और उसे उचित बैंक तक पहुंचाने का भी तकरीबन वैसा ही इंतजाम किया गया है, जैसा शिरड़ी के साईं मंदिर या दक्षिण भारत के मंदिरों में किया गया है। असल समस्या मंदिर प्रबंधन में तैनात कर्मचारियों के चरित्र की है।

अगर कर्मचारी और अधिकारी ईमानदार होंगे तो फिर कड़ी व्यवस्था की जरूरत नहीं रह जाती। जहां तक दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की बात है तो वहां के मंदिरों का प्रबंधन मोटे तौर पर संबंधित राज्य के कानून के जरिए बनाए गए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती बोर्ड करते हैं। हालांकि कुछ मंदिरों का प्रबंधन और संचालन उत्तर भारत के मठों की तरह वंशानुगत महंतों और ट्रस्टियों द्वारा भी किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा गठित बोर्ड मंदिर की आय, दान, पुजारियों की नियुक्ति और प्रशासनिक व्यवस्था संभालते हैं। मोटे तौर पर यह व्यवस्था तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना के ज्यादातर बड़े मंदिरों में लागू है। इसके तहत सरकार की ओर से मंदिर के लिए एक आयुक्त और कार्यकारी अधिकारी नियुक्त होता है, जो मंदिर के रोजाना का प्रशासन, सुरक्षा और कर्मचारी आदि की व्यवस्था देखते हैं। सरकार की ओर से नियुक्त बोर्ड में स्थानीय प्रतिष्ठित लोगों, विद्वानों और सरकारी प्रतिनिधि शामिल होते हैं। बोर्ड प्रबंधन मंदिरों के चढ़ावे पर कड़ी निगरानी रखते हैं। इसके लिए विशेष तौर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहां सुरक्षा बलों की भी तैनाती है। चढ़ावे से प्राप्त रकम के आय-व्यय का लेखा-जोखा राज्य सरकार हर साल कर करती है। केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर और कर्नाटक के उडुपी के मठ का प्रबंधन वहां के पारंपरिक शाही परिवार या उत्तर भारत की तरह वंशानुगत मठ के महंत के जरिए होता है, लेकिन इन मंदिरों के चढ़ावे आदि पर राज्य सरकार की निगरानी होती है। दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है। कुछ इसी तरह का प्रबंधन उत्तर भारत के भी कुछ बड़े मंदिरों का भी होता है। उज्जैन का महाकाल मंदिर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 1982 में पारित श्रीमहाकालेश्वर मंदिर अधिनियम के तहत गठित 'महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति'करती है। उज्जैन के जिलाधिकारी इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। इस समिति में उज्जैन नगर निगम के पार्षद, राज्य सरकार द्वारा नामित संस्कृत के विद्वान और पुजारी सदस्य होते हैं। जिलाधिकारी इसकी दिन-प्रतिदिन की व्यवस्था और प्रबंधन के लिए एक प्रशासक को नियुक्त करते हैं। तिरूपति देवस्थान बोर्ड की ओर से करीब 35 स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थान संचालित किए जा रहे हैं। उत्तर भारत का प्रसिद्ध वैष्णोदेवी मंदिर का भी संचालन कुछ इसी तरह होता है। 1986 में सरकार द्वारा बनाया गया श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड मंदिर और उसके चढ़ावे आदि का प्रबंधन करता है। श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड जम्मू-कश्मीर के कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी विश्वविद्यालय संचालित करता है। बोर्ड कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी गुरुकुल का भी संचालन करता है। पटना के महावीर मंदिर का प्रबंधन भी इसी तरह से जनहित के लिए महावीर कैंसर संस्थान, महावीर नेत्रालय, महावीर आरोग्यालय आदि का संचालन करता है। दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की तरह श्रीरामलला मंदिर के प्रबंधन की मांग का एक वर्ग विरोध भी कर रहा है।

इसके लिए दक्षिण भारत के मंदिरों की व्यवस्था का उत्तर वालों को गहन अध्ययन करना चाहिए और उसी तरह की व्यवस्था को अपनाना चाहिए। चूंकि चढ़ावे की रकम आम लोगों के दान की रकम होती है, लिहाजा इस रकम को लोकहित में स्कूल और अस्पताल चलाने, गरीबों को रोजगार आदि दिलाने का इंतजाम करने के मद में खर्च किया जाना चाहिए।

दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है।

आपदा प्रबन्धन में माहिर है भाजपा

दान चोरी प्रकरण

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

देश का माहौल इन दिनों अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में हुए चढ़ावा चोरी प्रकरण से उद्वेलित है। मामले की जांच भी हो रही है। अपने देश का मिजाज ही कुछ ज्यादा धार्मिक है, इसलिए धर्म-कर्म होते रहते हैं और स्वाभाविक है कि उनमें अव्यवस्थाएं भी होती रहती हैं। अयोध्या का राम मन्दिर कांड कोई पहला नहीं है। देश के कई प्रमुख मन्दिरों में इससे पहले भी ऐसे कांड होते रहे हैं जिनमें तिरुमला वेंकटेश्वर मन्दिर, सबरीमला मन्दिर, जगन्नाथ मन्दिर तथा बीते जून महीने में ही हुए योग नरसिम्हा स्वामी मन्दिर का चढ़ावा चोरी मामले चर्चित हैं। अयोध्या मन्दिर का मामला इसलिए ज्यादा उबाल ले रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने अयोध्या आन्दोलन की नाव पर चढ़कर अपना राजनीतिक अभीष्ट प्राप्त किया।

दूसरे, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्रधानमन्त्री कार्यालय ने ही इस ट्रस्ट का गठन किया, इसके सदस्यों का चयन किया और खास बात यह कि इस ट्रस्ट की गतिविधियों को सूचना के अधिकार के बाहर कर दिया। रही बात राम मन्दिर चढ़ावा चोरी कांड से जनता पर असर पड़ने की तो अगर अतीत में हम देखें तो पता चलता है कि इस देश की जनता की राजनीतिक याददाश्त और भावनाएं दोनों बहुत टिकाऊ नहीं हैं। आखिर इसी देश में आपातकाल लगा, तमाम ज्यादतियां हुईं और मौका मिलने पर जनता ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन कुछ ही महीनों के भीतर जनता सारे दुःख भूल गई और दोबारा उसी कांग्रेस की सरकार को सत्ता में स्थापित कर दिया। असल सवाल है जनता को बहलाने-फुसलाने का और भाजपा का प्रचार तंत्र इसमें माहिर है। भाजपा को राजनीतिक और धार्मिक दोनों मोर्चों पर लड़ना आता है। सांगठनिक तौर पर भाजपा आज देश की सबसे ताकतवर पार्टी है। एक समय था कि वामदलों को कॉडर आधारित दल कहा जाता था। कांग्रेस के पास भी सेवादल हुआ करता था। बसपा संस्थापक कांशीराम ने भी पहले बामसेफ ही बनाया था लेकिन आज ये दल अपने इस मूलभूत ढांचों को खो बैठे हैं, जबकि भाजपा के साथ उसका मातृ संगठन आरएसएस अपने समस्त आनुषांगिक संगठनों के साथ आज पूरी क्षमता से कार्यरत है। ऐसे ताकतवर इन्फ्रास्ट्रक्चर से अन्य दल क्या मुकाबला कर पाएंगे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा के पास अभी आपदा प्रबन्धन का थोड़ा समय है और भाजपा इसमें पारंगत है। आखिर बीते लोकसभा चुनाव में फैजाबाद संसदीय सीट, जिसके अन्तर्गत ही अयोध्या भी आती है, सपा के हाथों हार जाने के बाद भाजपा ने इसकी एक विधानसभा सीट मिल्कीपुर को उपचुनाव में येन-केन-प्रकारेण जीत ही लिया था और प्रचारित किया था कि अयोध्या की जनता भाजपा से नाराज नहीं है। दूसरे, चुनावी प्रक्रिया इधर के वर्षों में बहुत हाईटेक और बहुत ज्यादा खर्चीली हो गई है। इस लिहाज से देखें तो भाजपा के मुकाबले कोई भी राजनीतिक दल टिकता ही नहीं है। लेकिन ये राजनीतिक और पेचीदगी की बातें अपनी जगह। हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता। जैसे भिखारी को भिक्षा देकर उस पर यह शर्त नहीं थोपी जाती कि वह इसे कैसे खर्च करेगा। यही वजह है कि देश के अन्य हिस्सों की बात छोड़ दें तो इस मुद्दे पर अयोध्या में स्थानीय स्तर पर जनता का कोई भी मुखर विरोध नहीं है। जो विरोध है वह संस्थागत स्तर पर ही है और भाजपा जनता की इस अमुखरता को भुनाएगी ही।

राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। आने वाले समय में भाजपा पर इसका क्या राजनीतिक असर दिखेगा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन यह महत्वपूर्ण होगा कि जांच का नतीजा क्या निकला। जिम्मेदार किसे ठहराया गया, सजा किसे हुई तथा व्यवस्था में परिवर्तन क्या किया गया और इन सबका जनता पर असर कैसा हुआ। भाजपा किसी लकीर को छोटा साबित करने के लिए बड़ी लकीर खींचने में माहिर है। चुनाव में अभी समय है और संभावना है कि तब तक भाजपा कोई ऐसा राजनीतिक/सामाजिक तूफान खड़ा कर सकती है, जिसमें यह मन्दिर चढ़ावा चोरी ओझल ही हो जाए।

हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। तात्पर्य यह है कि एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता।

मोहबर्रा सारसडोल के बीच 3.5 करोड़ की सड़क पानी में बही

सिवनी । जिले के केवलारी विकासखंड अंतर्गत आने वाले उगली थाना क्षेत्र के ग्राम मोहबर्रा से सारसडोल की बीच लगभग 3 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से निर्मित की गई डामरीकृत सडक़ पहली ही बारिश की बोछार में टूटकर बह गई है, जिससे मोहबर्रा और सारसडोल के बीच सडक़ संपर्क पूर्ण रूप से टूट गया है। हालांकि अभी भी मोहबर्रा और सारसडोल के मध्य पडने वाली नदी में लगभग एक करोड़ रूपये की लागत से उच्चस्तरीय पुल का निर्माणा कार्य गति पर है।

भ्रष्टाचार की पोल सड़क ने खोल कर रख दी है, शासन प्रशासन के पैसों बना मजाक

उल्लेखनीय होगा कि उगली के समीपस्थ ग्राम मोहबर्रा से ग्राम सारसडोल को जोडने वाले लगभग 2 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 3 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से स्वीकृत किया गया, जिसके निर्माण कार्य का ठेका बालाघाट जिले के लामता निवासी आशीष जायसवाल ठेकेदार को दिया गया है, जिसके द्वारा डामरीकृत सडक़ का निर्माण कार्य विगत एक माह पूर्व ही पूर्ण किया गया है। इसके अलावा इस मार्ग पर पडने वाली नदी पर लगभग 4 मीटर ऊंचाई के पुल का निर्माण कार्य लगभग 1 करोड़ रूपये की लागत से चल रहा है। निर्माणाधीन पुल के दोनों सिरों तक सडक़ का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है।

मोहबर्रा से सारसडोल की बीच बनाई गई सडक़ में निर्माणाधीन नदी के पुल से महज 200 मीटर की दूरी पर सडक़ निर्माता ठेकेदार के द्वारा खेतों के पानी निकासी को लेकर पुलिया डाली गई थी और उसके ऊपर से डामरीकृत सडक़ बनायी गई थी ताकि खेत का पानी आसानी से निकल सके, लेकिन ताकनीकी विहीन सडक़ निर्माण कार्य की पोल उस समय खुल गई जब विगत दो दिनों से क्षेत्र में अनवरत बारिश का दौर प्रारंभ हुआ और खेत पानी से लबालब हो गये, पानी निकासी के लिए बनायी गई पुलिया से पानी निकासी पर्याप्त मात्रा में नहीं हो सकी और उक्त मोघी पानी में डूब गई और जब पानी नीचे उतरा तो मोघी सहित सडक़ के हिस्से को बहा ले गया। जिस स्थान पर मोघी डाली गई थी वहां पर सडक़ दो भागों में विभाजित होने से मार्ग में आवागमन अवरूद्ध हो गया है।

मौके पर देखने पर इस बात की जानकारी लगी कि सडक़ निर्माता ठेकेदार के द्वारा पानी निकासी हेतु पर्याप्त व्यवस्था और कटिंग नहीं देने व नाली निर्माण नहीं करने के कारण ग्राम मोहबर्रा में लोगों के घरों में पानी भर जाने से भारी नुकसानी का सामना करना पड़ है और लोगों को पलायन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। एक किसान के द्वारा दूरभाष में बताया गया कि पानी के तेज बहाव में सड़ पर लगाई गई मोघा भी बह गये है जिससे तेज बहाव का पानी उसके खेत में तालाब को फोड़ते हुए बहकर खेत में भर जाने से उसकी खरीफ फसल क्षतिग्रस्त हो गई है।

इस संदर्भ में ठेकेदार आशीष जायसवाल से सुबह जब संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि हमारे निर्माण कार्य में नाली स्वीकृत नहीं थी,जितना एस्टीमेट हमें दिया गया है,उसके अनुरूप कार्य हुआ है सडक़ के किनारे किसानों के द्वारा ही मोघे लगाने की अनुमति दी गई थी, जहां तक पुलिया की बात करें तो अभी निर्माण कार्य जारी है। मानसून सत्र की शुरुआत में पहले ही बरसात ने घटिया सडक़ निर्माण और उसके निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी है। शासन प्रशासन के पैसों का क्या मजाक बनाया जा रहा है,वर्षों से लंबित मांग मोहबर्राऔर सारसडोल के मध्य तत्कालीन विधायक की स्वीकृति से लगभग करोड़ों रुपए के विकास कार्यों हो रहे थे, जिसकी पोल पहली बरसात में खुलती नजर आ रहे हैं।

खेत में काम कर रहे किसान पर जंगली सूअर ने किया हमला

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। खेत में काम कर रहे किसान पर जंगली सुअर ने हमला कर दिया। इससे किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण पहुंचे। घायल हालात में जिला हॉस्पिटल लेकर आए। वहां पर इलाज चल रहा है। घटना किरनापुर रेंज के ग्राम रट्टापायली गांव की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में सुअरों के आतंक से किसान परेशान है। आए दिन जंगली सुअर खेत में काम कर रहे किसानों पर हमला कर रहे है। सहसराम लिल्हारे स्थानीय सचिव व सरपंच प्रतिनिधि ने बताया-4 जुलाई को दोपहर करीब 1 बजे अपने खेत में कृषि कार्य कर रहा था। बाजरे की फसलों में से अचानक जंगली सुअर निकला।

दूसरी शादी के बाद बच्चों को लेकर विवाद एसपी ऑफिस में हाई वोल्टेज ड्रामा

छतरपुर। शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक पारिवारिक विवाद उस समय हाईवोल्टेज ड्रामे में बदल गया, जब दूसरी शादी करने का दावा करने वाली एक महिला अपने पति के साथ सुरक्षा की मांग लेकर एसपी कार्यालय पहुंची। महिला ने आरोप लगाया कि उसने 28 जून 2026 को कदारी निवासी करन अहिरवार से कोर्ट मैरिज के बाद रीति-रिवाज से विवाह किया है। इसके बाद से मायके पक्ष के लोग लगातार जान से मारने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। महिला ने एसपी को आवेदन देकर सुरक्षा उपलब्ध कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

महिला ने अपने आवेदन में बताया कि उसकी बड़ी बहन अपने दो बच्चों को छोड़कर चली गई थी, जिनकी देखभाल परिवार के साथ उसने भी की। अब उसकी बहन, मां और अन्य परिजन उन बच्चों को उसका बताकर जबरन जिम्मेदारी सौंपने का दबाव बना रहे हैं। महिला का आरोप है कि 2 जुलाई को परिजन एक बच्ची को उसके घर छोड़ गए और उसे उसकी बेटी बताते हुए चले गए।वहीं, महिला के मायके पक्ष ने एसपी कार्यालय पहुंचकर महिला के आरोपों को निराधार बताया। महिला की बहन गीता अहिरवार ने दावा किया कि सोनिया पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। उनका कहना है कि सोनिया अप्रैल माह में घर छोड़कर चली गई थी और बाद में इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी दूसरी शादी की जानकारी मिली। परिजनों ने आरोप लगाया कि महिला अब अपने बच्चों को अपनाने से इनकार कर रही है।दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से एसपी कार्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। इसी दौरान मायके पक्ष के साथ मौजूद महिला की नानी ने कथित रूप से बच्चों की ओर पत्थर फेंकने का प्रयास किया, जिसे मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल रोक दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश देकर सिविल लाइन थाना भेज दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के आवेदन प्राप्त हो गए हैं और मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वन परिक्षेत्र खैरलांजी के ग्राम भंडारबोड़ी के पीपरटोला की घटना

खेत के कुएं में मिला भालू का टुकड़ों में कटा शव, शिकार की आशंका

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

दक्षिण वन मंडल बालाघाट सामान्य के वन परिक्षेत्र खैरलांजी के ग्राम भंडारबोड़ी अंतर्गत पीपरटोला में किसान जियालाल धुर्वे के खेत में स्थित कुएं में भालू(नर उम्र 11 वर्ष) का टुकड़ों में कटा हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया। खैरलांजी और वारासिवनी का वन अमला मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद कुएं से भालू के शव को बाहर निकाला।

शनिवार को दोपहर दो से तीन बजे के बीच ग्रामीणों ने खेत के कुएं से दुर्गंध आने पर अंदर झांककर देखा, तो भालू का शव टुकड़ों में पड़ा देखा। इसके बाद तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंचे वन अमले ने स्थिति का जायजा लिया और शव को कुएं से बाहर निकाला। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर डाग स्क्वाड भी पहुंचा, जिसने आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू की।

चारों पैर मिले कटे

भालू की हालत बेहद गंभीर और संदिग्ध पाई गई, उसके चारों पैर काट दिए गए थे और सिर को भी धड़ से अलग कर दिया गया था। आगे के पैरों के नाखून भी गायब पाए गए, जिससे अवैध शिकार की आशंका और गहरा गई है। प्रथम दृष्टया यह मामला वन्यजीव शिकार या हत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से शिकार कर शव के हिस्सों को निकालने के बाद उसे छिपाने के उद्देश्य से कुएं में फेंका गया होगा। वन विभाग ने मौके पर पंचनामा तैयार किया गया। भालू का शव तीन से चार पुराना होने उसमें कीड़े लग गए थे। जिससे उसका लीवर, लंग्स सहित अन्य अवशेष गले होने के कारण शार्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत का कारण स्पष्ट सामने नहीं आया है। वन विभाग ने भालू के शव का विधिवत अंतिम अंतिम किया गया। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। सैंपल ले लिए गए है जिसे जबलपुर भेजा जाएगा। वन विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की बात कही है। घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीव सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने भी आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इनका कहना हैं

पीपरटोला में जंगल से लगे एक किसान के खेत में भालू का क्षत विछत हालत में शव मिला। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में शव बरामद कर पंचनामा बनाकर अंतिम संस्कार किया गया। तीन से चार दिन पुराना शव होने से अंग गल चुके थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण फिलहाल स्पष्ट होगा। सैंपल ले लिए गए है। जिन्हें जबलपुर भेजा जाएगा।

डीसी वासनिक,
वन परिक्षेत्र अधिकारी,
खैरलांजी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाने वाला ब्लैकमेलर गिरफ्तार

शहडोल। जिले की जयसिंहनगर पुलिस ने एक ऐसे घिनौने और शातिर चेहरे को बेनकाब किया है, जिसने न सिर्फ प्यार और शादी के पवित्र रिश्ते को कलंकित किया, बल्कि एक युवती की जिंदगी बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले रसूखदार आरोपी प्रवीण कुमार गहरवार उर्फ मनीष सिंह 25 वर्ष, निवासी बिनैका को पुलिस ने कड़े तेवर दिखाते हुए सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

किराए के मकान में आबरू से खिलवाड़- सच्चाई सामने आते ही अंचल के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हडक़ंप मच गया है। आरोपी मनीष ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया और किराए के मकान में रखकर उसकी मर्जी के खिलाफ कई बार शारीरिक शोषण किया। दरिंदगी की हद तो तब हो गई जब उसने मोबाइल में पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बना लिया। जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी साफ मुकर गया। इसके बाद पीड़िता की शादी कहीं और हो गई, लेकिन इस सनकी ब्लैकमेलर का कलेजा नहीं भरा। वह पीड़िता के ससुराल तक पहुंच गया और परिजनों को अश्लील वीडियो दिखाकर उसे बदनाम किया। साथ ही सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसकी गृहस्थी उजाडने की साजिश रची।

कोर्ट में पेश, विलेन का घमंड चूर- पीड़िता की चीख जब थाने पहुंची, तो जयसिंहनगर पुलिस तत्काल एक्शन मोड में आ गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार बैगा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जीवन सिंह तेकाम की टीम ने घेराबंदी कर इस शातिर अपराधी को दबोच लिया। पर्याप्त सबूतों के आधार पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। क्षेत्र की जनता पुलिसिया कार्रवाई की जमकर तारीफ कर रही है।

रास्ते में बढ़ी प्रसव पीड़ा, 108 स्टाफ ने एम्बुलेंस में कराया सुरक्षित प्रसव

डिंडोरी। जिले के शाहपुर विकासखंड के बरगई गांव से प्रसव पीड़ा से पीड़ित महिला को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल डिंडोरी लाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में महिला का प्रसव पीड़ा तेज हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 108 एम्बुलेंस के चालक ओमप्रकाश कश्यपए ईएमटी संजय कश्यप एवं साथ मौजूद आशा कार्यकर्ता ने सूझबूझ और तत्परता का परिचय देते हुए एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया।जानकारी के अनुसारए लेबर पेन की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस को तत्काल डिंडोरी से बरगई गांव के लिए रवाना किया गया। टीम ने समय पर गांव पहुंचकर गर्भवती महिला को प्राथमिक देखभाल के साथ अस्पताल के लिए रवाना कियाए लेकिन रास्ते में ही प्रसव पीड़ा अत्यधिक बढ़ गई। ऐसे में एम्बुलेंस स्टाफ और आशा कार्यकर्ता ने आवश्यक सावधानियां बरतते हुए सफलतापूर्वक प्रसव कराया।प्रसव के बाद जच्चा और नवजात दोनों को तत्काल 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर पहुंचाया गयाए जहां चिकित्सकों की निगरानी में दोनों का उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार जच्चा और नवजात दोनों पूरी तरह सुरक्षित एवं स्वस्थ हैं।

अनूपपुर में हाथियों का आतंक जारी, एक हाथी पहुंचा छत्तीसगढ़, तीन भोलगढ़ के जंगल में डटे

घरों पर धावा, फसलों की तबाही...

अनूपपुर। जिले के अनूपपुर और जैतहरी वन क्षेत्र में चार जंगली हाथियों का दल पिछले एक सप्ताह से ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। हाथियों का समूह तीन और एक की संख्या में बंट गया है। दिनभर जंगलों में विश्राम करने के बाद शाम ढलते ही ये हाथी जंगल से सटे गांवों में पहुंचकर मकानों में तोड़फोड़ कर रहे हैं और खेतों-बाड़ियों में लगी फसलों तथा सब्जियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वन विभाग के अनुसार एक बड़ा नर हाथी अपने तीन साथियों से अलग होकर धनगवां बीट के आमापानी जंगल में दिनभर ठहर रहा है। रात होते ही वह ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के भलुवान टोला और पडमनिया टोला में पहुंचकर कई घरों में नुकसान पहुंचा चुका है। हाथी ने घरों में रखे अनाज को भी बर्बाद किया और खेतों व बाड़ियों में लगी फसलों को रौंद दिया। इसके बाद वह गुजरनाला पार कर छत्तीसगढ़ के सिवनी वन बीट के मालाडांड, पथर्री, पडरी और चरचेडी होते हुए घुसरिया बीट के जंगल में पहुंच गया, जहां शनिवार को दिनभर विश्राम करता रहा। उधर तीन हाथियों का दूसरा दल शुक्रवार रात भगतबांध गांव के आसपास विचरण करता रहा। शनिवार को यह दल अनूपपुर के भोलगढ़ और खांड़ा के बीच स्थित जंगल में डेरा जमाए हुए है। लगातार हो रही हाथियों की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रातभर लोग जागकर अपने घरों और खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। वहीं वन विभाग की टीमें हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और ग्रामीणों से सतर्क रहने तथा हाथियों के नजदीक नहीं जाने की अपील कर रही हैं।

नाबालिग गर्भपात मामले में कई सवाल: कथित महिला डॉक्टर तक पुलिस की जांच कब पहुंचेगी?

सिवनी। नाबालिग से जुड़े गंभीर मामले में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब पूरे क्षेत्र में पुलिस की आगे की कार्रवाई को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि जिस व्यक्ति पर नाबालिग को गर्भवती करने का आरोप है, उसकी गिरफ्तारी तो हो गई, लेकिन मामले के अन्य पहलुओं पर अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। क्षेत्र में चर्चा है कि नाबालिग को कथित रूप से गर्भपात की दवा उपलब्ध कराने वाली महिला डॉक्टर की भूमिका की भी निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए। यदि जांच में यह सामने आता है कि बिना वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए किसी नाबालिग को गर्भपात संबंधी दवा दी गई या किसी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता प्रदान की गई, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है और संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होना आवश्यक है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि यदि पुलिस नाबालिग के माता-पिता एवं मामले से जुड़े अन्य लोगों से गहन और निष्पक्ष पूछताछ करे, तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। लोगों के बीच यह धारणा बन रही है कि पूरे मामले में केवल एक आरोपी की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। यदि किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका भी जांच में सामने आती है, तो उसके विरुद्ध भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। कुछ लोगों का आरोप है कि जांच की गति अपेक्षा से धीमी है, जिसके कारण तरह-तरह की चर्चाएं और सवाल उठ रहे हैं। वहीं, पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भी लोगों के बीच विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और जांच एजेंसियों की ओर से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि नाबालिग की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कानून के पालन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। ऐसे मामलों में यदि किसी भी व्यक्ति—चाहे वह कोई चिकित्सक हो, मध्यस्थ हो या अन्य कोई—की भूमिका सामने आती है, तो उसके विरुद्ध निष्पक्ष एवं कानूनी कार्रवाई होना न्याय की दृष्टि से आवश्यक माना जाता है।

सीमेंट प्लांट में 25 फीट की ऊंचाई से गिरा श्रमिक हालत गंभीर

रीवा। जिले के नौबस्ता स्थित डालमिया सीमेंट प्लांट में शनिवार सुबह काम के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। करीब 25 वर्षों से प्लांट में कार्यरत श्रमिक 25 फीट ऊंचाई से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय से जबलपुर रेफर कर दिया। घायल श्रमिक अनिल सोनी, निवासी ग्राम नादन, जिला मैहर, शनिवार सुबह करीब 9 बजे प्लांट के भीतर ऊंचाई पर लगी लोहे की प्लेट पर चढ़कर काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक प्लेट टूट गई और वह करीब 25 फीट नीचे गिर गया। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं। साथ में काम कर रहे श्रमिकों ने तत्काल उसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया। घायल के परिजन राजेश सिंह का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन श्रमिकों से लगातार दबाव में काम कराता है। उन्होंने कहा कि जिस लोहे की प्लेट पर अनिल सोनी कार्य कर रहा था, वह पहले से जर्जर थी। इसकी जानकारी होने के बावजूद उसे बदला नहीं गया और उसी पर काम कराया जाता रहा, । परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वही पूरे मामले में डालमिया सीमेंट रीवा प्रबंधक का कहना है कि सुबह कंपनी में संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर कार्यरत कर्मचारी अनिल सोनी संयंत्र के रॉ मिल यूनिट-1 में हुई एक घटना में घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए एम्बुलेंस से कंपनी के अस्पताल ले जाया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से बैल की मौत

शहपुरा।

शहपुरा विकासखंड के ग्राम भिलाई माल में रविवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक बैल की मौत हो गई। घटना से किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।जानकारी के अनुसारए रविवार शाम करीब 5 बजे क्षेत्र में हल्की बारिश के दौरान तेज गर्जना और चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरी। किसान जुताई का कार्य पूरा करने के बाद अपने बैलों को चरने के लिए खेत में छोड़कर घर लौट गया था। इसी दौरान एक बैल आकाशीय बिजली की चपेट में आ गयाए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पशु चिकित्सा विभाग को जानकारी दी। सूचना पर विभागीय अमला घटनास्थल पहुंचा तथा पंचनामा सहित आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित किसान को शासन के नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।बरसात के मौसम में आकाशीय बिजली गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर प्रशासन ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानोंए खेतों तथा पेड़ों के नीचे जाने से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। साथ ही मौसम खराब होने पर आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह भी दी गई है।

जिला अस्पताल में हाई रिस्क गर्भवती का किया सुरक्षित प्रसव, जुड़वा बच्चों ने लिया जन्म

छह वर्ष बाद आई खुशियां, सिजेरियन ऑपरेशन से जच्चा व दोनों नवजात स्वस्थ

अनूपपुर। अनूपपुर जिला चिकित्सालय की मेटरनिटी विंग ने एक जटिल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था का सफल प्रबंधन कर सुरक्षित प्रसव कराते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। छह वर्ष बाद मां बनने जा रही महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। समय पर चिकित्सकीय निर्णय और विशेषज्ञों की टीम के समन्वित प्रयास से जच्चा और दोनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला चिकित्सालय अनूपपुर लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में चिकित्सालय की मेटरनिटी विंग ने एक उच्च जोखिम (हाई रिस्क) गर्भवती महिला का सफल सिजेरियन ऑपरेशन कर सुरक्षित प्रसव कराया है। जानकारी के अनुसार विकासखंड जैतहरी के ग्राम चोरभटी निवासी गर्भवती महिला को 3 जुलाई की सुबह प्रसव पीड़ा होने पर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। आवश्यक चिकित्सकीय जांच में पता चला कि महिला के गर्भ में जुड़वा शिशु हैं। साथ ही यह गर्भावस्था छह वर्ष के लंबे अंतराल के बाद होने के कारण चिकित्सकीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील और उच्च जोखिम वाली थी। महिला की स्थिति को देखते हुए मेटरनिटी विंग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बिना विलंब सिजेरियन सेक्शन का निर्णय लिया। विशेषज्ञों की निगरानी में सफल ऑपरेशन के बाद महिला ने एक पुत्र और एक पुत्री को जन्म दिया। दोनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। नवजात

पुत्र का वजन 2.335 किलोग्राम तथा पुत्री का वजन 2.310 किलोग्राम दर्ज किया गया। प्रसव के बाद मां और दोनों बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य एवं संतोषजनक बताई गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार समय पर जांच, सही चिकित्सकीय निर्णय और अनुभवी विशेषज्ञों के समन्वित प्रयास के कारण इस जटिल गर्भावस्था का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया जा सका। यह उपलब्धि जिला चिकित्सालय की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी दर्शाती है। सुरक्षित प्रसव में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सोशन खेश, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. उषा किरण समेले, डॉ. गायत्री तथा ऑपरेशन थिएटर की पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी के संयुक्त प्रयास से मां और दोनों नवजातों को सुरक्षित रखा जा सका। इस उल्लेखनीय सफलता पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रभारी कलेक्टर श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला चिकित्सालय की मेटरनिटी टीम को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की अपेक्षा व्यक्त की।

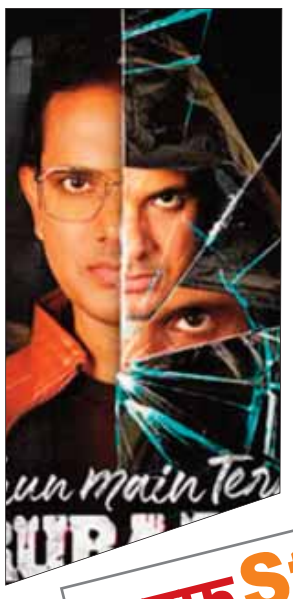

फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' 17 को होगी रिलीज...

मुंबई। प्यार, धोखा और खौफनाक रहस्यों से भरपूर बॉलीवुड फिल्में दर्शकों की हमेशा से पसंदीदा रही हैं। आगामी फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' भी कुछ ऐसा ही वादा करती है, जिसका टीजर यूट्यूब पर जारी हो गया है। इंद्र दास द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आर्य कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास जैसे नए कलाकार शामिल हैं। एसएस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले सुमन सौरभ द्वारा निर्मित 'रहूं मैं तेरे रूबरू' प्यार, धोखे, रहस्य और अप्रत्याशित मोड़ का मिश्रण है। फिल्म का टीजर एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां रोमांस और रहस्य की एक झलक मिलती है। इसकी कहानी एक व्लॉगर के इर्द-गिर्द घूमती है।

लाइफ Style

तृषा

कपड़ों से बदबू आने पर ब्रांड को लगाई फटकार

एजेंसी ⏭ मुंबई

मशहूर अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने कपड़ों के बड़े ब्रांड 'जारा' की सोशल मीडिया पर जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने शिकायत की है कि इस ब्रांड से जो कपड़े उन्हें मिले, उनसे पसीने की बहुत ही गंदी बदबू आ रही थी। इंस्टाग्राम पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने इसे 'बेहद घिनौना' बताया है। तृषा ने ये भी साफ किया कि उनके साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि पहले भी ऐसा हो चुका है। उन्होंने जारा ब्रांड से अपने कपड़ों की जांच-परख और उनके स्तर को सुधारने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी भी ग्राहक को ऐसी गंदी हरकत का सामना न करना पड़े। तृषा ने अपने इस पोस्ट में जारा ब्रांड के आधिकारिक खातों को भी टैग किया। उन्होंने सीधे शब्दों में लिखा, 'कम से कम कपड़े पैक करने से पहले उन्हें सूंघ तो लिया करो। उनके इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर भारी हलचल मचा दी है और उनके प्रशंसकों ने भी इस पर जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। हालांकि, अभी तक जारा कंपनी की तरफ से इस शिकायत पर कोई जवाब नहीं आया है। काम के मोर्चे पर बात करें तो तृषा को आखिरी बार फिल्म 'करुप्पु' में देखा गया था।

तृषा ने ये भी साफ किया कि उनके साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि पहले भी ऐसा हो चुका है। उन्होंने जारा ब्रांड से अपने कपड़ों की जांच-परख और उनके स्तर को सुधारने की मांग की है।

हॉलीवुड मसाला

टेलर ने मंगेतर ट्रैविस से की शादी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकन सिंगर, सॉन्ग राइटर टेलर स्विफ्ट ने हाल ही में अपने मंगेतर ट्रैविस केल्सी से शादी कर ली है। कहा जा रहा है कि टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स ने न्यूयॉर्क सिटी के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शादी की। हालांकि अभी तक कपल ने अपनी शादी की कोई भी फोटो या वीडियो शेयर नहीं की है। भारतीय रुपये के हिसाब से पॉप सिंगर की शादी में करीब 94.72 करोड़ से 189.52 करोड़ का भारी-भरकम खर्चा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स की वेडिंग सेरिमनी 3 जुलाई 2026 को मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुई।

7 करोड़ में बनी हॉरर फिल्म ने 10 दिनों में कमा डाले 750 करोड़

लॉस एंजिल्स। हाल ही में रिलीज हुई हॉलीवुड हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' ने तो कमाई के मामले में इतिहास रच दिया है। 7 करोड़ के बजट में बनी की फिल्म ने सिर्फ 10 दिनों में 750 करोड़ रुपये का कलेक्शन पार कर लिया है। हॉलीवुड फल्मि 'ऑब्सेशन' का प्रीमियर पिछले साल 05 सितंबर 2025 को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टविल में हुआ था। वहीं, अब 15 मई 2026 को ये फिल्म थएिटर्स में रिलीज हुई है। दिलचस्प बात है कि इस फिल्म का बजट सिर्फ 7 करोड़ रुपये है और 10 दिनों में इस फिल्म ने 750 करोड़ रुपए कमा डाले। इस फिल्म ने कमाई के मामले में 'माइकल', 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' जैसी फिल्मों को पछाड़ दिया है। 'ऑब्सेशन' की कहानी की बात करे तो ये एक हॉरर फिल्म है, जिसमें माइकल जॉनस्टन लीड रोल प्ले करते नजर आए हैं।

दक्षिण सिनेमा में जमाएंगी पैर...

मुंबई। शनाया कपूर के लिए बॉलीवुड का सफर कुछ खास साबित नहीं हुआ। उनकी डेब्यू फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' (2025) फ्लॉप निकल गई। आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल फिल्म 'तू या मैं' भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। ताजा अपडेट है कि अभिनेत्री तीसरी फिल्म के लिए दक्षिण सिनेमा का रुख करने की तैयारी कर रही हैं। साल 2021 की जॉम्बी कॉमेडी फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के सीक्वल से अभिनेत्री तेलुगु फिल्म जगत में डेब्यू कर सकती हैं। शनाया के साथ इस अभिनेता की बनेगी जोड़ी रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉम्बी रेड्डी' के सीक्वल में शनाया के साथ तेजा सज्जा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। तेजा को 'हनु-मान' (2024) और 'मिराई' (2025) जैसी फिल्मों ने जबरदस्त सफलता दिलाई है।

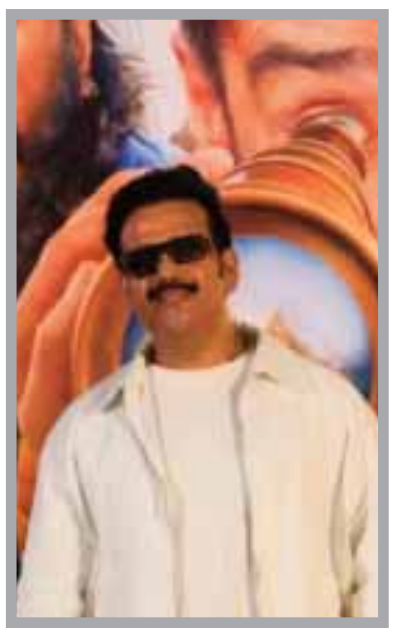

'धुरंधर' को टक्कर देगी धमाल-4

मुंबई। मशहूर अभिनेता रवि किशन अपनी आने वाली फिल्म 'धमाल 4' को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने इस फिल्म को 'मजेदार पागलपन' बताया है। उनका मानना है कि आज के समय में दर्शक बड़े पर्दे पर इसी तरह की फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं। रवि किशन ने आगे कहा कि भले ही बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह की 'धुरंधर' जैसी मारधाड़ वाली फिल्में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन अब लोगों का झुकाव कॉमेडी फिल्मों की तरफ ज्यादा बढ़ रहा है। यही वजह है कि उन्हें लगता है कि 'धमाल 4' सिनेमाघरों में एकदम सही समय पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, संजय मिश्रा, जावेद जाफरी और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखेंगे।

टीवी मसाला

कभी ट्रैफिक सिग्नल पर नाचीं तो कभी दूसरे के कंधे पर झूमीं

मुंबई। एकता कपूर की रियलिटी शो लॉकअप सीजन 2 को नेटफ्लिक्स पर काफी ज्यादा चर्चा में देखा जा रहा है। शो को शुरू हुई अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ है और इतने में ही यह शो काफी सुर्खियों में आ चुका है। इस सीजन में काफी सारे ऐसे सेलिब्रिटीज की भी एंट्री हुई जिनकी जिंदगी काफी विवादित है। कुछ कंटेस्टेंट्स के बीच खूब लड़ाई भी हुई है। लेकिन इसी बीच श्रेया कालरा काफी चर्चा में आ गई है। लॉकअप के सीजन 2 की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा पहले ही दिन से काफी ज्यादा सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें फर्स्ट एपिसोड में राम कपूर के साथ में बहस करते हुए भी देखा जा चुका है।

डांस रील पर हो चुका है हंगामा : वैसे तो लॉकअप के शो में और श्रेया जितनी ज्यादा विवादित नजर आ रही है उतनी ही वह रियल लाइफ में भी कंट्रोवर्सी रह चुकी है। साल 2021 में वह अपनी एक डांस रील वीडियो को लेकर पहली बार चर्चा में आई थी। मध्य प्रदेश के इंदौर की श्रेया एक ट्रैफिक सिग्नल पर नाच रही थी और बीजी रोड पर उनका यह स्टंट उन्ही पर भारी पड़ गया। इनफ्लुएंसर के खिलाफ ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने और पब्लिक में हंगामा करने पर एफआईआर दर्ज करवा दी थी।

बॉयफ्रेंड पर चीट करने के लगाए गए आरोप: श्रेया कालरा एमटीवी के मशहूर शो रोडीज का भी हिस्सा रह चुकी है। उन्हें कई बार पॉडकास्ट पर अपने बॉयफ्रेंड ऋषभ जायसवाल के साथ तीखी बयान बाजी करते हुए भी देखा जा चुका है। हालांकि अफसर ऋषभ और श्रेया को एक दूसरे पर पब्लिक में भी प्यार लुटाते हुए देखा जाता है। लेकिन एक बार श्रेया पर अपने बॉयफ्रेंड को धोखा देने के आरोप लगा दिए गए थे। साल 2025 के दौरान एक कंसर्ट का यह मामला है और यहां पर इनफ्लुएंसर को एक शख्स के कंधों पर बैठकर और नाचते हुए देखा गया था।

शिवांगी जोशी ने गुपचुप रचा ली सगाई

मुंबई। शिवांगी जोशी टीवी इंडस्ट्री की एक मशहूर अभिनेत्री है और आपको बता दें कि उन्होंने यह रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल में नायरा का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी एक खास पहचान बना ली थी। लेकिन इस समय वह रियलिटी शो लॉकअप सीजन 2 में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुई है। अब हाल ही में उन्होंने शो में इस बात का खुलासा किया है कि उनकी सगाई हो चुकी है। जिसका वीडियो भी सामने आया है। शिवांगी जोशी का इस समय लॉकअप सीजन 2 का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होता हुआ नजर आ रहा है।

इस दौरान वह श्रेया कलर से बात करती हुई नजर आती है और बताती है कि उनकी सगाई हो चुकी है। शिवांगी जोशी ने इस पर बात करते हुए कहा कि मैं सीधा शादी करना चाहती हूं। जब श्रेया ने शिवांगी से सवाल किया कि उन्हें कैसा लड़का पसंद है तो इस पर वह मुस्कुराती है और कहती हैं कि मैं इंगेज्ड हूं। इसका सीधा मतलब है कि शिवांगी की सगाई हो चुकी है। लेकिन आखिरकार वह शख्स कौन है और क्या करता है?

'गट्टा कुश्ती 2' के मजेदार पागलपन को देखने उमड़ी दर्शकों की भीड़...

मुंबई। विष्णु विशाल और ऐश्वर्या लक्ष्मी के शानदार अभिनय से सजी फिल्म 'गट्टा कुश्ती 2' ने सिनेमाघरों में आते ही तहलका मचा दिया है। ये फिल्म 3 जुलाई, 2026 को रिलीज हुई है और इसे समीक्षकों से भी शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने धमाकेदार शुरुआत की है। इस नए भाग में 'वीर' और 'कीर्ति' की कहानी को और आगे बढ़ाया गया है। फिल्म में भरपूर कॉमेडी और पारिवारिक भावनाओं का ऐसा बेहतरीन तालमेल है, जिसे दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं और सिनेमाघरों में दर्शक इसका पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।

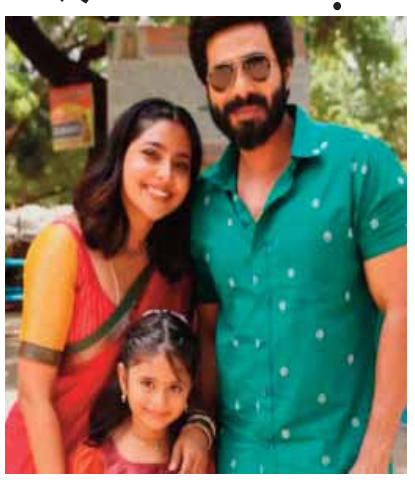

बॉक्स ऑफिस पर 'गट्टा कुश्ती 2' ने कमाए इतने करोड़

'गट्टा कुश्ती 2' ने अपने पहले ही दिन पूरे देश में 2.93 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा तमिलनाडु से आया, जहां फिल्म ने अकेले 2.60 करोड़ रुपये बटोरे। सिनेमाघरों में फिल्म के शोज को लेकर दर्शकों में अच्छा-खासा उत्साह देखने को मिला। दिनभर सिनेमाघरों में सीटों की बुकिंग 22 प्रतिशत से ज्यादा रही, जो रात के शोज में बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच गई।

बॉलीवुड के कुछ ऐसे कलाकार, जिनकी सादगी के होते हैं चर्चे, स्टार बनने के बाद भी नहीं बदला अंदाज

मुंबई। रणबीर कपूर से लेकर पंकज त्रिपाठी और मनोज बाजपेयी तक, जानिए बॉलीवुड के उन सितारों के बारे में जिनकी सादगी और प्रोफेशनल रवैये की चर्चा इंडस्ट्री में भी होती है। बॉलीवुड में स्टारडम के साथ अक्सर बड़े एंटरेज, लग्जरी लाइफस्टाइल और अलग अंदाज की चर्चा होती है. लेकिन इंडस्ट्री में कुछ ऐसे सितारे भी हैं, जिन्होंने सफलता मिलने के बाद भी अपनी सादगी नहीं छोड़ी. उनके व्यवहार और प्रोफेशनल रवैये की तारीफ डायरेक्टर्स, को-स्टार्स और फैंस तक करते हैं।

रणबीर कपूर : रणबीर कपूर की सादगी का जिक्र हाल ही में निर्देशक राजकुमार हिरानी ने **Zoom** को दिए एक इंटरव्यू में किया। उन्होंने बताया कि संजू की शूटिंग के दौरान रणबीर सीधे टीम और असिस्टेंट डायरेक्टर्स से बात करते थे। हिरानी ने कहा कि पूरी फिल्म बन गई और उन्हें यह तक पता नहीं चला कि रणबीर का मैनेजर कौन है। इससे पहले करण जौहर भी रणबीर के सहज और प्रोफेशनल रवैये की तारीफ कर चुके हैं।

पंकज त्रिपाठी : पंकज त्रिपाठी की पहचान सिर्फ शानदार अभिनय ही नहीं, बल्कि उनकी सादगी भी है। कई इंटरव्यू में वे अपने गांव, परिवार और संघर्ष के दिनों को याद करते नजर आए हैं। सफलता मिलने के बाद भी उनके रहन-सहन और व्यवहार में ज्यादा बदलाव नहीं आया। सेट पर उनका शांत स्वभाव और सभी के प्रति सम्मान उन्हें इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कलाकारों में शामिल करता है।

मनोज बाजपेयी : मनोज बाजपेयी ने अपने दमदार अभिनय से अलग पहचान बनाई है। कई फिल्ममेकर्स और सह-कलाकार उनके अनुशासन, समय की पाबंदी और जमीन से जुड़े व्यवहार की तारीफ कर चुके हैं। वे हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि कलाकार की पहचान उसके काम से बनती है, न कि दिखावे से। यही सोच उन्हें बाकी सितारों से अलग बनाती है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी : संघर्ष से सफलता तक का सफर तय करने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी आज भी अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं। कई मौकों पर उन्होंने कहा है कि वे लाइमलाइट से ज्यादा अपने काम पर ध्यान देना पसंद करते हैं। उनके करीबी और इंडस्ट्री से जुड़े लोग भी अक्सर उनके सहज स्वभाव और विनम्र व्यवहार की चर्चा करते हैं।

विक्की कौशल : विक्की कौशल ने कम समय में बॉलीवुड में अपनी अलग जगह बनाई है। सफलता मिलने के बाद भी उनका सहज व्यवहार अक्सर सुर्खियों में रहता है। फैंस के साथ उनका अपनापन, मीडिया से विनम्रता और सेट पर टीम के साथ सामान्य तरीके से पेश आना उनकी खास पहचान बन चुका है। यही वजह है कि वे इंडस्ट्री के सबसे डाउन टू अर्थ सितारों में गिने जाते हैं।

एक बात सबसे अलग : इन पांचों कलाकारों की एक बात सबसे अलग है। इन्होंने कभी स्टार बनने के बाद अपने व्यवहार को नहीं बदला। चाहे शूटिंग का माहौल हो या किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में मौजूदगी, ये सितारे अपने शांत और सम्मानजनक रवैये के लिए पहचाने जाते हैं। शायद यही वजह है कि इंडस्ट्री में भी इनकी सादगी की मिसाल दी जाती है।

इन सितारों की बचाई जिंदगी

जब डॉक्टर बने भगवान! अमिताभ से लेकर सैफ अली खान तक

मुंबई। हिंदी सिनेमा में आपने अक्सर देखा होगा कि हीरो आखिरी वक्त पर आकर किसी की जान बचा लेता है लेकिन असल जिंदगी की कहानियां बिल्कुल अलग होती हैं क्योंकि यहां न बैकग्राउंड म्यूजिक होता है, न दूसरा टेक। होता है तो सिर्फ जिंदगी और मौत के बीच झूलता इंसान। उस वक्त सबसे बड़ा हीरो कोई सुपरस्टार नहीं, बल्कि ऑपरेशन थियेटर में खड़ा डॉक्टर होता है। आइए, जानते हैं ऐसी ही फिल्मी हीरो की कहानियां जिनके लिए डॉक्टर किसी फरिश्ते से कम नहीं साबित हुए।

अमिताभ बच्चन के लिए पूरा देश कर रहा था दुआ

सबसे पहले बात करते हैं अमिताभ बच्चन की जिन्हें फिल्म कुली के फाइटिंग के दौरान पुनित इस्सर ने इतनी जोर से मुक्का मारा कि उनके पेट में गंभीर अंदरूनी चोट आईं। बेहद नाजुक हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई घंटे तक ऑपरेशन चला। उनके शरीर से काफी खून बह चुका था। पूरा देश बिग बी के लिए प्रार्थना कर रहा था। आखिरकार डॉक्टरों की मेहनत रंग लाई और अमिताभ ने मौत को मात दे दी। बाद में उन्होंने कई बार कहा कि उन्हें दूसरी जिंदगी मिली है और इसके लिए वह डॉक्टरों और अपने चाहने वालों के हमेशा आभारी रहेंगे।

ऋषि कपूर: दो साल तक बीमारी से लड़ते रहे

ऋषि कपूर को 2018 में कैंसर का पता चला। इलाज के लिए वो अमेरिका के न्यूयार्क गए, जहां लगभग एक साल उनका इलाज चला। कई बार कीमोथेरेपी हुई, कई मेडिकल प्रोसेस से गुजरना पड़ा। इलाज के दौरान उन्होंने अपनी मुस्कान नहीं खोई. सोशल मीडिया पर वो अक्सर डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ का शुक्रिया अदा करते थे। वापस इंडिया लौटने के बाद उन्होंने फिल्मों में काम शुरू किया। हालांकि 2020 में उनका निधन हो गया। लेकिन डाक्टर्स की वजह से उन्हें अपने परिवार के साथ कुछ वक्त और बिताने का वक्त मिला।

सैफ अली खानः चंद मिनटों में बदल गई पूरी रात

सैफ अली खान के घर पर आधी रात को हुए चाकू से हमले ने पूरे देश को चौंका दिया। अपने बच्चों को चोर से बचाने के लिए सैफ ने अपनी जान तक दांव पर लगा दी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें तुरंत मुंबई के अस्पताल में ले जाया गया। एक चोट तो रीढ़ की हड्डी के बेहद करीब थी। मेडिकल टीम ने घंटों तक ऑपरेशन किया और वे स्वस्थ हो गए। डॉक्टरों का कहना था कि इलाज में थोड़ी भी देरी होती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

गरीबों के मसीहा सोनू सूद

सोनू सूद को लोग गरीबों का मसीहा कहते हैं. हालांकि कुछ वक्त पहले उन्हें खुद भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। लगातार काम और बिजी लाइफ के बीच एक मेडिकल समस्या के कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। सोनू ने डॉक्टरों और मेडिकल टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि मरीज के लिए सिर्फ दवा ही नहीं, डॉक्टर का भरोसा भी बहुत बड़ी ताकत होता है।

शाहरुख खान

शाहरुख खान ने अपने करियर में कई चोटें झेली हैं। कंधे, घुटने और पीठ की समस्याओं के कारण उन्हें कई बार सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि शरीर पर लगी चोटें उनके पेशे का हिस्सा बन चुकी हैं। हर बार डॉक्टरों की मदद और लंबी फिजियोथेरेपी के बाद ही वह दोबारा कैमरे के सामने लौट पाए।

सलमान खान

सलमान खान भी अपने कई इंटरव्यूज में बता चुके हैं कि उन्हें 'ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया' बीमारी है। मेडिकल टर्म में इसे सबसे दर्दनाक माना जाता है। इसमें चेहरे की नस में तेज, अचानक और बिजली के झटके जैसा दर्द होता है। सलमान ने इस बीमारी का इलाज यूएस से करवाया और डॉक्टर्स को शुक्रिया अदा किया।

डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी ने आईसीएफएआई के 16वें स्थापना दिवस व्याख्यान में स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य पर रखे विचार

एआई डॉक्टरों की जगह नहीं लेगा, लेकिन एआई का उपयोग करने वाले डॉक्टर भविष्य का नेतृत्व करेंगे

हैदराबाद। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (**Artificial Intelligence-AI**) आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, किफायती और प्रभावी बनाने के साथ चिकित्सा अनुसंधान एवं रोगी देखभाल में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। यह विचार एआइजी हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी ने आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन (**IFHE**) के 16वें स्थापना दिवस व्याख्यान में ₹आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड द फ्यूचर ऑफ हेल्थकेयर₹ विषय पर बोलते हुए व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान हमेशा मानवीय संवेदनशीलता और प्राकृतिक बुद्धिमत्ता का समन्वय रहा है। इसलिए एआई को डॉक्टरों का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने वाले सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। आधुनिक चिकित्सा में निदान, उपचार, चिकित्सा शिक्षा और रोगी देखभाल के लिए मल्टीमॉडल एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।डॉ. रेड्डी ने कहा कि एआई दवा खोज, रेडियोलॉजी, टेलीमेडिसिन, प्रिसिजन मेडिसिन, जीनोमिक्स, कैंसर की प्रारंभिक पहचान, त्वचा रोगों के निदान तथा दूरस्थ रोगी निगरानी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। उन्होंने बताया कि एआई ने नई दवाओं के विकास की प्रक्रिया को दशकों से घटाकर लगभग दो वर्षों तक सीमित कर दिया है और आने वाला दशक फार्मास्युटिकल अनुसंधान के लिए परिवर्तनकारी साबित होगा।डॉक्टरों के बीच एआई को लेकर व्याप्त आशंकाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ₹एआई डॉक्टरों की जगह नहीं लेगा, लेकिन जो डॉक्टर एआई का उपयोग करना जानते हैं, वे उन डॉक्टरों से आगे निकल जाएंगे जो इसका उपयोग नहीं करते।₹ उन्होंने कहा कि एआई स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता दोनों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सक्षम है।एआईजी हॉस्पिटल्स में विकसित **MIRA** (**Medical Information Robotic Assistant**) का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यह एआई आधारित प्रणाली डॉक्टरों और नर्सों की सहायता करती है, मरीजों के प्रश्नों का उत्तर देती है, परामर्श के लिए प्रतीक्षा समय कम करती है तथा चिकित्सा शिक्षा में भी

उपयोगी सिद्ध हो रही है।उन्होंने **iSAVE** नामक एआई आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की भी जानकारी दी, जो गंभीर मरीजों की स्थिति बिगड़ने से लगभग एक घंटा पहले डॉक्टरों को सचेत कर देती है, जिससे समय पर उपचार संभव हो पाता है और अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं।डॉ. रेड्डी ने बताया कि एआई की मदद से अस्पताल में प्री-एनेस्थीसिया मूल्यांकन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इसके परिणामस्वरूप मरीजों की थकान कम हुई और सर्जरी छोड़ने की दर लगभग 20 प्रतिशत से घटकर मात्र 1 प्रतिशत रह गई। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन होने वाली लगभग 700 एंडोस्कोपी प्रक्रियाओं के प्रबंधन में भी एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।उन्होंने बताया कि एआई भारत में तेजी से बढ़ रही फैटी लिवर बीमारी की कम लागत में जांच, सीटी स्कैन के माध्यम से कैंसर की प्रारंभिक पहचान, एआई आधारित विलनिकल डॉक्यूमेंटेशन तथा वेयरेबल उपकरणों के जरिए निरंतर स्वास्थ्य निगरानी जैसे क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। हालांकि उन्होंने कहा कि एआई के बढ़ते उपयोग के साथ डेटा की गुणवत्ता, गोपनीयता, नैतिकता और नियामकीय मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक है।अपने संबोधन के समापन में डॉ. रेड्डी ने कहा कि यदि एआई का उपयोग जिम्मेदारी और नैतिकता के साथ किया जाए तो यह गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीएफएआई के कुलाधिपति डॉ. सी. रंगराजन ने की। उन्होंने आईसीएफएआई समूह के संस्थापक श्री एन. जे. यशस्वी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अपने विचार रखते हुए डॉ. रंगराजन ने कहा कि एआई अभी प्रारंभिक अवस्था में है। यह शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन ला रहा है, लेकिन इसका उपयोग जिम्मेदारीपूर्वक किया जाना चाहिए ताकि इसके लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सकें।इस अवसर पर कार्यवाहक कुलपति डॉ. टी. कोटी रेड्डी ने स्वागत भाषण दिया।

दुनियाभर में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है पहली बारिश का जश्न

बरसात का आगमन गर्मियों के अंत और मानसून की शुरुआत का संकेत है। भारत में यह जून से सितंबर तक रहता है। पहली बारिश का दुनिया भर के लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, दुनिया भर में बरसात के मौसम के दौरान पहली बारिश से जुड़ी अलग-अलग परंपराएं और रीति-रिवाज निभाए जाते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इन देशों में पहली बारिश का जश्न कैसे मनाया जाता है।

भारत

भारत में बरसात की शुरुआत के साथ ही लोग 'आषाढ़' नामक महीने का स्वागत करते हैं। इस दौरान उत्तर भारत में तीज का त्योहार मनाया जाता है, जिसमें महिलाएं नाचते-गाते हुए मानसून का स्वागत करती हैं। इसी मौसम में ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। हर घर में चाय के साथ गर्मा-गर्म पकौड़ों का आनंद लिया जाता है और बच्चे बारिश में भीगते हुए आनंद लेते हैं।

जापान में घरों में लटकाते हैं गुड़िया

जापान की संस्कृति में पहली बारिश के मौसम को बहुत शुभ माना जाता है और इसे 'रैइतेन' के नाम से जाना जाता है। यहां के लोग सुंदर सांस्कृतिक परंपराओं और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान के साथ इस मौसम का स्वागत करते हैं। बच्चे टिश्यू पेपर से ये गुड़िया बनाते हैं और उन्हें अपने घरों के छज्जों या खिड़कियों के नीचे लटकाते हैं। हर शहर इस दौरान गुलाबी और बैंगनी रंग के सुंदर फूलों से ढक जाता है।

फिलीपींस में प्रवेश द्वार में नमक छिड़काव

फिलीपींस में पहली बारिश के मौसम को 'लूनास' या 'लूनास मूसन' के नाम से जाना जाता है। यहां के लोग मानते हैं कि पहली बारिश के मौसम के दौरान पानी का इस्तेमाल करके व्यक्ति अपने जीवन में आने वाली समस्याओं से छुटकारा पा सकता है। इसके अलावा लोग अपने घरों के प्रवेश द्वार पर नमक छिड़कते हैं और घर के आंगन में पानी का छिड़काव करते हैं। इस दौरान वे अपने पारंपरिक व्यंजनों का भी आनंद लेते हैं।

चीन में शुरू की जाती है खेती-बाड़ी

चीन मानसून के दौरान खेती-बाड़ी से जुड़ी '24 सोलर टर्म्स' परंपरा (मौसम में बदलाव बताने वाले पुराने कृषि-संकेत) का पालन करता है। मौसम के अनुसार होने वाली बारिश की शुरुआत खास नामों से पहचानी जाती है, जिनसे खान-पान, संस्कृति और आध्यात्मिकता की समृद्ध परंपराएं जुड़ी होती हैं। फरवरी के मध्य में युशुई होता है, जो तापमान और बढ़ती बारिश का संकेत है। इसके बाद अप्रैल में गुयु होता है, जिसकी बारिश फसलों के लिए अहम है।

प्रकृति

गिरगिट ही नहीं, ये पक्षी भी बदलते हैं अपने पंखों का रंग... वजह जान रह जाएंगे हैरान

प्रजनन के मौसम में साथी को आकर्षित करने में मदद करता है

प्रकृति ने हर जीव को खुद को सुरक्षित रखने का अलग तरीका दिया है। जहां गिरगिट रंग बदलने के लिए मशहूर है, वहीं दुनिया में कई ऐसे पक्षी भी हैं जो मौसम और जरूरत के हिसाब से अपने पंखों का रंग बदल लेते हैं। यह बदलाव उन्हें शिकारी जानवरों से बचाने, अपने आसपास के वातावरण में घुलने-मिलने और प्रजनन के मौसम में साथी को आकर्षित करने में मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे ही अनोखे पक्षियों के बारे में जो अपना रंग बदलते हैं।

विलो ptarmigan

विलो ptarmigan ठंडे आर्कटिक इलाकों में पाया जाता है गर्मियों में इसके पंख भूरे रंग के होते हैं, जिससे यह मिट्टी और घास के बीच आसानी से छिप जाता है। वहीं सर्दियां आते ही इसके पंख पूरी तरह सफेद हो जाते हैं। इससे बर्फीले इलाके में इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है और यह शिकारियों से सुरक्षित रहता है।

स्कारलेट टैनेजर

स्कारलेट टैनेजर का नर पक्षी प्रजनन के मौसम में चमकीले लाल रंग के पंख और काले पंखों के साथ दिखाई देता है। यह रंग मादा को आकर्षित करने के लिए होता है। मौसम खत्म होने के बाद इसके पंख हरे-पीले रंग के हो जाते हैं, जिससे यह पेड़ों की घनी पत्तियों में आसानी से छिप सकता है।

स्नो बंटिंग

स्नो बंटिंग भी आर्कटिक क्षेत्र का पक्षी है। प्रजनन के मौसम में नर पक्षी के पंख सफेद और काले रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा को आकर्षित कर सके। वहीं बाकी समय इसके पंख भूरे और धारियों वाले दिखाई देते हैं। यह रंग इसे चट्टानों और जमीन के बीच छिपने में मदद करता है।

अमेरिकन गोल्डफिंच

अमेरिकन गोल्डफिंच के नर पक्षी गर्मियों में चमकीले पीले रंग के पंख और सिर पर काली टोपी जैसी बनावट रखते हैं। यह रंग साथी को आकर्षित करने में मदद करता है लेकिन सर्दियों में इसके पंख हल्के भूरे या जैतूनी रंग के हो जाते हैं, जिससे यह आसपास के वातावरण में आसानी से घुल-मिल जाता है।

रॉक ptarmigan

रॉक ptarmigan साल में कई बार अपने पंखों का रंग बदलता है। सर्दियों में इसके पंख सफेद, गर्मियों में भूरे और वसंत व शरद ऋतु में मिले-जुले रंग के हो जाते हैं। यह बदलाव इसे हर मौसम में अपने आसपास के वातावरण के अनुसार छिपे रहने में मदद करता है।

पक्षी क्यों बदलते हैं पंखों का रंग?

विशेषज्ञों के अनुसार पक्षियों के पंखों का रंग बदलना मोल्टिंग नाम की प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। इस दौरान पुराने पंख गिरते हैं और उनकी जगह नए पंख उगते हैं। यह बदलाव मुख्य रूप से दो कारणों से होता है। पहला, शिकारियों से बचने के लिए आसपास के वातावरण में खुद को छिपाना। दूसरा, प्रजनन के मौसम में आकर्षक दिखकर साथी को अपनी ओर आकर्षित करना। कई बार दिन की रोशनी, तापमान और हार्मोन में होने वाले बदलाव भी इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।

होटलों में 13 नंबर क्यों नहीं होता...? जानिए हैरान करने वाला राज

क्या आपने कभी किसी होटल में ठहरते समय रूम नंबरों पर ध्यान दिया है? कई बार 11, 12 के बाद सीधे 14 नंबर दिखाई देता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रूम नंबर 13 कहां गायब हो गया? दरअसल, यह कोई गलती नहीं बल्कि दुनिया के कई होटलों की सोच-समझकर अपनाई गई परंपरा है। दुनिया के कई होटल मालिक मानते हैं कि 13 नंबर को कई लोग अशुभ मानते हैं। इसी कारण वे रूम नंबर 13 या 13वीं मंजिल का इस्तेमाल नहीं करते। इस डर को ट्रिस्काइडेक फोबिया कहा जाता है, जिसका अर्थ है 13 संख्या का भय। होटलों का मानना है कि कुछ मेहमान 13 नंबर वाले कमरे में ठहरना पसंद नहीं करते। इससे कमरे खाली रहने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए कई होटल 13 की जगह 12ए, एम या सीधे 14 नंबर का इस्तेमाल करते हैं। कुछ इमारतों में 13वीं मंजिल को तकनीकी या रखरखाव कार्यों के लिए आरक्षित रखा जाता है।

क्या है इस मान्यता का इतिहास?

13 संख्या को अशुभ मानने के पीछे कई ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। नॉर्स पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक भोज में 13वें अतिथि के आने के बाद दुखद घटना घटी थी। वहीं ईसाई मान्यता के अनुसार, प्रभु यीशु मसीह के अंतिम भोज में 13वें व्यक्ति जूडास थे, जिन्होंने बाद में उनके साथ विश्वासघात किया। इसी वजह से कई लोग आज भी 13 संख्या को अशुभ मानते हैं।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर उड़ जाएंगे होश

जर्काटा। रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

कहां पाया गया था यह अजगर : 2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है।

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की

कर्क परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च
tifr HBCSE
भारतीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) 2026-27
भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (INMO) 2027 में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए, राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) में शामिल होना अनिवार्य है।
यह परीक्षा 6 सितंबर, 2026 को आयोजित की जाएगी।
IOQM में सफल होने वाले छात्र INMO 2027 में भाग लेने के पात्र होंगे। यह अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) 2027 और यूरोपीय गर्ल्स गणित ओलंपियाड (EGMO) 2028 में भारतीय टीम के आधिकारिक सदस्य के रूप में भागीदारी की दिशा में पहला चरण है।
अधिक जानकारी और पंजीकरण लिंक:
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in एवं https://www.mtai.org.in/
पंजीकरण संबंधित परीक्षा केंद्रों पर सीधे किया जा सकता है
इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी 29 जून 2026 से शुरू होगा
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए वेबसाइट: https://ioqm.mtai.org.in/
पंजीकरण की अंतिम तिथि: 25 जुलाई 2026
CBC 48143/11/0004/2627

आवश्यकता
आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500-रू 1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /05/जुलाई 26)
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा
निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। (1) निविदा सूचना क्रमांक: डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-112-2026, दिनांक: 01/07/2026 कार्य का नाम लोकेशन सहित: सीनियर डिविज़नल इंजीनियर (पश्चिम) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में बीना-कटनी सेक्शन में ट्रैक स्ट्रक्चर में सुधार और रखरखाव। कार्य का अनुमानित मूल्य: ₹2,57,79,561/- बयाना राशि: ₹5,15,600/- समापन अवधि: 12 माह (2) निविदा सूचना क्रमांक: डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-113-2026, दिनांक: 01/07/2026 कार्य का नाम लोकेशन सहित: वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) जबलपुर खंड के अंतर्गत विभिन्न ट्रैक नवीकरण कार्यों के संबंध में सिंगल शॉट क्रूसिबल के साथ 60 किग्रा/90 यूटीएस/आर 260 रेल इन-सीटू की वेल्डिंग का कार्य। कार्य का अनुमानित मूल्य: ₹1,07,38,981/- बयाना राशि: ₹ 2,14,800/- समापन अवधि: 12 माह (3) निविदा सूचना क्रमांक: डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-114-2026, दिनांक: 01/07/2026 कार्य का नाम लोकेशन सहित: कटनी-मानिकपुर एवं झुकेही-कैमोर खंड में समपार फाटकों पर शौचालय तथा पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराने का कार्य। कार्य का अनुमानित मूल्य: ₹65,64,331/- बयाना राशि: ₹ 1,31,300/- समापन अवधि: 12 माह. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि का समय 15.00 बजे तक: टेंडर नं. 1, 2, 3 के लिए तिथि- 28.07.2026 निविदा खुलने की अंतिम तिथि का समय 15:15 बजे: टेंडर नं. 1, 2, 3 के लिए तिथि- 28.07.2026. उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
(हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), प.म.रे., जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

वैवाहिकी
वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें 7898655147
वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6" मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.-99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)
वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.82 / 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

शब्द पहेली - 6277

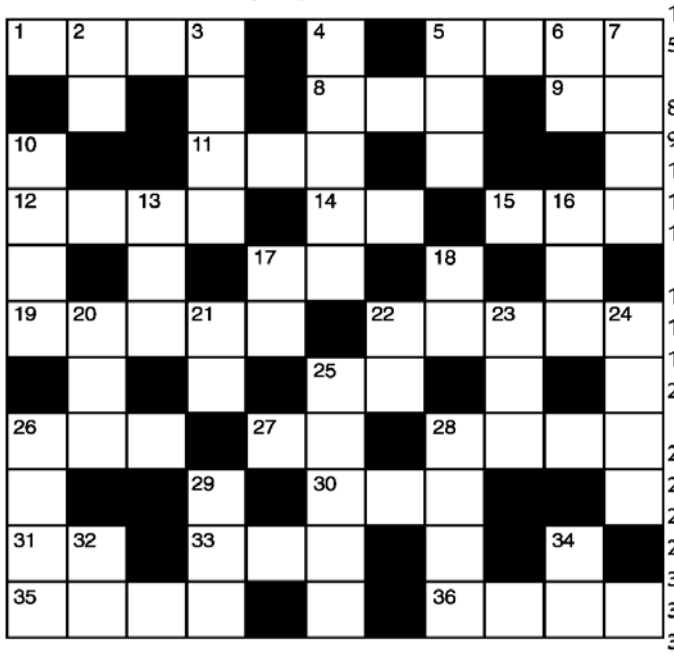

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 6276 का हल

	सो	नि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ठ	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

सूडोकू नवताल - 6287

कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6286 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 5 जुलाई 2026

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात !

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। k

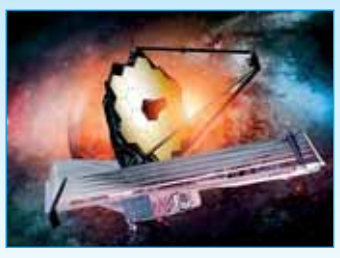

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। k

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
जिक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' k

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' k

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

शर्मनाक रिकार्ड

एक विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने हानी

अर्लिंगटन। मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही टूर्नामेंट में दो आत्मघाती गोल करने वाले विश्व कप के इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए। आस्ट्रेलिया के मिडफील्डर एडेन ओ नील की 55वें मिनट में लगाई गई फ्रीकिक पर गेंद हानी के सिर से टकराकर मिस्र के गोल के भीतर ही चली गई। इससे पहले आस्ट्रेलियाई मिडफील्डर कोनोर मेटकाफे से टकराने के कारण हानी को चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी थी। बेल्जियम के खिलाफ ग्रुप चरण में 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में भी उन्होंने आत्मघाती गोल किया था।

केप वर्दे ने छुड़ाए अर्जेंटीना के पसीने, मेस्सी सेना ने एक्स्ट्रा टाइम में जीता कड़ा मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

इस विश्व कप में साहस और कौशल की नई परिभाषा लिखने वाले छोटे से देश केप वर्दे ने खिताब की प्रबल दावेदार मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को नाकों चने चबवा दिए और अतिरिक्त समय तक चले इस मुकाबले को जीतने के बाद लियोनेल मेस्सी और उनकी टीम ने मस्तक पर छलके पसीने को पोछकर मानों राहत की सांस ली। इसके साथ ही विश्व कप में 'छिपे रुस्तम' केप वर्दे का शानदार अभियान यही खत्म हो गया और जीत के साथ अर्जेंटीना अंतिम 16 में पहुंच गया। आसानी से हार नहीं मानने वाले केप वर्दे ने नियमित समय में और फिर अतिरिक्त समय में बराबरी के गोल दागे। अर्जेंटीना के तीसरे गोल का वह जवाब नहीं दे सके और मेस्सी की टीम ने 3-2 से मुकाबला जीता।

छोटे देश ने कराया इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज

हारने के बावजूद अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित इस द्वीप देश ने विश्व कप के इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। जीत के बाद अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा,' मैं केप वर्दे को श्रेय देना चाहूंगा। सच यही है कि जब लोग कहते हैं कि कोई विरोधी टीम कमतर नहीं होती और आज केप वर्दे ने साबित कर दिया कि वह शानदार टीम है। केप वर्दे के लिए डाइनी बोर्गेस ने 111वें मिनट में गोल दागा जबकि क्रिस्टियन रोमेरो का आत्मघाती गोल अर्जेंटीना के खाते में गया। लिसांद्रो मार्तिनेज ने 92वें मिनट में गोल करके अर्जेंटीना को 2-1 से बढत दिलाई।

केप वर्दे के लिए काब्राल और डुआर्टे ने दागे बराबरी के गोल

केप वर्दे के लिए सिडनी लोपेज काब्राल और डेरॉय डुआर्टे ने बराबरी के गोल दागकर अर्जेंटीना समर्थकों को स्तब्ध कर दिया था। ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी शूटआउट से ही फैसला होगा, जिसमें मेस्सी का सामना वोजिन्हा से होगा लेकिन अर्जेंटीना ने अतिरिक्त समय में जीत दर्ज की। अब अर्जेंटीना का सामना मिस्र से होगा, जिसने अटलांटा में पेनल्टी शूटआउट में आस्ट्रेलिया को हराया।

पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता मिस्र, ऑस्ट्रेलिया बाहर

अर्लिंगटन। होसाम अब्दुलमागुद ने शूटआउट में निर्णायक गोल किया, जिसके दम पर पहली बार विश्व कप नॉकआउट मुकाबला खेलते हुए मिस्र ने आस्ट्रेलिया के पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा दिया जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। मिस्र ने चौथी बार विश्व कप खेलते हुए यह जीत दर्ज की है। वहीं आस्ट्रेलिया नॉकआउट में तीन में से एक भी बार जीत नहीं सका है। अब मिस्र का सामना मंगलवार को गत चैम्पियन अर्जेंटीना से होगा, जिसने केप वर्दे को अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई है। शूटआउट में आस्ट्रेलिया के हैरी साउटार का निशाना चूका और 18 वर्ष के लुकास हेरिंगटन का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। मिस्र के लिए होसाम के अलावा महमूद साबिर, रामी राबिया और लिवरपूल के पूर्व स्टार मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। मांसपेशी की चोट के बावजूद सालाह ने यह मैच खेला। आस्ट्रेलिया के लिए ये शूटआउट में जैकसन इरविन और अवेर माबिल ने गोल किए। इमाम अशूर ने 13वें मिनट में हेडर पर गोल करके मिस्र को बढत दिला दी थी। आस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी की जब मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

घाना को हराकर कोलंबिया अंतिम 16 में

कंसास सिटी। जोन एरियास ने शुरुआती मिनटों में लुई सुआरेस के क्रॉस पर गोल किया और इसी एक गोल के दम पर कोलंबिया ने भीषण गर्मी के बीच घाना को हराकर विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बना ली। कोलंबिया का सामना अब मंगलवार को वैंकूवर में स्विटजरलैंड से होगा। मैच शुरू होने के कुछ मिनट के भीतर ही कोलंबिया के फॉरवर्ड जोन कोरडोबा को जांघ के पीछे की मांसपेशी में चोट लग गई, जिसके बाद कोच नेस्टर लोरेंजो को सुआरेज को बुलाना पड़ा। यह इंटर मियामी के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी सुआरेज नहीं बल्कि स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने आते ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी और 14वें मिनट में डेनियल मुनोज से गेंद लेकर एरियास को जबर्दस्त क्रॉस दिया, जिन्होंने घाना के गोलकीपर लारेंस एटि जिगि को छकाकर गोल कर दिया।

खबर संक्षेप

हुलेनकोर्ट महिला ओपन खिताब की दौड़ में दीक्षा

हुलेनकोर्ट। दीक्षा डागर खिताब की दौड़ में बनी हुई है और भारत की चारों गोल्फर ने हुलेनकोर्ट महिला ओपन के कट में प्रवेश कर लिया। दीक्षा बढ़त पर थी लेकिन इवन पार 72 का स्कोर करके संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गई। उन्होंने तीन बर्डी लगाए लेकिन तीन बोगी भी किए। भारत की अदिति अशोक ने भी लेडीज यूरोपीय टूर पर प्रभावी वापसी करके संयुक्त आठवां स्थान हासिल कर लिया। अवनि प्रशांत संयुक्त 18वें स्थान पर है जबकि प्रणवी उर्स संयुक्त 56वें स्थान पर है। स्पेन की कैरोलिना चाकारा ने सात अंडर 65 और कुल नौ अंडर स्कोर करके बढत बना ली है।

20 को ग्लास्गो रवाना होगी जिम्नास्टिक्स टीम

नई दिल्ली। भारत की कलात्मक जिम्नास्टिक्स टीम आगामी राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के तहत लंदन में तीन सप्ताह का प्रशिक्षण शिविर पूरा करने के बाद 20 जुलाई को ग्लास्गो के लिए रवाना होगी। यह प्रशिक्षण शिविर 29 जून से शुरू हुआ, जिसके लिए कोष भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने 'टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप' और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' के तहत दिया था। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला टीम में ओलंपियन प्रणति नायक, निश्का अग्रवाल, ईशिता रेवाले और प्रतिष्ठा सामंता शामिल हैं। पुरुष टीम में तपन मोहंती, तपेश्वरनाथ दास, स्वातिश केपी और योगेश्वर सिंह को जगह मिली है। राकेश पात्रा पुरुष टीम के कोच हैं जबकि पायल भट्टाचार्जी और अशोक कुमार मिश्रा महिला टीम के कोच के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

उपलब्धि

क्रिकेट में वैभव का नया राज मास्टर ब्लास्टर का टूटा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

बिहार के समस्तीपुर जिले के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले देश के सबसे युवा खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया।

उन्होंने लगभग 37 वर्षों से कायम महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के दौर और बल्लेबाजी शैली में जमीन-आसमान का अंतर है। सचिन ने 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उनकी बल्लेबाजी मजबूत रक्षात्मक तकनीक और कलात्मक स्ट्रोक्स के लिए जानी जाती थी, जो मुंबई की 'खड़स' क्रिकेट संस्कृति की पहचान मानी जाती है। सूर्यवंशी ने महज 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भारतीय टीम में पदार्पण किया। उनकी बल्लेबाजी आक्रामक अंदाज की है, जो आधुनिक टी-20 क्रिकेट की तेज-तर्रार शैली के अनुरुप है।

सचिन फ्लॉपी डिस्क और सूर्यवंशी एआई की पीढ़ी के

सचिन फ्लॉपी डिस्क के दौर के खिलाड़ी थे जबकि सूर्यवंशी की पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) आधारित भविष्य की ओर बढ़ रही है। बदलते समय के बावजूद एक बात समान है कि देश को अपनी नई क्रिकेट प्रतिभाओं में भविष्य की उम्मीदें नजर आती हैं।

वैभव के डेब्यू को लेकर देशभर में उत्साह

सचिन के बाद शायद ही किसी युवा खिलाड़ी के पदार्पण को लेकर पूरे देश में ऐसा उत्साह देखने को मिला हो। इंग्लैंड से पहले आयरलैंड पहुंचने के बाद से ही प्रशंसक सूर्यवंशी के साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। लोकप्रियता का आलम यह रहा एक प्रशंसक ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से नियुक्त उनके संरक्षक रोमी भिंडर के साथ भी सेल्फी खिंचवाई, वो भी केवल इसलिए कि वह सूर्यवंशी से जुड़े व्यक्ति के साथ तस्वीर लेना चाहता था। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के इस दौर में हर प्रशंसक मानो एक डिजिटल रिपोर्टर बन गया है।

विंबलडन में हार पर बोले भांबरी, हमने बहुत नर्वस मैच खेला

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत के डबल्स खिलाड़ी युकी भांबरी ने कहा है कि विंबलडन के पहले राउंड में मिली हार की वजह उनका और साथी खिलाड़ी माइकल वीनस का टूर्नामेंट का दबाव नहीं झेल पाना है। भांबरी और न्यूजीलैंड के वीनस को पहले राउंड में डच-अमेरिकन जोड़ी जीन-जूलियन रोजर और थियोडोर वाइनगर ने 3-6, 4-6 से हराया, जिसमें इंडो-कीवी जोड़ी को सर्व पर खुद को हावी करने में मुश्किल हुई, और वे

किसी भी ब्रेक-पॉइंट के मौके को भुनाने में नाकाम रहे। भांबरी ने कहा, हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक में खेलते हुए, मुझे लगता है कि यह मौका मुझे और मेरे साथी खिलाड़ी माइकल वीनस को मिल गया। हम दबाव नहीं झेल पाए।

हमने बहुत नर्वस मैच खेला, और इसकी कीमत हमें चुकानी पड़ी। हमारा मूवमेंट तेज नहीं था, हमारा रिटर्न खराब था। हम सर्व पर रिदम नहीं बना पाए। पहले राउंड से बाहर होने के बावजूद 33 साल के भांबरी भविष्य को लेकर सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा, मैं और माइकल साथ में अच्छा कर रहे हैं। इससे पहले हमारे कुछ अच्छे नतीजे रहे हैं। उम्मीद है कि हम कुछ और विंबलडन में वापस आकर इसे ठीक करेंगे। हम इस अनुभव से सीखेंगे और अगली बार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भांबरी ने अपना फोकस भारत के दक्षिण कोरिया के खिलाफ आने वाले डेविस कप क्वालीफायर मुकाबले पर किया, और इसे देश के लिए एक बड़ा मौका बताया।

अनुष का शानदार प्रदर्शन जीता रजत पदक

नई दिल्ली। भारत के स्टार घुड़सवार खिलाड़ी अनुष अग्रवाला ने जर्मनी के हेगन में आयोजित कैवालिएरो ड्रेसेज डेज प्रतियोगिता के सीडीआई1 प्री सेंट जॉर्ज वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। 'स्ट्रेट हॉर्स फ्लोरियाना' पर सवार अनुष ने 70.147 प्रतिशत अंक हासिल किए और 22 प्रतिभागियों के बीच दूसरे स्थान पर रहे। अनुष और फ्लोरियाना के बीच बेहतरीन तालमेल तथा सटीक प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने प्रतिष्ठित 70 प्रतिशत का आंकड़ा पार किया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी निरंतरता को दर्शाता है। इस स्पर्धा में जर्मनी की चार्लोट-मारिया शूर्मन 72.304 प्रतिशत अंक के साथ पहले स्थान पर रहीं। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है, जब 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय ड्रेसेज टीम के चयन को लेकर अनुष विवाद के केंद्र में हैं। उन्हें चार सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया बल्कि रिजर्व खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है।

भारत 'ए' ने बनाया 541 रन का विशाल स्कोर, सुदर्शन ने खेली 168 रन की पारी

एजेंसी ▶▶| गॉल

भारत ए ने साई सुदर्शन की 168 रन की शानदार शतकीय पारी के बाद मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान की बदौलत दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को श्रीलंका ए के खिलाफ 8 विकेट पर 541 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर लिया। बारिश से प्रभावित तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने 175 रन की बढ़त हासिल कर ली थी। मुकाबले का एक दिन का खेल अभी बाकी है।

सुदर्शन ने तीसरे दिन 104 रन से आगे खेलना शुरू किया और अपनी

शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए 267 गेंद में 22 चौकों की मदद से 168 रन बनाए। हालांकि दूसरे छोर पर देवदत्त पडिक्कल 94 रन में एक भी रन का इजाफा किए बिना ही आउट हो गए। दिन की पहली ही गेंद पर पडिक्कल के आउट होने से भारत ए का स्कोर दो विकेट पर 248 रन हो गया। इसके बाद सुदर्शन को कप्तान ध्रुव जुरेल (53 रन, 88 गेंद) का अच्छा साथ मिला। सुदर्शन और जुरेल की साझेदारी से पहले हालांकि भारत ए को एक बड़ा झटका लगा जब रुतुराज गायकवाड़ (13) को तेज गेंदबाज असांका मनोज की गेंद हेलमेट पर लगने के बाद चोटिल होकर मैदान छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। सुदर्शन और जुरेल ने तीसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी कर मेजबान टीम को कोई और सफलता नहीं मिलने दी और भारत ए की पकड़ मजबूत कर दी।

ग्रैंड शतरंज टूर : गुकेश और केमेर ने हासिल किए दस अंक

प्रज्ञानानंदा ने जीते तीनों मुकाबले, रैपिड वर्ग में 12 अंक

एजेंसी ▶▶| जगरेब

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन तीनों मुकाबले जीतकर ग्रैंड शतरंज टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड श्रेणी में 12 अंक लेकर फ्रांस के फिरोजा अलीरजा के साथ संयुक्त शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। दूसरे दिन पिछड़ रहे प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन क्रोएशिया के इवान सारिच, रोमानिया के डीक बोगडेन डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरि को हराया।

फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव 11 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियन डी. गुकेश और जर्मनी के विंसेंट केमेर ने दस अंक हासिल किए। अब ब्लिट्ज वर्ग के 18 दौर खेले जाने हैं। गिरि के आठ अंक हैं जबकि डीक और नीदरलैंड के जोर्डन वान फोरीस्ट उनसे एक अंक पीछे हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन क्रामनिक निलंबित

बिलिंग्स। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने पूर्व विश्व चैंपियन ब्लादीमिर क्रामनिक को कम से कम एक साल के लिए निलंबित कर दिया है, जिन्होंने डेनियल नारोदित्स्की समेत साथी खिलाड़ियों पर धोखेबाजी के आरोप लगाए थे, जो साबित नहीं हुए। नारोदित्स्की का पिछले साल 29 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। क्रामनिक ने उन पर धोखेबाजी का आरोप लगाते हुए इसे सोशल मीडिया पर भी साझा किया था। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर नारोदित्सकी ने शिक्षाप्रद यूट्यूब वीडियो और लाइवस्ट्रीम के जरिए खेल के आनलाइन दौर को लाने में मदद की थी। उन्होंने इन आरोपों को खारिज किया था। क्रामनिक ने एपी को भेजे ईमेल में कहा कि वह इस निलंबन को चुनौती देंगे। शतरंज महासंघ ने कहा कि क्रामनिक ने बिना पर्याप्त सबूतों के सार्वजनिक रूप से धोखाधड़ी का आरोप लगाया जो 'साइबर बुलिंग' के खिलाफ उनके नियमों का उल्लंघन है। महासंघ ने कहा कि धोखाधड़ी से निपटना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है लेकिन आरोपों पर उनकी प्रक्रियाओं के जरिए ही कार्रवाई की जानी चाहिए और उन्हें उचित सबूतों का समर्थन मिलना चाहिए। नारोदित्स्की ने कहा था कि क्रामनिक के आरोपों का उन पर काफी असर पड़ा है ।

निजी कंपनी ने घटाए दाम, लेकिन सरकारी कंपनियां अब भी राहत देने को तैयार नहीं

जनता पर महंगाई की मार, तेल कंपनियों की तिजोरियां भर रहीं हजारों करोड़

हरिभूमि जबलपुर।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं और क्रूड ऑयल 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, तब तेल कंपनियों और सरकार ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी को वैश्विक परिस्थितियों की मजबूरी बताया था। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं।

मध्य-पूर्व में युद्ध विराम, होर्मूज जलडमरूमध्य के सामान्य रूप से संचालित होने और आपूर्ति संबंधी आशंकाओं के कम होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटकर करीब 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई हैं। यानी जिस आधार पर उपभोक्ताओं पर महंगे ईंधन का बोझ

डाला गया था, वह आधार अब काफी हद तक समाप्त हो चुका है। दिलचस्प बात यह है कि निजी क्षेत्र की कंपनी नायरा एनर्जी ने बाजार परिस्थितियों को देखते हुए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की है, लेकिन सरकारी तेल कंपनियों की ओर से अब तक उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं दी गई है। इधर सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे के आंकड़े लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

सरकारी कम्पनियों का मुनाफा करोड़ों में

जानकारी के मुताबिक इंडियन आयल ने जनवरी से जून 2026 के दौरान करीब 20,146 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। भारत पेट्रोलियम ने इसी अवधि में लगभग 10,700 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया, जबकि हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने जनवरी-मार्च तिमाही में ही 6,065 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार तीनों कंपनियों का संयुक्त लाभ 36,911 करोड़ रुपये से अधिक बैठता है।

उपभोक्ताओं को राहत कब

ऐसे में उपभोक्ताओं के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम होने का लाभ जनता तक पहुंचाने के बजाय कंपनियों के मुनाफे और सरकारी राजस्व को प्राथमिकता दी जा रही है। जब कीमतें बढ़ती हैं तो उसका बोझ तत्काल जनता पर डाल दिया जाता है, लेकिन जब कीमतें घटती हैं तो राहत देने में असामान्य देरी होती है।

कच्चे तेल की कीमत कम

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रहती हैं, तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कमी की पर्याप्त गुंजाइश मौजूद है। ऐसे में कीमतों में कटौती नहीं करना आम उपभोक्ताओं के साथ आर्थिक अन्याय के रूप में देखा जा रहा है।

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर फैसला किया सुरक्षित

जीवन रक्षक दवा एचआईवी रिएक्टिव होने का दावा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में मानव प्लाज्मा आधारित जीवन रक्षक दवा के नमूने में एचआईवी रिएक्टिव मिलने का दावा किया गया। उसकी बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता और केंद्र सरकार का पक्ष सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित कर लिया।

नरसिंहपुर निवासी शुभम कौरव की ओर से याचिका दायर की गई है। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि उन्होंने 8 अप्रैल 2024 को चिकित्सकीय पर्चे के आधार पर जबलपुर के नेपियर टाउन स्थित एक मेडिकल स्टोर से एक जीवनरक्षक दवा ह्यूमन एल्ब्यूमिन के तीन एम्पुल खरीदे थे। तर्क दिया गया कि दवा लगाने से पहले एहतियात के तौर पर एक एम्पुल की जांच कराई गई, जिसमें कथित रूप से एचआईवी रिएक्टिव रिपोर्ट सामने आई। इसके बाद संबंधित केमिस्ट क सूचना दी गई और पुष्टि के लिए प्रयोगशाला में दोबारा परीक्षण कराया गया। याचिकाकर्ता का दावा है कि दूसरी जांच में भी एचआईवी रिएक्टिव की पुष्टि हुई। संबंधित विभागों और अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इस पर मामला हाई कोर्ट पहुंचा।

जिला उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी को दिया आदेश

परिवादी के इलाज में खर्च राशि का ब्याज सहित करो भुगतान

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक-2 ने बीमा कंपनी को आदेशित किया है कि परिवादी के इलाज में खर्च 50 हजार 836 रुपए 7 प्रतिशत ब्याज सहित 45 दिन में भुगतान किया जाए। आयोग ने मानसिक कष्ट के लिए 5 हजार रुपए और वाद व्यय के 2 हजार रुपए भी देने का आदेश दिया है। गौरीघाट निवासी जितेन्द्र गुप्ता की ओर से दायर परिवाद में कहा गया है कि उसने स्टार हेल्थ एंड एलाईड इंश्योरेंस कंपनी से स्वास्थ्य बीमा कराया था। 4 फरवरी 2023 को परिवादी को सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। 24 घंटे के भीतर इसकी सूचना बीमा कंपनी को दे दी गई। इसके बाद भी परिवादी का दावा यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि अस्पताल ब्लेक लिस्टेड था। अधिवक्ता शिवम गुप्ता के तर्क सुनने के बाद आयोग ने परिवादी के इलाज में खर्च राशि का भुगतान करने का आदेश दिया है।

अनियंत्रित होकर नीचे गिरा वाहन, रातभर तैनात रही पुलिस

जबलपुर- मंडला हाईवे पर सूजी से भरा ट्रक पलटा

जबलपुर। जबलपुर-मंडला राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर शुक्रवार देर रात बबैहा और कोंडरा गांव के बीच घाट सेक्शन में सूजी से भरा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया। हादसे में ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि उसमें लदी सूजी की बोरियां सड़क किनारे और घाट में बिखर गईं। हालांकि, दुर्घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, ट्रक जबलपुर से मंडला की ओर जा रहा था। रास्ते में वाहन में तकनीकी खराबी आने पर उसे ठीक किया गया और चालक ने दोबारा यात्रा शुरू की। लेकिन घाट पर चढ़ाई के दौरान ट्रक अचानक बंद हो गया और पीछे की ओर लुढ़कने लगा। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सका। इसके बाद ट्रक सड़क से नीचे उतरकर पलट गया

और उसका पूरा सामान बिखर गया।

घटना की सूचना मिलते ही टिकरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने बिखरी हुई सूजी की बोरियों की सुरक्षा के लिए रातभर जवानों की तैनाती की, ताकि किसी प्रकार की चोरी या लूटपाट न हो। वहीं, ट्रक मालिक को भी दुर्घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सिहोरा मंडी के उड़नदस्ते ने की कार्रवाई, 53 हजार का जुर्माना

बिना परमिट सिहोरा से बेंगलुरु जा रहा गेहूं जब्त

जबलपुर। जिला मुख्यालय से लगभग 40 किमी दूर सिहोरा कृषि उपज मंडी के उड़नदस्ते ने सिहोरा से बेंगलुरु ले जाया जा रहा 251.20 क्विंटल गेहूं बिना वैध अनुज्ञा पत्र के पकड़ा गया। अनुविभागीय अधिकारी एवं भारसाधक अधिकारी ज्योति परस्ते और मंडी सचिव सविता धुर्वे के निर्देश पर निरीक्षण दल के शिवलाल कुलेश, नरेन्द्र गर्ग और प्रमोद पटेल ने वाहन क्रमांक केए-43-6856 की जांच की, जिसमें मेसर्स नमो ट्रेडिंग कंपनी गोसलपुर का अवैध गेहूं पाया गया। मध्य प्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19(6) के तहत इस पूरे मामले में 53 हजार 42 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मंडी प्रशासन की इस सख्ती से अवैध परिवहन करने वाले व्यापारियों में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुख्ता जानकारी के बाद उडनदस्ते ने जब जांच की तो जांच के दौरान टीम ने वाहन चालक से कागजात मांगे तो वह कोई भी वैध अनुज्ञा पत्र पेश नहीं कर सका। बताया गया कि गोसलपुर स्थित मेसर्स नमो ट्रेडिंग कंपनी द्वारा यह गेहूं बेंगलुरु भेजा जा रहा था। मंडी नियमों के अनुसार किसी भी कृषि उपज को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए उचित परमिट होना अनिवार्य है, जिसका यहां उल्लंघन किया गया। पकड़े गए गेहूं की मात्रा 251.20 क्विंटल थी, जिसकी कीमत बाजार के अनुसार काफी अधिक है। मंडी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नियमानुसार मंडी शुल्क और निराश्रित शुल्क का भुगतान न करना सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के बराबर है। इसी आधार पर वाहन पर 53 हजार 42 रुपए का कुल जुर्माना राशि तय की गई, जिसमें समझौता शुल्क भी शामिल है।

वधू का भाई, पिता और ताऊ घायल

शादी की खुशियों में बारातियों का उत्पात

जबलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के शिवनगर स्थित कमल बारात घर में उस समय शादी की खुशियां अचानक तनाव और हिंसा में बदल गईं, जब विदाई से ठीक पहले कुछ बारातियों ने नशे में जमकर उत्पात मचा दिया। इस घटना में वधू का भाई साहिल अहिरवार गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया, वहीं पिता परमीलाल और ताऊ राजेश कुमार के सिर व शरीर पर भी गंभीर चोटें आई हैं। जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई। कोतवाली थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शारदा नगर निवासी ठेकेदार परमीलाल उर्फ छुट्टन अहिरवार की बेटी की शादी के लिए चौकी ताल क्षेत्र से बारात आई थी। बारात में शामिल विंदी चौधरी, कमल चौधरी और पारस चौधरी ने शराब के नशे में पहले कार्यक्रम के दौरान अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज शुरू कर दी। जब वधू पक्ष ने उन्हें शांत रहने के लिए कहा, तो आरोपियों का विवाद बढ़ गया। स्थिति बिगड़ने पर दुल्हन के पिता परमीलाल, भाई साहिल अहिरवार और ताऊ राजेश कुमार अहिरवार ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। आरोप है कि इसके बाद बारातियों ने बाहर से पत्थरबाजी कर दी, जिसमें वधू पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आरोपी वहां से फरार हो गए। कोतवाली पुलिस ने मामले में तीनों आरोपियों विंदी चौधरी, कमल चौधरी और पारस चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

दयोदय एक्सप्रेसः अक्टूबर में एक ट्रिप आंशिक निरस्त

जबलपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के मांडावरिया-किशनगढ़ रेलखंड में ब्रिज संख्या 292 पर आरसीसी बॉक्स द्वारा स्टोन स्लैब प्रतिस्थापन कार्य किए जाने के कारण पश्चिम मध्य रेल से प्रारंभ/ टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस अक्टूबर माह में दोनों दिशाओं में 01-01 ट्रिप जयपुर-अजमेर के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। जो कि इस प्रकार है- गाड़ी संख्या 12181 जबलपुर-अजमेर एक्सप्रेस दिनांक 24 अक्टूबर 2026 को जबलपुर से अपने निर्धारित समयानुसार प्रस्थान कर जयपुर स्टेशन तक ही संचालित होगी। अर्थात जयपुर-अजमेर रेलखंड के मध्य यह गाड़ी आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12182 अजमेर-जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को अपने निर्धारित प्रारंभिक स्टेशन अजमेर के स्थान पर जयपुर स्टेशन से अपने निर्धारित समयानुसार प्रस्थान कर जबलपुर तक संचालित होगी। अर्थात अजमेर-जयपुर रेलखंड के मध्य यह गाड़ी आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन की समय-सारणी, परिचालन स्थिति एवं आरक्षण संबंधी अद्यतन जानकारी रेल मदद (139), एनटीईएस अथवा रेलवे की अधिकृत वेबसाइट से प्राप्त कर यात्रा का लाभ लें।

सिवनी से सिहोरा भेजा जा रहा 11 किलो गांजा आईएसबीटी में जब्त

जबलपुर। क्राइम ब्रांच और माढ़ोताल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 11 किलो 301 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 5.65 लाख रुपये आंकी गई है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर अंतरर्राज्जीय बस ट्रमिनल (आईएसबीटी) दीनदयाल बस स्टैंड के बाहर घेराबंदी कर कंकाली मोहल्ला, सिहोरा निवासी 22 वर्षीय प्रिंस बर्मन को दो बैग और एक पिट्ठू बैग सहित पकड़ा गया। तलाशी में 11 पैकेटों में रखा 11.301 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि सिवनी से गांजा लाकर उसे सिहोरा निवासी मुकेश साहू को देना था, जो उसे जय सेलर ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 एवं 29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीजा को घर छोड़कर लौट रहे साले की सड़क हादसे में मौत

जबलपुर। बेलखेड़ा थाना अतंर्गत सुनाचर निवासी दो भाई अपने बहनोई को पाटन में छोड़कर घर लौट रहे थे, इस दौरान अन्नपूर्णा ढाबा के पास उनकी बाईक को पीछे से दूसरी बाईक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बड़े भाई की मौत हो गई, जबकि छोटा घायल हो गया। बेलखेड़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुनाचर बेलखेड़ा निवासी 24 वर्षीय रंजीत भूमिया गत दिवस अपने 26 वर्षीय बड़े भाई देवेंद्र भूमिया के साथ मोटर सायकल में बहनोई को छोड़ने के लिये रात लगभग 11 बजे पाटन गये थे, जहां से वापस घर आते समय अन्नपूर्णा ढाबा के पास पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड डी 0969 के चालक ने उनकी मोटर सायकल में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों गिर गए। गिरने से रंजीत के पैर में चोटे आ गई वहीं देवेन्द्र को सिर में चोट आने पर डायल 112 से उपचार के लिए शहपुरा अस्पताल लेकर गये जहां डाक्टर ने चैक कर देवेन्द्र भूमिया को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी बाईक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए), 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

- कटनी रिश्वत प्रकरण में अब भी अटकी कार्रवाई
- जुलाई में प्रस्तावित सेवानिवृत्ति ने बढ़ाए सवाल

नागरिक आपूर्ति निगम में एमडी बदले, अफसर बदले, लेकिन चार साल बाद भी नहीं मिली अभियोजन की स्वीकृति

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस या फाइलों का खेल?

हरिभूमि, जबलपुर।

हरिभूमि फॉलोअप

मध्यप्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई और "जीरो टॉलरेंस" की नीति का दावा करती है, लेकिन नागरिक आपूर्ति निगम से जुड़ा एक रिश्वत प्रकरण इन दावों को कठघरे में खड़ा करता नजर आ रहा है। वर्ष 2022 में कटनी में 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त द्वारा गिरफ्तार किए गए नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह के मामले में चार वर्ष बीत जाने के बाद भी अभियोजन स्वीकृति लंबित रहने की चर्चा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर चार वर्षों में ऐसा क्या हुआ कि मामला आज तक न्यायिक प्रक्रिया के अगले चरण तक नहीं पहुंच पाया।

लोकायुक्त की कार्रवाई, फिर थम गई रफ्तार

मई 2022 में जबलपुर लोकायुक्त ने कटनी के बरगवां स्थित नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय में कार्रवाई करते हुए तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह और लेखापाल धीरज मिश्रा को 60 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। आरोप था कि धान मिलिंग एवं परिवहन के लगभग 20 लाख रुपये के बिलों के भुगतान के एवज में एक लाख रुपये की मांग की गई थी। एफआईआर दर्ज हुई, कार्रवाई हुई, लेकिन उसके बाद मामला फाइलों में सिमटकर रह गया।

चार साल बाद भोपाल पहुंची फाइल

सूत्रों के अनुसार, अभियोजन स्वीकृति के लिए फाइल अब नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय भोपाल भेजी गई है। यदि यह स्थिति सही है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जबलपुर से भोपाल तक फाइल पहुंचने में चार वर्ष क्यों लग गए?

जुलाई में प्रस्तावित सेवानिवृत्ति ने बढ़ाई चर्चा

सूत्रों के अनुसार वर्तमान में नागरिक आपूर्ति निगम जबलपुर में जिला प्रबंधक के पद पर सेवाएं दे रहे संजय सिंह जुलाई में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। ऐसे में प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि कहीं पूरा मामला सेवानिवृत्ति तक खिंचने की स्थिति में तो नहीं पहुंच गया है। यदि अभियोजन स्वीकृति और चालान की प्रक्रिया सेवानिवृत्ति के बाद आगे बढ़ती है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक होगा कि चार वर्षों तक इंतजार किसलिए किया गया।

एमडी बदले, लेकिन फैसला नहीं

इन चार वर्षों के दौरान नागरिक आपूर्ति निगम में कई प्रशासनिक परिवर्तन हुए। निगम में नए प्रबंध निदेशक (एमडी) ने भी पदभार संभाला, अधिकारियों के दायित्व बदले, लेकिन अभियोजन स्वीकृति का मामला आगे नहीं बढ़ सका। इससे यह सवाल और गहरा हो गया है कि आखिर निर्णय लेने में बाधा कहां है?

विभाग की चुप्पी

आम तौर पर रिश्वत प्रकरणों में विभागीय कार्रवाई भी समानांतर रूप से चलती है। लेकिन इस मामले में निलंबन और विभागीय कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। दूसरी ओर हाल ही में सागर में रिश्वत प्रकरण में गिरफ्तार एक अधिकारी को अगले ही दिन निलंबित किए जाने का उदाहरण सामने आया। ऐसे में प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि क्या अलग-अलग विभागों में अलग-अलग मानक अपनाए जाते हैं?

पूरी व्यवस्था ही कठघरे में

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल ट्रैप कार्रवाई और एफआईआर तक सीमित नहीं हो सकती। इसकी असली सफलता तब है जब जांच समयबद्ध हो, अभियोजन आगे बढ़े और न्यायिक प्रक्रिया निष्कर्ष तक पहुंचे। यदि रंगे हाथों पकड़े गए मामलों में भी फाइलें वर्षों तक चलती रहें और आरोपी अधिकारी सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच जाएं, तो सवाल केवल एक मामले का नहीं रह जाता, बल्कि पूरी व्यवस्था की कार्यक्षमता और जवाबदेही पर उठता है।

फैक्ट फाइल

- मई 2022 में कटनी में लोकायुक्त ट्रैप कार्रवाई।
- 60 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते गिरफ्तारी।
- 20 लाख रुपये के बिल भुगतान से जुड़ा मामला।
- चार वर्षों तक अभियोजन स्वीकृति लंबित रहने की चर्चा।
- जुलाई 2026 में प्रस्तावित सेवानिवृत्ति।

अब नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय भोपाल पर टिकी निगाहें

कब क्या हुआ

- मई 2022 — लोकायुक्त की ट्रैप कार्रवाई और एफआईआर दर्ज।
- 2022-2025 — मामला अभियोजन स्वीकृति प्रक्रिया में लंबित रहा।
- 2026 — लगातार खबरों के बाद फाइल भोपाल भेजे जाने की चर्चा।
- जुलाई 2026 — संबंधित अधिकारी की प्रस्तावित सेवानिवृत्ति।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240